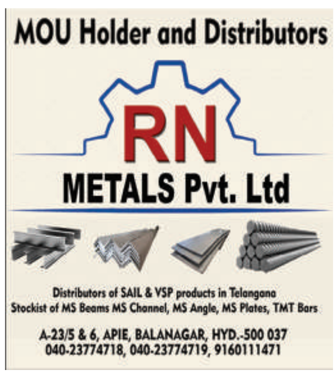


खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 19 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-18

# ॐ शांति ॐ
## ट्रंप के गाज़ा पीस बोर्ड में मोदी

**नई दिल्ली, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** अमेरिका ने भारत को गाजा बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का निमंत्रण दिया है. यह बोर्ड अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का दूसरा चरण है, जिसका उद्देश्य इस्राइल-हमास युद्ध को पूरी तरह से समाप्त करना है. युद्धविराम के बावजूद खबरें सामने आ रही हैं कि इजरायल लगातार गाजा में हमला कर रहा है।

ट्रंप ने गुरुवार को गाजा बोर्ड ऑफ पीस के दूसरे चरण के गठन की घोषणा की, जिसे वे इस युद्ध को खत्म करने के लिए एक अहम कदम मानते हैं।

यह बोर्ड गाजा के रोजमर्रा के मामलों को संभालने के लिए एक तकनीकी समिति का ऑब्जर्वेशन करेगा और यह युद्धविराम फ्रेमवर्क का हिस्सा होगा। बोर्ड का उद्देश्य गाजा क्षेत्र में स्थिरता लाना और वहां के रिकंस्ट्रक्शन के लिए स्ट्रैटेजी बनाना है। ट्रंप की योजना के तहत, गाजा को फिर से रहने लायक़ बेहतर बनाने के लिए आवश्यक धनराशि जुटाई जाएगी, जिससे क्षेत्र की स्थिति हर स्तर पर बेहतर हो सके।

अमेरिका ने भारत के अलावा कम से कम चार अन्य देशों को भी इस बोर्ड में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, जो इस योजना के चार्टर से परिचित हैं, यदि कोई देश स्थायी सदस्यता चाहता है तो उसे 1 अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान देना होगा, जबकि तीन साल के लिए सदस्यता प्राप्त करने के लिए कोई फाइनेंशियल कमिटमेंट जरूरी नहीं है।

यह कदम वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका और इसके महत्वपूर्ण जियोपॉलिटिकल प्रभाव को दर्शाता है. वर्तमान में दुनिया में चल रहे संघर्षों के बीच भारत का यह स्थान स्थिरता और संधि प्रक्रिया में एक सक्रिय भागीदार बनने की ओर इशारा करता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के भारत में राजदूत सर्जियो गोरे ने एक संदेश साझा किया है जिसमें उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बोर्ड ऑफ पीस में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आमंत्रित किया है।

राजदूत सर्जियो गोरे ने अपने ट्वीट में कहा, मुझे गर्व है कि मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आमंत्रण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दे रहा हूं ताकि वे बोर्ड ऑफ पीस में भाग लें, जो गाजा में स्थायी शांति लाएगा. यह बोर्ड प्रभावशाली शासन का समर्थन करेगा जिससे स्थिरता और समृद्धि प्राप्त होगी।

ट्रंप की यह पहल क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए एक बड़ी कोशिश है, जिसमें भारत जैसे विश्वस्तरीय प्रमुख देशों की भागीदारी से उम्मीदें बढ़ गई हैं। गाजा बोर्ड ऑफ पीस के माध्यम से क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर शांति और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने की संभावना है।

## ग्रेटर हैदराबाद मेयर कुर्सी पर फिर महिला
# बैठेगी महारानी

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना सरकार द्वारा राज्य के नगर निगमों और नगर पालिकाओं के मेयर और अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण की घोषणा के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

सबसे अधिक चर्चा बृहत ग्रेटर हैदराबाद (जीएचएमसी) को लेकर है, जहाँ एक बार फिर मेयर का पद सामान्य महिला श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब प्रशासनिक हलकों में जीएचएमसी को तीन अलग-अलग निगमों में विभाजित करने के प्रस्ताव पर गहन मंथन चल रहा है।

**तीन निगमों में विभाजन का प्रस्ताव और नया प्रशासनिक ढांचा**

सरकारी सूत्रों के अनुसार, विशाल जीएचएमसी को तीन हिस्सों में बाँटने की प्रबल संभावना है। इसमें पहला हैदराबाद कॉर्पोरेशन, दूसरा साइबराबाद और तीसरा मल्काजगिरि कॉर्पोरेशन के रूप में अस्तित्व में आ सकता है। हाल ही में परिधीय स्थानीय निकायों के विलय के बाद, शहर को 12 जोन और 60 सर्किलों में व्यवस्थित किया गया है, जिन्हें कुल 300 डिवीजनों में विभाजित किया गया है। सुचारू कामकाज के लिए दो अतिरिक्त आयुक्त नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक को तीन जोन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, विभाजन पर सरकार ने अभी तक कोई अंतिम मुहर नहीं लगाई है, लेकिन इस प्रशासनिक फेरबदल को विभाजन की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

▶10 पर

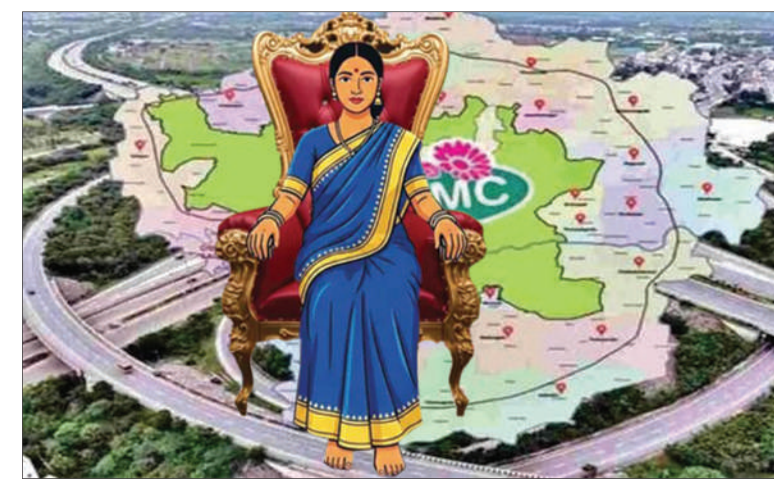

### जीएचएमसी चुनाव अभी नहीं
#### 10 फरवरी के बाद होंगे तीन टुकड़े

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना में नगर निकाय चुनावों की सरगर्मी के बीच बृहत ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के भविष्य को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने स्पष्ट कर दिया है कि ग्रेटर हैदराबाद के चुनाव फिलहाल निकट भविष्य में होने की संभावना नहीं है। महानगर में चुनावी प्रक्रिया और आरक्षण का निर्धारण 10 फरवरी के बाद ही शुरू होगा।

**तीन मेयर और तीन कमिश्नर**

कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने उन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है जिनमें निगम के विभाजन को लेकर संदेह जताया जा रहा था। उन्होंने पुष्टि की है कि जीएचएमसी को तीन अलग-अलग नगर निगमों में विभाजित किया जाना तय है। योजना के अनुसार:

जीएचएमसी (हैदराबाद): शमशाबाद तक विस्तृत क्षेत्र के साथ इसमें 150 डिवीजन होंगे। ग्रेटर साइबराबाद: नए निगम के रूप में अस्तित्व में आएगा। ग्रेटर मल्काजगिरि: तीसरे नए निगम के रूप में कार्यभार संभालेगा।

विभाजन के बाद प्रत्येक निगम का अपना स्वतंत्र प्रशासनिक ढांचा होगा, जिसमें तीन मेयर और तीन कमिश्नर नियुक्त किए जाएंगे। वर्तमान नगर परिषद का कार्यकाल 10 फरवरी को समाप्त हो रहा है, ▶10 पर

# हुसैन सागर सफाई का श्रीगणेश

शुभ लाभ

epaper.shubhlabhdaily.com

हुसैन सागर झील
1,200 करोड़ पानी में

शुभ लाभ IMPACT

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** शहर की ऐतिहासिक हुसैन सागर झील की बिगड़ती स्थिति और बढ़ते प्रदूषण को लेकर मिल रही शिकायतों के बीच, झील को साफ करने और इसमें तैरते कचरे व जंगली घास को हटाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, झील के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए अत्याधुनिक मशीनों का सहारा लिया जा रहा है।

**हाई-टेक मशीनों से ठोस कचरे का सफाया**

झील की सफाई के कार्य में जुटे अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में सात फ्लोटिंग ट्रैश स्किमर्स और एक एम्फीबियस एक्सावेटर को काम पर लगाया गया है। ये फ्लोटिंग ट्रैश स्किमर्स झील की सतह से प्लास्टिक, टूटी हुई बोतलें, खिलौने, चॉकलेट के रैपर, रबर, चमड़ा और थर्माकोल जैसे ठोस कचरे को बाहर निकाल रहे हैं। ये मशीनें विशेष रूप से उन क्षेत्रों में सक्रिय हैं जहाँ पर्यटकों की संख्या अधिक रहती है।

**कूकटपल्ली नाले से आने वाली जलकुंभी पर प्रहार**

झील में प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत कूकटपल्ली नाला है, जहाँ से भारी मात्रा में जंगली घास और जलकुंभी झील में प्रवेश करती है। चूंकि ट्रैश स्किमर्स नाले के संकरे रास्तों में प्रवेश नहीं कर सकते, इसलिए बुद्ध पूर्णिमा प्रोजेक्ट अथॉरिटी वहां एम्फीबियस एक्सावेटर का उपयोग कर रही है। यह मशीन पानी और जमीन दोनों पर काम करने में सक्षम है और झील के मुहाने पर ही खरपतवार को रोकने में मदद कर रही है

**प्रतिदिन 10 टन कचरा और पर्यटकों की लापरवाही**

बुद्ध पूर्णिमा प्रोजेक्ट अथॉरिटी के एक सहायक अभियंता ने बताया कि झील के किनारों (एनटीआर गार्डन, नेकलेस रोड, टैंक बंड और संजीवैया पार्क) पर आने वाले सैकड़ों आगंतुक अक्सर ठोस कचरा झील में फेंक देते हैं।

दैनिक सफाई: स्किमर्स के जरिए झील से रोजाना लगभग 10 टन ठोस कचरा निकाला जा रहा है।

निरंतर प्रक्रिया: अधिकारियों का कहना है कि झील की सफाई एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। साल 2014 में जहाँ केवल 3 स्किमर्स थे, अब उनकी संख्या बढ़ाकर 9 कर दी गई है, जिनमें से 7 स्थायी रूप से हुसैन सागर में तैनात हैं।

झील के कोनों पर जमा होने वाले कचरे को हटाने के लिए मानव श्रम का भी दैनिक आधार पर उपयोग किया जा रहा है ताकि शहर की इस पहचान को स्वच्छ रखा जा सके।

### सिकंदराबाद छावनी में प्रॉपर्टी टैक्स का करंट
#### 100% से 300% तक की भारी वृद्धि

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सिकंदराबाद छावनी बोर्ड द्वारा संपत्ति कर में की गई बेतहाशा वृद्धि ने स्थानीय निवासियों को गहरे वित्तीय संकट और चिंता में डाल दिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 से लागू होने वाले त्रिवार्षिक संशोधन के नोटिस मिलने के बाद संपत्ति मालिकों में भारी रोष है। कई मामलों में यह वृद्धि 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत से भी अधिक दर्ज की गई है।

छावनी बोर्ड के इस फैसले का सीधा असर आम परिवारों के बजट पर पड़ा है। राजीव राहदारी प्रॉपर्टी ओनर्स जॉइंट एक्शन कमेटी ने इस बढ़ोतरी को मनमाना और अनुचित करार दिया है।

प्रभावित निवासी: काकागुडा स्थित महावीर प्रसाद की संपत्ति का वार्षिक कर 17,226 से बढ़ाकर 54,420 करने का प्रस्ताव है।

एक अन्य उदाहरण: वासवी कॉलोनी में पी. पद्मनाभ रेड्डी का टैक्स 36,288 से बढ़कर सीधे 86,184 हो गया है। ऐसे सैकड़ों उदाहरणों ने निवासियों के बीच वित्तीय असुरक्षा की स्थिति पैदा कर दी है।

बोर्ड द्वारा जारी किए गए नोटिस में निवासियों को अपना पक्ष रखने का मौका भी दिया गया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी संपत्ति मालिक को प्रस्तावित मूल्यांकन या कर वृद्धि पर आपत्ति है, तो वे 30 दिनों के भीतर लिखित में अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। आपत्ति दर्ज कराते समय निवासियों को यह स्पष्ट करना होगा कि वे मूल्यांकन के किस हिस्से या पहलू से असहमत हैं।

**सड़क चौड़ीकरण और एलिवेटेड कॉरिडोर का साया**

शनिवार (17 जनवरी, 2026) को जेएसी के सदस्यों ने मल्काजगिरि के सांसद ईटाला राजेंद्र से मुलाकात की और इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की। निवासियों का तर्क है कि यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है जब राज्य सरकार स्टेट हाईवे-1 पर एलिवेटेड कॉरिडोर और सड़क चौड़ीकरण की योजना बना रही है।

### कार्टून कॉर्नर

# बेंगलुरु-हैदराबाद की दूरी 70 किमी घटेगी

**कुरनूल, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हैदराबाद और बेंगलुरु के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। कुरनूल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 167के (एनएच-167के) के विस्तार का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल यात्रा सुगम होगी, बल्कि दोनों महानगरों के बीच की दूरी लगभग 70 किलोमीटर कम हो जाएगी। 691.81 करोड़ के भारी-भरकम बजट के साथ चल रहा यह प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

**नंद्याल से नोसम तक बिछेगा सड़कों का जाल**

केंद्र और राज्य सरकारों ने सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। इसी कड़ी में कुरनूल

जिले के नंद्याल मंडल के कनाला से संजामला मंडल के नोसम तक (कोवेलाकुंटला के रास्ते) 62.01 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। पिछले साल जून में सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री बी.सी. जनार्दन रेड्डी ने इस कार्य का शुभारंभ किया था। वर्तमान में कोवेलाकुंटला और जोलादराशी गांवों के बीच बिटुमेन (डामर) बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। साथ ही, बाईपास और पुलियों (कल्वर) का निर्माण भी अंतिम चरणों में है।

▶10 पर

# बांग्लादेश : दुकान में देवी-देवता की तस्वीर रखने पर आपत्ति, हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट पीटकर हत्या

**ढाका,18 जनवरी (एजेंसियां) ।**

बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के कालीगंज क्षेत्र में सांप्रदायिक उन्माद की एक और भयावह घटना सामने आई है, जहां एक हिंदू मिठाई व्यवसायी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष के रूप में हुई है, जिन्हें स्थानीय लोग काली मयरा के नाम से जानते थे। वह कालीगंज नगरपालिका से सटे बड़नगर रोड स्थित बैसाखी स्वीट एंड होटल के मालिक थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे दुकान में काम करने वाले 17 वर्षीय हिंदू किशोर कर्मचारी अनंत दास के साथ मारपीट शुरू हुई। आरोप है कि मासूम मिया (28) नामक युवक दुकान में आया और दुकान में लगी देवी-देवताओं की तस्वीरों पर आपत्ति जताई। उसने कहा कि दुकान में इस तरह की तस्वीरें रहने से मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ हराम हो जाते हैं और मुस्लिम देश में इस तरह का व्यापार नहीं चल सकता।

जब कर्मचारी अनंत दास ने इसका विरोध किया तो मासूम मिया ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए धार्मिक आधार पर अपमानित किया और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मासूम के पिता स्वपन मिया (55) और मां माजेदा खातून (45) भी मौके पर पहुंच गए और तीनों ने मिलकर कर्मचारी को पीटना शुरू कर दिया।

स्थिति को शांत करने और अपने कर्मचारी को बचाने के लिए जब दुकान मालिक लिटन चंद्र घोष आगे आए तो हमलावरों ने उन्हें भी निशाना बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक चरण में हमलावरों ने बेलचे से लिटन घोष के सिर पर वार किया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना के तुरंत बाद लोगों ने तीनों हमलावरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद स्वपन मिया, माजेदा खातून और मासूम मिया शामिल हैं, जो कालीगंज उपजिला के बालीगांव इलाके के निवासी बताए गए हैं। इस निर्मम हत्याकांड से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी असुरक्षा और भय व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूर्व नियोजित था और लंबे समय से चले आ रहे सांप्रदायिक द्वेष का परिणाम है। कालिगंज थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद जाकिर हुसैन ने बताया कि घटना के बाद तीनों आरोपितों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। मृतक के शव को बरामद कर मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सांप्रदायिक मुद्दा उठाकर सार्वजनिक रूप से एक हिंदू व्यवसायी की हत्या की इस घटना ने एक बार फिर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### पाक के कराची में आग की लपटों से घिरा शॉपिंग प्लाजा , पांच की मौत, 20 से ज्यादा झुलसे, दमकल की 14 गाड़ियां मौके पर

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में एक शॉपिंग प्लाजा में तड़के लगी आग में कम से कम पांच लोगों की जलकर मौत हो गई। 20 से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए। दमकल विभाग की 14 गाड़ियां आग पर नियंत्रण पाने की प्रयास कर रही हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह शॉपिंग प्लाजा एमए जिन्ना रोड पर है। यहां के लोग इसे गुल प्लाजा कहते हैं। अधिकारियों ने बताया आग इस प्लाजा के ग्राउंड और पहली मंजिल पर लगी। अब तक पांच लोगों की जान जा चुकी है। सिंध के गृहमंत्री जियाउल हसन लांजर का कहना है कि उन्होंने दमकल विभाग और रेस्क्यू 1122 को जल्द से जल्द आग बुझाने और घटनास्थल तक पहुंचने के लिए रास्ता साफ करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मरने वाले तीन लोगों की पहचान आमिर, आसिफ और फराज के रूप में हुई है। दो की पहचान नहीं हो सकी है। इस घटना में 20 से लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग की तीव्रता लगातार बढ़ रही है। आग ने कई और दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया है। और गाड़ियां बुलाई गई हैं। लोगों को स्नोर्कल की मदद से प्लाजा से बाहर निकाला जा रहा है। इस शॉपिंग प्लाजा में दुकानों की संख्या 1,000 से ज्यादा है। कराची के मेयर बैरिस्टर मुर्तजा वहाब ने गुल प्लाजा में आग लगने से हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख और अफसोस जताया है।

### खुला समंदर, गोलीबारी और गिरफ्तारी... तेहरान में फंसे 16 भारतीय नाविकों की दर्दभरी दास्तां

**तेहरान।** इंटरनेशनल वाटर में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स हमारे जहाज का पीछा कर रहे हैं......यह आखिरी शब्द थे, जो 8 दिसंबर 2025 को वैलेंट रोर टैंकर के कमांडर ने अपने भाई कैप्टन विनोद परमार से फोन पर कहे। इस दौरान उनकी आवाज कांप रही थी फिर बातचीत अधूरी रह गई और अचानक कॉल कट गया। इसके बाद जो हुआ, वह 16 भारतीय नाविकों और उनके परिवारों के लिए एक भयावह सपने में बदल गया। परिजनों का आरोप है कि इंटरनेशनल वाटर में मौजूद टैंकर पर ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की, जहाज को जब्त कर क्रू को बंधक बना लिया। जहाज पर कुल 18 क्रू मेंबर थे, जिसमें 16 भारतीय, एक श्रीलंकाई और एक बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। डेढ़ महीने से अधिक समय बीतने के बावजूद कई भारतीय नाविक आज भी ईरान में हिरासत में हैं, बाहरी दुनिया से पूरी तरह कटे हुए। यह घटना 8 दिसंबर की दोपहर यूएई के डिब्बा पोर्ट के पास हुई। दुबई की कंपनी ग्लोरी इंटरनेशनल द्वारा संचालित वैलेंट रोर टैंकर तकनीकी खराबी के बाद अपनी पहली यात्रा पर था और खोर फक्कन की ओर बढ़ रहा था। तभी आईआरजीसी ने उसका पीछा शुरू किया। जहाज के चीफ ऑफिसर अनिल कुमार सिंह की पत्नी गायत्री ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे उनके पति का घबराया हुआ फोन आया, जिसमें गोलियों की आवाजें साफ सुनाई दे रही थीं। इसके बाद संपर्क पूरी तरह टूट गया।

### ट्रंप के एक्शन के बीच क्यों चर्चा में आ गया खामेनेई का कथित 'सीक्रेट बंकर'

**तेहरान।** ईरान में जारी व्यापक सरकार-विरोधी प्रदर्शनों और सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई के बीच पश्चिम

एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका ने अपनी सैन्य मौजूदगी को मजबूत किया है। अमेरिकी नौसेना का न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन, उसके साथ युद्धपोतों का बेड़ा और टोमाहॉक क्रूज मिसाइलों से लैस डिस्ट्रॉयर मिडिल ईस्ट की ओर बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर ईरान में दमन जारी रहा, तब अमेरिका हस्तक्षेप से पीछे नहीं हटेगा। इन घटनाओं के चलते क्षेत्र में युद्ध की आशंका तेज है। इस बीच ईरानी सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई के कथित 'सीक्रेट बंकर' को लेकर चर्चा तेज है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 86 वर्षीय खामेनेई और उनका परिवार तेहरान के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित लवीजान इलाके के एक गहरे भूमिगत बंकर में मौजूद हैं। यह इलाका पहले से ही सैन्य और परमाणु अनुसंधान से जुड़ी गुप्त सुविधाओं के लिए जाना जाता है। बताया जा रहा है कि यह बंकर करीब 90 से 100 मीटर या उससे भी अधिक गहराई में है।

# ट्रंप के ग्रीनलैंड अधिग्रहण दावों के खिलाफ नूक की सड़कों पर उतरे हजारों लोग, पीएम ने किया नेतृत्व

**नूक,18 जनवरी (एजेंसियां) ।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने के बयानों ने एक अंतरराष्ट्रीय विवाद को जन्म दे दिया है। शनिवार को ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में इन दावों के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे किसी भी देश के अधीन होने के बजाय अपनी स्वायत्तता और भविष्य का फैसला स्वयं करने के पक्षधर हैं। इस विरोध मार्च की सबसे खास बात यह रही कि इसका नेतृत्व खुद ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नीलसन ने किया, जो ट्रंप के संभावित कब्जे के दावों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहे थे। हाथों में झंडे और विरोध की तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने उस नए निर्माणाधीन ब्लॉक के पास से मार्च किया, जहां अमेरिका अपने कॉन्सुलेट (वाणिज्य दूतावास) को स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है। वर्तमान में अमेरिकी कॉन्सुलेट एक छोटी लकड़ी की इमारत में संचालित होता है, जिसमें कर्मचारियों की संख्या भी बेहद कम है। हालांकि, अमेरिका द्वारा वहां अपनी उपस्थिति बढ़ाने की कोशिशों को स्थानीय लोग संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयानों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति और वहां मौजूद खनिज संपदा अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने यहां तक संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ, तो ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के लिए बल प्रयोग भी किया जा सकता है। इन बयानों के बाद डेनमार्क की अपील पर यूरोपीय देशों ने ग्रीनलैंड में अपने सैन्य कर्मियों की तैनाती शुरू कर दी है, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति और गहरी हो गई है। यह विवाद अब नाटो के भीतर एक बड़े राजनयिक संकट में बदल गया है, क्योंकि अमेरिका और डेनमार्क दोनों ही इस संगठन के संस्थापक सदस्य हैं। ग्रीनलैंड की करीब 57 हजार की आबादी अपनी स्वायत्तता को लेकर बेहद संवेदनशील है। हालांकि रक्षा और विदेश नीति के लिए यह अभी भी डेनमार्क पर निर्भर है, लेकिन ट्रंप के बयानों ने स्थानीय नेताओं और जनता के बीच गहरी बेचैनी पैदा कर दी है। इस आग में घी डालने का काम व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर के बयान ने किया, जिन्होंने कहा कि डेनमार्क ग्रीनलैंड की रक्षा करने में असमर्थ है ।

### सहयोगी लड़ेंगे, तो दुश्मन मौज करेंगे, टैरिफ और ग्रीनलैंड विवाद पर यूरोप ने अमेरिका को घेरा

**लंदन।** यूरोपीय संघ की शीर्ष राजनयिक और यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कैलास ने अमेरिका और यूरोप के बीच गहराते कूटनीतिक और आर्थिक मतभेदों को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में आगाह किया है कि पश्चिमी सहयोगियों के बीच पैदा हो रही फूट का सीधा और सबसे बड़ा फायदा चीन और रूस को मिल रहा है। कैलास ने सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किए गए अपने संदेश में रेखांकित किया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में बीजिंग और मॉस्को संभवतः इन विवादों का जश्न मना रहे होंगे, क्योंकि लोकतांत्रिक देशों के बीच का आपसी टकराव उनके रणनीतिक हितों को साधने का काम कर रहा है। काजा कैलास का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिका और यूरोपीय देशों के बीच तनाव चरम पर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिमी देशों की एकजुटता में किसी भी प्रकार की कमी उन ताकतों को और अधिक शक्तिशाली बनाएगी जो वर्तमान वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देने की कोशिश कर रही हैं। ग्रीनलैंड की सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि यदि इस क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर कोई संशय है, तो उसे नाटो के ढांचे के भीतर ही सुलझाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, अलग-अलग मंचों पर बयानबाजी करने से केवल विवाद बढ़ेगा, जबकि समाधान सामूहिक सुरक्षा फ्रेमवर्क के जरिए ही संभव है। आर्थिक मोर्चे पर कैलास ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित टैरिफ वॉर को लेकर भी कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि व्यापारिक प्रतिबंधों और टैरिफ की लड़ाई से यूरोप और अमेरिका, दोनों ही पक्ष आर्थिक रूप से कमजोर होंगे। यह न केवल साझा समृद्धि को चोट पहुँचाएगा, बल्कि ट्रांस-अटलांटिक रिश्तों में ऐसी दरार पैदा करेगा जिसे भरना भविष्य में कठिन हो सकता है।

# गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन से नवजात को खतरा

**कैरोलिंस्का,18 जनवरी (एजेंसियां) ।**

गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करने से नवजात शिशुओं में ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस (जीबीएस) संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है, जो शिशु के स्वास्थ्य के लिए गंभीर साबित हो सकता है। ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस एक प्रकार का बैक्टीरिया है, जो आमतौर पर आंत या जननांगों में पाया जाता है और सामान्य परिस्थितियों में गंभीर नुकसान नहीं पहुंचाता। हालांकि, गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक के अत्यधिक या अनियंत्रित उपयोग से यह बैक्टीरिया सक्रिय हो सकता है। इससे नवजात शिशु की रोग प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है और उसे जन्म के बाद निमोनिया, तेज बुखार या अन्य संक्रमणों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ मामलों में यह संक्रमण शिशु के लिए जानलेवा भी हो सकता है। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट और बेल्जियम के एंटवर्प विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए इस अध्ययन में गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक सेवन और नवजातों में जीबीएस संक्रमण के बीच संबंध का विश्लेषण किया गया। शोध के अनुसार, यदि गर्भवती महिला डिलीवरी से चार सप्ताह पहले तक एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करती है, तो नवजात में जीबीएस संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। खासतौर पर गर्भावस्था की तीसरी तिमाही की शुरुआत को इस लिहाज से सबसे संवेदनशील अवधि माना गया है। इस शोध में बताया गया है कि गर्भावस्था के दौरान एंटीबायोटिक के संपर्क में आने से प्रसव के बाद पहले चार हफ्तों के भीतर शिशु के संक्रमित होने की आशंका अधिक रहती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह समय शिशु के विकास के लिहाज से बेहद नाजुक होता है, इसलिए इस दौरान किसी भी तरह का संक्रमण गंभीर असर डाल सकता है। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 2006 से 2016 के बीच स्वीडन में हुए सभी एकल जन्मों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। कुल 10,95,644 जीवित जन्मे शिशुओं को अध्ययन में शामिल किया गया, जिनमें से करीब 24.5 प्रतिशत शिशु जन्म से पहले एंटीबायोटिक दवाओं के संपर्क में आए थे। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह पहला ऐसा व्यापक अध्ययन है, जिसमें प्रसवपूर्व एंटीबायोटिक सेवन और नवजातों में जीबीएस संक्रमण के जोखिम के बीच सीधे संबंध की पड़ताल की गई है।

### टेक शो: लॉलीपॉप चबाते ही दिमाग के भीतर बजने लगता है संगीत

**लास वेगास।** लास वेगास में चल रहे दुनिया के सबसे बड़े टेक शो सीईएस 2026 से एक ऐसी ही अनोखी और हैरान कर देने वाली खोज सामने आई है, जिसने दुनियाभर के टेक प्रेमियों का ध्यान खींच लिया है। यह खोज बेहद साधारण लगने वाले एक लॉलीपॉप से जुड़ी है। यह लॉलीपॉप न सिर्फ मीठा स्वाद देता है, बल्कि चबाते ही आपके दिमाग के भीतर संगीत बजने लगता है। इस अनोखे गैजेट को 'लॉलीपॉप स्टार' नाम दिया गया है, जिसे अमेरिका की कंपनी लावा टेक ब्रांड्स ने पेश किया है। हालांकि इसकी मैन्युफैक्चरिंग चीन में की जा रही है। यह लॉलीपॉप 'बोन कंडक्शन' तकनीक पर आधारित है, जो अब तक खास तौर पर हेडफोन्स और मेडिकल डिवाइसेज में इस्तेमाल होती रही है। जैसे ही कोई व्यक्ति इस लॉलीपॉप को दांतों से छूता है, इसकी विशेष संरचना ध्वनि तरंगों को जबड़े की हड्डियों के जरिए सीधे आंतरिक कान तक पहुंचा देती है। इसका नतीजा यह होता है कि आसपास मौजूद किसी भी व्यक्ति को कोई आवाज सुनाई नहीं देती, लेकिन लॉलीपॉप खाने वाले के दिमाग में संगीत गूंजने लगता है। सीईएस 2026 से सामने आए इस म्यूजिकल लॉलीपॉप के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

# पाकिस्तान के सुरक्षा बलों का बलोच लिबरेशन आर्मी के शिविर पर हमला, चार विद्रोही कमांडर मारे गए

**क्वेटा (बलोचिस्तान),18 जनवरी (एजेंसियां) ।**

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के हमले में आजादी के लिए संघर्षरत बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के चार विद्रोही मारे गए हैं। बीएलए प्रवक्ता जैनूद बलोच ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने मीडिया को जारी बयान में इस हमले का वर्णन करते हुए अपने चार कमांडरों के निधन पर गहरा शोक जताया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता जैनूद बलोच ने कहा कि यह वाकया 12 जनवरी का है। बलोचिस्तान में जबरिया काबिज होने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने कलात के शोर परुद इलाके में बीएलए के एक अस्थायी शिविर पर हमला किया। इस हमले में बीएलए ने अपने चार कमांडर संगत जहक नवाज, मंजूर कुर्द उर्फ बख्तियार चीता, समीउल्लाह उर्फ जावेद फाहलिया और नसीर अहमद उर्फ मीरेक को खो दिया।

बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि बीएलए अपने शहीद कमांडरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आजादी की मांग के लिए प्रतिबद्ध है । उधर, पाकिस्तान सेना के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के कराची से जारी बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलोचिस्तान प्रांत में दो बैंक और एक पुलिस थाने पर हमला करने वाले 12 आतंकवादी मारे गए।

आईएसपीआर के अनुसार, करीब 15-20 आतंकवादियों ने खारान कस्बे में दो बैंक और एक पुलिस थाने पर हमला कर कुछ कर्मियों को बंधक बना लिया था। इन कर्मियों को बाद में एक अभियान के दौरान सकुशल बचा लिया गया। बयान में कहा गया कि आतंकवादियों ने 15 जनवरी को बैंकों से 34 लाख पाकिस्तानी रुपये लूटकर भागने की कोशिश की। इस घटना के बाद हुई तीन मुठभेड़ों में 12 आतंकवादी मारे गए।

# डेनमार्क और ग्रीनलैंड में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन

**कोपेनहेगन,18 जनवरी (एजेंसियां) ।**

अमेरिका की ग्रीनलैंड पर हर हाल में नियंत्रण करने की धमकी के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए हैं। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन और ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक में लोग सड़कों पर उतर आए। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स फ्रेडरिक नीलसन भी शनिवार को नुउक से अमेरिकी दूतावास तक किए गए प्रदर्शन में शामिल हुए। कोपेनहेगन में अमेरिकी दूतावास के सामने भी हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक में कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों लोगों ने 'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है' के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस कून्स और रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कोपेनहेगन का दौरा किया। उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं को आश्वासन दिया कि ट्रंप का बयान अमेरिकी जनता की राय नहीं हैं और कांग्रेस संप्रभुता के सिद्धांतों का सम्मान करती है।

ग्रीनलैंड पर डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के जवाब में ट्रंप ने कड़े आर्थिक कदम उठाने की घोषणा की है। यूरोपीय नेताओं ने ट्रंप की टैरिफ धमकी पर प्रतिक्रिया दी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पोस्ट पर कहा कि फ्रांस यूरोपीय देशों की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है। इसी आधार पर फ्रांस ने डेनमार्क का समर्थन किया है। मैक्रों ने कहा कि टैरिफ की धमकी अस्वीकार्य है।अगर टैरिफ लगाया गया तो सामूहिक जवाब दिया जाएगा। डेनमार्क के विदेशमंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा कि यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी से वह हैरान हैं। ग्रीनलैंड में अतिरिक्त सुरक्षा बढ़ाना आर्कटिक की रक्षा करना है। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि दूसरे यूरोपीय नेता भी मिलकर जवाब देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। क्रिस्टर्सन ने कहा कि स्वीडन किसी भी धमकी से नहीं डरेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों को मिलकर काम करना चाहिए। सभी को टैरिफ की धमकियों के बारे में सीधे ट्रंप प्रशासन से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सहयोगियों की सामूहिक सुरक्षा के लिए काम करने वाले देशों पर टैरिफ लगाना पूरी तरह से गलत है। यूरोपियन यूनियन के 27 सदस्य देशों के राजदूत रविवार को एक आपात बैठक में इस संबंध में चर्चा करेंगे। यह बैठक साइप्रस ने आहूत की है। यूरोपीय संघ प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने संयुक्त बयान में कहा कि ट्रंप के टैरिफ संबंधों को कमजोर करने वाले हैं। यूरोप इस मामले में एकजुट है। सभी अपनी संप्रभुता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूरीपीय संघ डेनमार्क और ग्रीनलैंड के लोगों के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा, 'बातचीत जरूरी है और हम डेनमार्क साम्राज्य और अमेरिका के बीच पिछले हफ्ते शुरू हुई प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' लिंक्डइन पर एक पोस्ट में ग्रीनलैंड की मंत्री नाजा नाथानिएलसन ने यूरोपीय नेताओं की प्रतिक्रिया की तारीफ की। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से इस द्वीप (ग्रीनलैंड) को हासिल करने की जरूरत है।

# धर्म ही पूरी सृष्टि का संचालक, कोई भी चीज इसके बिना नहीं रह सकती : मोहन भागवत

**मुंबई,18 जनवरी (एजेंसियां)।** आरएएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ने रविवार को कहा कि धर्म ही पूरी सृष्टि का संचालक है। जब सृष्टि बनी, तब उसे चलाने के लिए जो नियम बने, वही धर्म है। पूरी दुनिया उन्हीं नियमों पर चलती है। इसलिए कोई भी पूरी तरह अधर्मी नहीं हो सकता। राज्य भले ही सेकुलर हो सकता है, लेकिन मनुष्य, प्रकृति या सृष्टि की कोई भी चीज धर्म के बिना नहीं रह सकती। संघ प्रमुख ने ये बात मुंबई में आयोजित 'विहार सेवक ऊर्जा मिलन' कार्यक्रम में कही। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पानी का धर्म बहना है और आग का धर्म जलाना है। इसी तरह हर व्यक्ति का भी अपना-अपना धर्म और कर्तव्य होता है, जैसे पुत्र धर्म, राजधर्म और समाज धर्म। ये नियम और अनुशासन हमारे पूर्वजों ने

गहरे आध्यात्मिक चिंतन और कठिन साधना से समझे। उन्होंने पैदल-पैदल देशभर में घूमकर, बिना भाषण दिए भी, आम लोगों के जीवन में धर्म को उतार दिया। इसलिए भारतवर्ष की रग-रग में धर्म बसता है।

उन्होंने कहा कि उनके पास कोई ड्राइवर नहीं है, लेकिन उन्हें, पीएम नरेंद्र मोदी और हम जैसे अनेक लोगों को चलाने वाली एक ही शक्ति है। वही शक्ति आपको भी चला रही है। अगर हम उस शक्ति द्वारा चलाई जा रही गाड़ी में बैठे हैं, तो हमारा कभी एक्सीडेंट नहीं होगा। उस ड्राइवर का नाम है-धर्म। धर्म ही पूरी सृष्टि का ड्राइवर है। सृष्टि के चलने का नियम ही धर्म है और सब कुछ उसी पर चलता है।

भागवत ने कहा कि परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। वे उसकी इच्छा से आती-जाती हैं। अगर उसकी इच्छा होगी तो हम केवल निमित्त बनेंगे और परिस्थिति बदल जाएगी। अगर नहीं बदली, तो भी कोई नुकसान नहीं है। कम से कम हम अच्छा जीवन जीते हुए, अच्छे कर्म करते हुए, अच्छे स्थान को प्राप्त करेंगे। इसी निष्ठा के साथ हमें अहंकार से मुक्त होकर सबको साथ लेकर सेवा करते रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि आज देश में धर्म का बल खड़ा हो रहा है। जब यह धर्म पूरी तरह खड़ा होगा, तब देश अपनी सभी समस्याओं पर विजय पाकर फिर से विश्व गुरु बनेगा। भारतवर्ष परम वैभव और बल से संपन्न होकर विश्व मंच पर अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वह दिन हम इन्हीं आंखों से देखेंगे। बस एक ही शर्त है कि हमें धर्म पर अडिग रहना है और सेवा करते रहना है।

मोहन भागवत ने युवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां मौजूद युवाओं में एक अंदरूनी शक्ति है। भक्तिभाव से भरा हुआ मन और सेवा की भावना संतों का स्वभाव होती है। संत दूसरों के छोटे से गुण को भी बड़ा बनाकर देखते हैं। उन्होंने कहा कि जो बात मंच से कही गई है, वह वे उसी भावना से स्वीकार कर रहे हैं।

# पटना नीट छात्रा मौत मामले में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जताई गड़बड़ी की आशंका

**नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)।** केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पटना में नीट छात्रा की मौत के मामले में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए कहा कि फिलहाल मामले की जांच चल रही है और जल्द पूरी सच्चाई सामने आएगी। जीतन राम मांझी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह घटना निंदनीय है। मामले की जांच की जा रही है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जांच के लिए एसआईटी का गठन किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने आशंका जताई कि इस मामले में कहीं न कहीं गड़बड़ी हुई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'भारत रत्न' देने की मांग पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, हमने ऐसी कोई मांग नहीं की है। यह मांग किसी और ने की थी। हमने बस उम्मीद जताई थी कि पीएम नरेंद्र मोदी अपने फैसलों से लोगों को चौंकाते हैं, तो शायद इस मामले में भी वह कोई ऐसा फैसला लें जो पूरे देश को चौंका दे, जिसमें नीतीश कुमार को भारत रत्न मिलना भी शामिल हो सकता है।

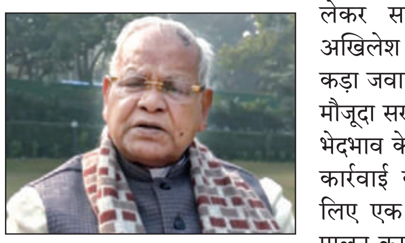

केंद्रीय मंत्री ने रविवार को वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर हुई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की टिप्पणियों का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार बिना किसी धार्मिक भेदभाव के अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करती है और सभी के लिए एक कानून के सिद्धांत का पालन करती है।

अखिलेश यादव की आलोचना का जवाब देते हुए जीतन राम मांझी ने कहा, यह अतिक्रमण का मामला है और पूरे देश में अतिक्रमण हटाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार धर्मनिरपेक्ष है और धार्मिक आधार पर भेदभाव नहीं करती है।उन्होंने कहा, भारत सरकार धर्मनिरपेक्ष है और सभी को एक कानून के तहत देखती है। जहां भी अतिक्रमण किया गया है, चाहे मंदिरों में हो या मस्जिदों में, कार्रवाई की जा रही है।

# मनोज तिवारी के मुंबई स्थित घर में चोरी आरोपी निकला पूर्व कर्मचारी

**मुंबई,18 जनवरी (एजेंसियां)।** मुंबई में भाजपा सांसद, गायक और अभिनेता मनोज तिवारी के घर में चोरी होने की घटना सामने आई है। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि चोरी में शामिल व्यक्ति उनके अपने पूर्व कर्मचारी हैं। चोरी की गई कुल राशि लगभग 5.40 लाख रुपए बताई जा रही है। यह घटना उनके अंधेरी वेस्ट के शास्त्री नगर इलाके में स्थित सुंदरबन अपार्टमेंट में घटी थी। अंबोली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना पिछले साल जून 2025 से हुई थी, जब मनोज तिवारी के घर के बेडरूम की अलमारी से लगभग 4.40 लाख रुपए चोरी हो गए थे। उस समय चोरी करने वाले की पहचान नहीं हो सकी थी। मनोज तिवारी के मैनेजर प्रमोद जोगेंद्र पांडे, जो पिछले 20 सालों से उनके साथ काम कर रहे हैं, ने इस चोरी के बाद सभी पर कड़ी नजर रखी। उन्हें शक था कि चोरी को कोई जानकार ही अंजाम दे रहा है। इसके चलते दिसंबर 2025 में घर में गुप्त रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इसके बाद 15 जनवरी 2026 को रात लगभग 9 बजे, सीसीटीवी अलर्ट में मनोज तिवारी के पूर्व कर्मचारी सुरेंद्र कुमार शर्मा को चोरी करते हुए देखा गया।

फुटेज में साफ दिखा कि सुरेंद्र के पास घर, बेडरूम और अलमारी की डुप्लीकेट चाबियां थीं। इसी चाबी की मदद से वह बिना ताला तोड़े घर में प्रवेश करते रहे और नकदी निकालते रहे। उस रात उन्होंने 1 लाख रुपए चोरी किए।

सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। सुरेंद्र कुमार शर्मा ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि उसने चोरी की योजना तब बनाई थी जब वह मनोज तिवारी के घर में काम कर रहा था और चाबियों की मदद से उसने दोनों घटनाओं में चोरी को अंजाम दिया।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को जब्त कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

# कांग्रेस राज में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई, मनाली में राजस्व अधिकारी पर जानलेवा हमला : रणधीर शर्मा

**शिमला,18 जनवरी (एजेंसियां)।** भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं नैना देवी से विधायक रणधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस शासन के दौरान लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पूरी तरह आउट ऑफ कंट्रोल हो चुकी है। मनाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राउगी पंचायत में राजस्व विभाग की टीम पर किया गया हमला इस बात का जीवंत प्रमाण है कि अब प्रदेश में कानून का नहीं, बल्कि राजनीतिक दबंगों का राज चल रहा है। रणधीर शर्मा ने कहा कि सरकारी आदेश के तहत जमीन की निशानदेही करने पहुंचे पटवारी भोप सिंह और अन्य अधिकारियों पर जिस तरह से हमला किया गया, वह न केवल प्रशासन पर हमला है, बल्कि कानून के शासन को खुली चुनौती है। आरोप है कि बीडीसी नग्गर के अध्यक्ष खेख राम ने अपने राजनीतिक रुतबे का दुरुपयोग करते हुए पहले राजस्व कर्मचारियों को धमकाया, फिर कानूनगो और पटवारी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी तक दी। उन्होंने कहा कि पटवारी भोप सिंह गंभीर रूप से घायल अवस्था में ढालपुर अस्पताल में भर्ती हैं। यह अत्यंत शर्मनाक है कि सरकारी कर्मचारी अपने कर्तव्य

का निर्वहन करते हुए सुरक्षित नहीं हैं। यदि राजस्व अधिकारी ही सुरक्षित नहीं, तो आम जनता की सुरक्षा का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश के गृहमंत्री स्वयं मुख्यमंत्री हैं, तो आखिर कानून व्यवस्था की यह दुर्दशा किसकी जिम्मेदारी है? क्या कांग्रेस सरकार अपने ही चुने हुए प्रतिनिधियों पर कानून लागू करने का साहस रखती है या फिर सत्ता के संरक्षण में ऐसी गुंडागर्दी को खुली छूट दी जा रही है?

रणधीर शर्मा ने कहा कि यह पहला मामला नहीं है। कांग्रेस राज में लगातार अपराध, हिंसा, अवैध कब्जे और प्रशासनिक अधिकारियों पर हमले बढ़ रहे हैं। इससे साफ है कि सरकार का नियंत्रण पूरी तरह कमजोर हो चुका है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

उन्होंने मांग की कि आरोपी खेख राम के खिलाफ तत्काल कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए, पीड़ित पटवारी को पूर्ण सुरक्षा दी जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि राजनीतिक पद किसी को कानून से ऊपर नहीं बनाता।

रणधीर शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस सरकार ने इस मामले में कठोर कार्रवाई नहीं की, तो भाजपा प्रदेशभर में इस अराजकता और गुंडागर्दी के खिलाफ आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी। प्रदेश की जनता अब यह पूछ रही है-क्या हिमाचल में कानून बचेगा या कांग्रेस की सत्ता में गुंडागर्दी चलेगी?

# जीवन में आए नव उत्साह और उमंग: मौनी अमावस्या पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश

**लखनऊ,18 जनवरी (एजेंसियां)।** संगम नगरी प्रयागराज में 'मौनी अमावस्या' के महास्नान पर्व पर स्नान के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा नेताओं ने इस अवसर पर देश-दुनिया से आए करोड़ों श्रद्धालुओं को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, दान, व्रत और त्याग की प्रेरणा देने वाले आस्था के महापर्व मौनी अमावस्या की सभी श्रद्धालुओं और प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई। मोक्षदायिनी माँ गंगा और सूर्यदेव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, जीवन में नव ऊर्जा, नव उत्साह और नव उमंग का संचार हो, यही कामना है। हर हर गंगे! उन्होंने आगे लिखा कि आस्था के महापर्व मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर पवित्र संगम स्नान के लिए पधारे सभी पूज्य अखाड़ों, धर्माचार्यों, संतगणों, साधकों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का

आत्मीय अभिनंदन।

मोक्षदायिनी माँ गंगा और भगवान सूर्य की कृपा से सभी की मनोक्षणाएं पूर्ण हों, जीवन में नई ऊर्जा, नया उत्साह और नया संकल्प जगे, यही प्रार्थना है। हर हर गंगे!

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, लोक-आस्था के पावन पर्व मौनी अमावस्या पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं! पवित्र संगम और विभिन्न पावन नदियों में स्नान-दान के इस महापर्व पर भगवान श्रीहरि से प्रार्थना है कि वे सभी के जीवन में सुख, शांति और अटूट समृद्धि का संचार करें।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य व लोक आस्था के महापर्व मौनी अमावस्या की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! मौनी अमावस्या के अवसर पर माघ मेला में पावन स्नान हेतु पधारे समस्त साधु-संतों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं का सादर अभिनन्दन!

उन्होंने आगे लिखा कि माघ मेला के पवित्र अवसर पर प्रयागराज के पावन संगम में आस्था की डुबकी से समस्त पूज्य साधु-संतों एवं कल्पवासियों की तपस्या सफल हो तथा समस्त श्रद्धालुओं के जीवन में पुण्य, शांति और अभिलाषित फल की प्राप्ति हो, यही मंगलकामना है।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जसवन्त सिंह सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, दान, व्रत, मौन और त्याग की प्रेरणा देने वाले आस्था के पावन पर्व मौनी अमावस्या की समस्त श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मोक्षदायिनी माँ गंगा एवं सूर्यदेव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा जीवन में नव ऊर्जा, नव उत्साह और नव उमंग का संचार हो, यही मंगलकामना है। हर हर गंगे!

# ताज होटल को यरवदा और आर्थर रोड जेल बना दिया, मुंबई मेयर सस्पेंस के बीच संजय राउत का एकनाथ शिंदे पर आरोप

**ठाणे,18 जनवरी (एजेंसियां)।** महाराष्ट्र में बीएमसी समेत नगर निकाय चुनाव के नतीजों के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। खासकर नवनिर्वाचित शिवसेना कॉर्पोरेटर्स को लेकर को राजनीति जोरों पर है। खबरों के मुताबिक शिवसेना के 29 कॉर्पोरेटर्स को ताज लैंड्स एंड होटल में बुलाया गया है और वहां रोक कर रखा गया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उनका कहना है कि शिंदे गुट ने ताज होटल को यरवदा और आर्थर रोड जेल बना दिया है, जहां नए चुने गए पार्षदों को बंद कर दिया है।

उन्होंने इसे पूरी तरह नाइंसाफी और अनुचित कार्रवाई बताया। राउत ने कहा कि यह लॉ एंड ऑर्डर का सवाल है। राज्य में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे की सरकार है, लेकिन इसके बावजूद नए चुने गए शिवसेना के पार्षदों के साथ गलत किया जा रहा है। उनका आरोप है कि शिवसेना को डर है कि उनके पार्षदों को तोड़ा जा सकता है। राउत ने कहा कि ताज

होटल को एक तरह से जेल जैसा बना दिया गया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को तुरंत आदेश देना चाहिए कि होटल में बंद किए गए पार्षदों को छोड़ दिया जाए। उनका कहना है कि किसी भी चुनावी या सियासी प्रक्रिया में ऐसे डर और दबाव का इस्तेमाल करना गलत है।

सूत्रों की मानें तो नए कॉर्पोरेटर्स को होटल में बुलाने का उद्देश्य यह बताया जा रहा है कि किसी भी तरह की खरीद-फरोख्त या दबाव के जरिए पार्षदों को अपने गुट में लाने की कोशिश रोकी जा सके। शिंदे गुट यह सुनिश्चित करना चाह रहा है कि नए चुने गए पार्षद उनके पक्ष में रहें।

गौरतलब है कि शुक्रवार को महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन ने नगर निगम चुनावों में जबरदस्त जीत हासिल की। 29 में से 25 निकायों में जीत दर्ज की गई, और बीएमसी चुनावों में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। हालांकि बहुमत (114) के लिए शिंदे सेना की मदद चाहिए। महायुति की जीत ने ठाकरे परिवार का तीन दशक का वर्चस्व खत्म कर दिया। वहीं, उद्धव-राज ठाकरे की जोड़ी पूरी तरह विफल नहीं हुई। उनके गठबंधन ने 71 सीटें जीतकर मुंबई के मराठी बहुल इलाके में अपना दबदबा बनाए रखा।

# भोपाल के यूनियन कार्बाइड परिसर में दिवंगतों की याद में बनेगा स्मारक : सीएम मोहन यादव

**भोपाल,18 जनवरी (एजेंसियां)।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राजधानी भोपाल के यूनियन कार्बाइड परिसर का जायजा लिया और कहा कि यहां दिवंगतों की याद में स्मारक बनाया जाएगा। सीएम ने कहा कि 2 और 3 दिसंबर 1984 की दरमियानी रात भोपाल में मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) गैस का रिसाव एक भीषण दुर्घटना थी। घटना में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। करीब 42 साल तक रासायनिक कचरा यहां पड़ा रहा। हमारी सरकार ने उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में बिना किसी पर्यावरण नुकसान और मानव हानि के यहां के रासायनिक कचरे का सफलतापूर्वक निष्पादन करवाया।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अब हम समाज के सभी वर्गों एवं प्रभावित पक्षों को विश्वास में लेकर यूनियन कार्बाइड परिसर का विकास करेंगे और उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में अब स्वच्छ हो चुके इस परिसर में भोपाल गैस त्रासदी में दिवंगत व्यक्तियों की स्मृति में एक स्मारक बनाएंगे। इसके साथ ही

राज्य सरकार सभी गैस पीड़ितों के साथ हर कदम पर खड़ी है। प्रभावितों के कल्याण में हम कोई कमी नहीं रखेंगे।

सीएम ने भोपाल के आरिफ नगर स्थित यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर का गहनता से निरीक्षण कर भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अधिकारियों से इस परिसर में स्मारक निर्माण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड फैक्ट्री परिसर में पड़े रासायनिक कचरे का उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में समुचित निष्पादन किया जा चुका है। अब हम भोपाल मेट्रोपोलिटन एरिया के निर्माण के साथ इस परिसर के भी समुचित विकास के लिए सभी जरूरी प्रबंध कर रहे हैं।

दरअसल, 42 साल पहले हुए हादसे के स्थल से जहरीला कचरा हटा दिया गया है, और मुख्यमंत्री यादव मध्य प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर में बिना किसी सेफ्टी मास्क के गए और फैक्ट्री के कोर एरिया का बारीकी से मुआयना किया।

निरीक्षण के बाद सीएम ने कहा कि भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस का रिसाव मध्य प्रदेश की ही नहीं, देश की सबसे भीषण गैस त्रासदी थी। वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात इस फैक्ट्री से गैस के दुष्प्रभाव के कारण भोपाल ने मौत का जो मंजर देखा, वह हमारी स्मृतियों से कभी हटेगा नहीं। गैस त्रासदी के बाद तत्कालीन सरकार ने इस क्षेत्र को लावारिस छोड़कर बड़ी लापरवाही की।

उन्होंने फैक्ट्री में फैले जहरीले कचरे को हटाने के लिए कोई निर्णय नहीं लिया और इस भीषण त्रासदी के बाद फैक्ट्री को बंद कर दिया गया। तत्कालीन सरकार के जिम्मेदारों ने फैक्ट्री के मालिक वॉरेन एंडरसन को यहां से भाग जाने में मदद की। केंद्र में यूपीए सरकार रहते हुए भी इस गैस प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अब हमारी सरकार ने कोर्ट के सभी निर्देशों पर अमल करते हुए पिछले साल यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का निष्पादन कराया। यह दुनिया के लिए एक संदेश भी है कि किस प्रकार आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से जहरीले कचरे को बिना पर्यावरण मानव हानि के खत्म किया जा सकता है। राज्य सरकार ने राजधानी के माथे से इस कलंक का मिटाने का कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि शहरी विकास और सुशासन की व्यवस्थाएं स्थापित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है।

अब हमारी सरकार न्यायालय के मार्गदर्शन में परिसर में स्मारक बनाने सहित अन्य विकास कार्यों के लिए सुझावों पर अमल करेगी। इसमें सभी पक्षों को चर्चा कर विश्वास में लिया जाएगा। राज्य सरकार इस क्षेत्र के नवनिर्माण के लिए कार्य करेगी।

प्रदेश में विकास कार्यों को गति प्रदान करते हुए राज्य सरकार ने भोपाल और इंदौर को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। भोपाल सहित आस-पास के 6 जिले इस मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के दायरे में आएंगे। ऐसे में भोपाल शहर के विकास के लिए सभी बाधाओं को हरसंभव प्रयास कर दूर किया जा रहा है। हमारी सरकार विकास के कारवां को निरंतर गति दे रही है।

# गुलाम मुस्तफा खान: कैसे एक शास्त्रीय गायक ने बॉलीवुड की आवाजों को तराशा

3 मार्च 1931 को उत्तर प्रदेश के बदायूं में जन्मे गुलाम मुस्तफा खान के नसीब में संगीत उनके जन्म से पहले ही लिख दिया गया था। उनके पिता उस्ताद वारिस हुसैन खान और दादा इनायत हुसैन खान (रामपुर-सहसवान घराने के संस्थापक) ने तय कर लिया था कि यह बच्चा घर की 'खलीफा' परंपरा को आगे बढ़ाएगा। उस्ताद अक्सर याद करते थे कि जब दूसरे बच्चे गलियों में कंचे खेलते थे, तब वे अपने पिता के सामने घंटों 'खरज' (मंद सप्तक) का रियाज करते थे। उनके पिता संगीत के मामले में बेहद सख्त थे। एक बार उस्ताद ने बताया था, मेरे पिता मुझे प्यार बहुत करते थे, पर जब मैं रियाज के लिए बैठता, तो वे मुझे किसी फौजी की तरह अनुशासन में रखते थे। यही वह अनुशासन था जिसने उनके गले में वह 'तैयारी' पैदा की, जो आगे चलकर साढ़े तीन सप्तकों तक बिना थके दौड़ती थी। उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का घराना, यानी 'रामपुर-सहसवान', हिंदुस्तानी संगीत का वह अनूठा कोना है जहां ग्वालियर घराने की स्थिरता और रामपुर के नवाबों की नफासत मिलती है। खान साहब की गायकी में 'नोम-तोम' का आलाप ध्रुपद की गंभीरता लाता था, तो उनकी 'सपाट तानें' बिजली की कौंध जैसी महसूस होती थीं।

बहुत कम लोग जानते हैं कि उस्ताद सिर्फ एक परफॉर्मर नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सोच वाले शोधकर्ता भी थे। उन्होंने आचार्य केसी देव बृहस्पति के साथ मिलकर 'जाति-गायन' जैसी प्राचीन भारतीय संगीत पद्धति पर काम किया, जो सदियों से किताबों में दफन थी।

उन्होंने अपनी आवाज के जरिए यह साबित किया कि भारतीय संगीत की 22 श्रुतियां कोई काल्पनिक अवधारणा नहीं, बल्कि हकीकत हैं। उनके गाए 'सूक्ष्म स्वर-अंतराल' आज भी संगीत के छात्रों के लिए शोध का विषय हैं।

शास्त्रीय गायकों में अक्सर एक झिझक होती थी कि वे फिल्मों के लिए गाएं या नहीं, लेकिन खान साहब ने इस दीवार को गिरा दिया। 1981 की फिल्म 'उमराव जान' में उनकी गाई 'रागमाला' आज भी संगीत का व्याकरण मानी जाती है। जब वे गाते हैं, प्रथम धर ध्यान... (भैरव) से लेकर दर्शन देहो शंकर महादेव... (यमन) तक, तो श्रोता एक अलग ही रूहानी दुनिया में पहुंच जाता है। मुजफ्फर अली और खय्याम साहब हमेशा कहते थे कि उस्ताद की आवाज के बिना 'उमराव जान' का वह दौर अधूरा रहता।

उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान की सबसे बड़ी विरासत उनके बनाए हुए शिष्य हैं। उन्हें 'वॉइस कल्चर' का सबसे बड़ा विशेषज्ञ माना जाता था।

लता मंगेशकर और आशा भोसले जैसी महान हस्तियों ने आवाज की सूक्ष्मताओं के लिए उनसे परामर्श लिया। एआर रहमान ने उनके कदमों में बैठकर शास्त्रीय संगीत की बारीकियां सीखीं। सोनू निगम उन्हें अपना 'आध्यात्मिक पिता' मानते हैं। सोनू अक्सर भावुक होकर कहते हैं, खान साहब ने मुझे सिर्फ गाना नहीं, सुरों को महसूस करना सिखाया। हरिहरन की गजलों में जो ठहराव है, वह खान साहब की तालीम का ही नतीजा है।

भारत सरकार ने गुलाम मुस्तफा खान को पद्म श्री (1991), पद्म भूषण (2006) और पद्म विभूषण (2018) से नवाजा, लेकिन उस्ताद के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार उनके शिष्यों की सफलता और वह 'दाद' थी जो उन्हें दुनियाभर के मंचों पर मिलती थी। चाहे वह ब्रिटेन की महारानी के सामने प्रस्तुति हो या बाल्टीमोर की मानद नागरिकता, खान साहब ने हमेशा अपनी भारतीयता और रामपुर की तहजीब को ऊंचा रखा। 17 जनवरी 2021 को मुंबई में इस महान कलाकार ने अपनी अंतिम सांस ली। 89 वर्ष की उम्र में जब वे इस दुनिया को छोड़ चले, तो अपने पीछे चार बेटों (मुर्तुजा, कादिर, रब्बानी और हसन) और पोतों की एक पूरी फौज छोड़ गए जो आज भी उसी शुद्धता से गा रहे हैं। 'उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान अकादमी' और उनकी स्मृति में शुरू हुई 'आईसीसीआर फेलोशिप' इस बात का प्रमाण है कि एक सच्चा कलाकार कभी मरता नहीं। उस्ताद गुलाम मुस्तफा एक ऐसे 'पुल' थे जिन्होंने बीते हुए कल की शास्त्रीय कठोरता को आज के युवाओं की सुरीली चाहत से जोड़ दिया।

# हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश, लेकिन वक्त आगे निकल जाता है : अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन न सिर्फ अपनी फिल्मों, बल्कि अपने विचारों और लेखन के जरिए भी लोगों से लगातार जुड़े रहते हैं। वह पिछले कई वर्षों से अपने निजी ब्लॉग के माध्यम से जिंदगी, काम, समय, उम्र और तकनीक जैसे विषयों पर खुलकर अपने मन की बातें साझा करते रहे हैं। इस कड़ी में अपने नए ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने सीखने की प्रक्रिया, समय की रफ्तार और आज के तेजी से बदलते कामकाजी माहौल को लेकर गहरी बातें कहीं। अपने ब्लॉग पोस्ट में बिग बी ने कहा कि इंसान हर दिन कुछ न कुछ नया सीखता है, लेकिन इसके साथ ही एक तरह का अफसोस भी जुड़ा रहता है। उन्होंने लिखा, ''कई बार ऐसा लगता है कि जो चीजें आज सीखनी पड़ रही हैं, काश वे बहुत पहले सीख ली होती। हालांकि जिन तकनीकों और प्रणालियों को आज समझने की कोशिश की जा रही है, वे पहले मौजूद ही नहीं थीं। उम्र बढ़ने के साथ सीखने की इच्छा, मेहनत और ऊर्जा में भी कमी आना स्वाभाविक है, और यही सच्चाई मुझे बार-बार सोचने पर मजबूर करती है।'' अमिताभ बच्चन ने आज के दौर में तकनीकी विकास की तेज रफ्तार पर भी बात की। उन्होंने कहा, ''नए-नए आविष्कार और सिस्टम इतनी तेजी से सामने आ रहे हैं कि जब तक कोई व्यक्ति उन्हें ठीक से समझना शुरू करता है, तब तक समय काफी आगे निकल चुका होता है। इस तेज बदलाव के कारण कई बार ऐसा महसूस होता है कि इंसान पीछे छूटता जा रहा है, खासकर तब जब उम्र के साथ नई चीजें सीखना और अपनाना आसान नहीं रह जाता।'' अपने हाल ही के अनुभवों का जिक्र करते हुए अमिताभ बच्चन ने बताया, ''इन चर्चाओं से मुझे एक अहम सीख मिली। किसी भी काम में सबसे पहले उसकी बुनियाद को मजबूत करना जरूरी है। इसके बाद उस काम को आगे बढ़ाने के लिए नए जमाने के हुनरमंद, तकनीकी रूप से दक्ष और विशेषज्ञ लोगों को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए। इससे न केवल काम बेहतर होता है, बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत होती है।''

ब्लॉग में उन्होंने कहा, ''अगर किसी व्यक्ति को कोई काम खुद नहीं आता है, तो इसमें शर्म या परेशानी की कोई बात नहीं होनी चाहिए। इसे स्वीकार करना ही समझदारी है। इसके बाद उस काम को जानने और समझने वाले लोगों के साथ पूरा किया जा सकता है। केवल इस वजह से किसी काम को ठुकरा देना कि वह खुद उस क्षेत्र में पारंगत नहीं है, सही सोच नहीं है। बेहतर यह है कि काम लिया जाए और सही लोगों की मदद से उसे पूरा कराया जाए।'' अमिताभ बच्चन ने माना, ''विशेषज्ञों को रखने में खर्च जरूर आता है, लेकिन इसके बावजूद यह तरीका ज्यादा फायदेमंद है। इस प्रक्रिया में काम की जिम्मेदारी और नियंत्रण आपके पास रहता है, जबकि तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को विशेषज्ञ संभालते हैं।

उन्होंने अपनी पोस्ट में इसके लिए 'आउटसोर्सिंग' शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने आउटसोर्सिंग का मतलब समझाते हुए लिखा कि इसमें काम आपके नाम से होता है, लेकिन उसे करने के लिए ज्यादा काबिल और जानकार लोगों को शुल्क देकर जिम्मेदारी दी जाती है। इससे बड़े स्तर पर काम करना आसान हो जाता है और व्यक्ति खुद हर चीज जानने के दबाव से मुक्त हो जाता है। उन्होंने कहा, ''पुराने समय में अगर किसी को कोई काम नहीं आता था, तो वह सिर्फ अफसोस करता था और उस काम को करने का मौका ही छोड़ देता था, लेकिन आज के समय में आउटसोर्सिंग जैसी व्यवस्था ने इस सोच को बदल दिया है।''

अपने ब्लॉग के आखिर में अमिताभ बच्चन ने आधुनिक तकनीक की तारीफ करते हुए बताया कि जब वह सही शब्द खोजने में अटक जाते हैं, तो एआई का सहारा लेते हैं। कुछ ही सेकंड में उन्हें सही जवाब मिल जाता है। उन्होंने इसे आज के दौर की बड़ी सुविधा बताया और माना कि ऐसे डिजिटल टूल्स ने सीखने और समझने की प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा आसान और तेज बना दिया है।

# कामयाबी जहर और जिंदगी नरक बन गई थी, कंगना रनौत ने 2016 की घटनाओं को किया याद

सोशल मीडिया ट्रेंड हो और अभिनेत्री कंगना रनौत पीछे रह जाए, ऐसा हो नहीं सकता है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया ट्रेंड को फॉलो करते हुए साल 2016 की बुरी यादों को ताजा किया है। कंगना ने उन पुराने दिनों को याद किया है, जब उनके और ऋतिक रोशन के बीच कानूनी नोटिस की लंबी जंग चली थी। हालांकि अभिनेत्री का मानना है कि पहले पता होता, तो इतना दुखी न होती। कंगना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने साल 2016 की पुरानी यादों को शेयर किया है, हालांकि साल 2016 उनके लिए और उनके करियर के लिए शाप की तरह था। कानूनी मामलों से गुजरने से लेकर वे मीडिया ट्रायल का हिस्सा रहीं।

उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, अचानक सबको 2016 की याद क्यों आ रही है? मेरे करियर की रफ्तार तो बस शुरू से आखिर तक बढ़ती ही रही। 'क्वीन' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मैं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गई थी, लेकिन फिर जनवरी 2016 में मेरे एक सहकर्मी ने मुझे वह विवादित कानूनी नोटिस भेजा, जिसने इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया और उसे दो हिस्सों में बांट दिया।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, कामयाबी जहर बन गई और जिंदगी नरक बन गई। लोग अलग-अलग गुटों में बंट गए और कई कानूनी लड़ाइयां शुरू हो गईं। दस साल पहले अगर मुझे पता होता कि 2026 में मैं हर खाने में कार्बोहाइड्रेट खा रही हूंगी, खूब हंस रही हूंगी और 2016 के सारे ड्रामे का कुछ भी मतलब नहीं रह जाएगा, तो सच में मैं तब इतनी दुखी नहीं होती। शुक्र है कि 2016 नहीं, हम 2026 में हैं।

साल 2016 कंगना के लिए वाकई नासूर बन गया था। ये वही साल था जब कंगना ने अपने और ऋतिक रोशन के रिश्ते की सच्चाई दुनिया के सामने रखी थी और बताया कि कैसे एक बड़े फिल्म निर्माता के बेटे ने उन्हें धोखा दिया। उन्होंने ऋतिक को 'पूर्व पागल प्रेमी' तक कहा। इसके बाद ऋतिक ने अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजा और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा था, हालांकि इसके बाद मामला बढ़ता रहा और कानूनी नोटिस का दौर भी समय के साथ पेचीदा हो गया। कंगना ने ऋतिक रोशन और उनके पिता पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया, लेकिन समय के साथ मामला भी दब गया।

# पति ने गिफ्ट में दिया तलाक का नोटिस, बच्चों से कर दिया दूर... सेलिना जेटली ने बयां किए दर्द

अभिनेत्री सेलिना जेटली इस वक्त बुरे दौर से गुजर रही हैं। अपने दर्द को बयां करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया। पोस्ट में उन्होंने बताया कि उन्हें पति ने एनिवर्सरी पर ही गिफ्ट में तलाक का नोटिस दे दिया और बच्चों से दूर कर दिया गया। वह पड़ोसियों की मदद से रात 1 बजे ऑस्ट्रिया से बाहर निकली थीं। सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इमोशनल पोस्ट करते हुए अपनी जिंदगी के दर्दनाक अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से बचने के लिए उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 की रात को ऑस्ट्रिया छोड़ दिया था। इस फैसले के साथ ही उन्हें अपने तीन बच्चों से अलग होना पड़ा, जिससे उनका दिल टूट गया। सेलिना ने लिखा, जिस दिन मैंने अपनी इज्जत, अपने बच्चों और अपने भाई की रक्षा के लिए ऑस्ट्रिया छोड़ने का फैसला किया, उसी दिन मैंने अपने बच्चों को खो दिया। यह पोस्ट उन सभी लोगों के लिए है जो अपमानजनक शादियों से गुजर रहे हैं। वे अकेले नहीं हैं। सेलिना ने बताया कि रात 1 बजे पड़ोसियों की मदद से वे ऑस्ट्रिया से निकलीं और बहुत कम पैसे के साथ भारत लौटीं। भारत पहुंचकर उन्हें अपने ही घर में प्रवेश के लिए कोर्ट जाना पड़ा। यह प्रॉपर्टी उन्होंने साल 2004 में शादी से पहले खरीदी थी, लेकिन अब उनके पति इसे अपना बता रहे हैं। इस लड़ाई के लिए उन्हें बड़ा लोन भी लेना पड़ा। ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के मौजूदा आदेश के बावजूद, उन्हें अभी तक अपने बच्चों से बात करने की इजाजत नहीं मिली है।

अभिनेत्री का कहना है कि बच्चों को उनसे मिलने से बार-बार रोका गया। मीडिया के जरिए चुनिंदा कहानियां दिखाकर बच्चों के साथ उनकी बातचीत में रुकावट डाली गई। उन्हें मां के खिलाफ बातें कहने के लिए ब्रेनवाश किया गया और डराया-धमकाया गया। सेलिना ने याद दिलाया कि वह बच्चों की जन्म से लेकर प्राइमरी केयरटेकर रही हैं। यहां तक की पति के करियर को सपोर्ट करने के लिए एक देश से दूसरे देश जाती रहीं।

यही नहीं, साल 2025 में उनके पति ने 15वे वेडिंग एनवर्सरी गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस भेजा। इसके बाद सेलिना ने कई बार आपसी सहमति से अलग होने की कोशिश की और हमेशा बच्चों की भलाई को प्राथमिकता दी। लेकिन जवाब में उनसे उनकी शादी से पहले की प्रॉपर्टी मांगी गई और ऐसी शर्तें रखी गईं, जिनका मकसद तलाक के बाद भी उनकी आजादी और इज्जत छीनना था। सेलिना ने लिखा, रातों-रात मुझे एक मां और अभिभावक के तौर पर अपनी भूमिका साबित करनी पड़ी। मेरी पूरी दुनिया एक ही पल में मुझसे छीन ली गई।

# सर्वार्थसिद्धि योग में आज से शुरू होंगे माघ गुप्त नवरात्रि

**हिंदू धर्म में का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में शक्ति की साधना की जाती है। हिंदू धर्म के कैलेंडर के अनुसार साल में चार बार नवरात्रि का पर्व होता है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि के अलावा दो गुप्त नवरात्रि पड़ती है। पंचांग के अनुसार पहली गुप्त नवरात्रि माघ मास में और दूसरी आषाढ़ मास में पड़ती है। गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के अलावा मां भगवती दुर्गा के दस महाविद्याओं की पूजा की जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। पंचाग के अनुसार इस साल माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 19 जनवरी से हो रही है। वहीं इसका समापन 27 जनवरी को होगा। इस गुप्त नवरात्र की शुरुआत जहां सर्वार्थसिद्धि योग के महासंयोग में होगी तो समापन के दिन 27 जनवरी को भी सर्वार्थ सिद्धि और रवि योग रहेगा। खास बात यह है कि इन नौ दिनों में शुभ और मांगलिक कार्य हो सकेंगे, जो शुक्र अस्त होने के कारण नहीं हो पा रहे हैं। इन नौ दिनों में किए मांगलिक कार्य फलदायी भी रहेंगे। इन नौ दिन में 10 महाविद्याओं मां काली, तारा, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला की गुप्त रूप से पूजा की जाएगी।**

गुप्त नवरात्रि माघ महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवमी तक चलती है। मां दुर्गा को उपासक 9 दिन तक गुप्त तरीके से शक्ति साधना व तंत्र सिद्धि करते हैं। गुप्त नवरात्रि को गुप्त साधना और विद्याओं की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे वर्ष में चार नवरात्रि होती हैं, जिसमें दो गुप्त नवरात्रि और दो प्रकट नवरात्रि होती हैं। माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि होती हैं और प्रकट नवरात्रि में चैत्र नवरात्रि तथा आश्विन माह की शारदीय नवरात्रि होती है। देवी भागवत महापुराण में मां दुर्गा की पूजा के लिए इन चार नवरात्रियों का उल्लेख है।

**माघ गुप्त नवरात्रि**

प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ: 19 जनवरी 2026, सोमवार को सुबह 01:21 बजे.

प्रतिपदा तिथि का समापन: 20 जनवरी 2026, मंगलवार को सुबह 02:14 बजे.

उदयातिथि के अनुसार: माघ गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ 19 जनवरी 2026 को होगा।

घटस्थापना (कलश स्थापना) का शुभ मुहूर्त

घटस्थापना मुहूर्त: सुबह 7:14 से 10:46 बजे तक।

अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:11 से 12:53 बजे तक।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

**माघ गुप्त नवरात्रि प्रारंभ**

पंचांग की गणना के अनुसार सोमवार 19 जनवरी को प्रतिपदा तिथि पर उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, वज्र योग तथा मकर राशि के चंद्रमा की साक्षी में गुप्त नवरात्र का आरंभ होगा। मध्यान काल में शुभ अभिजीत के समय सर्वार्थसिद्धि योग का संयोग रहेगा। सर्वार्थसिद्धि योग प्रत्येक शुभ कार्य को सफल करने वाला माना गया है। इस योग में किए गए शुभ मांगलिक कार्य मनोरथ पूर्ण करते हैं। इस योग में साधना, आराधना की शुरुआत करने से यह शीघ्र फलित होती है।

**चार रवियोग का संयोग**

दो सर्वार्थसिद्धि व चार रवि योग का संयोग माघ मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी पर्यंत गुप्त नवरात्रि का अनुक्रम रहता है। यह साधक और आराधकों के लिए विशेष महत्वपूर्ण होती है। इस कालखंड में चुंकी सूर्य का उत्तरायण होता है, जो शुभ मांगलिक कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। ग्रह योग की गणना भी इस बार श्रेष्ठ है जो साधना का अनुकूल और मनवांछित फल प्रदान कर सकती है। इस बार नवरात्र के नौ दिनों में दो सर्वार्थ सिद्धि योग है और चार रवि योग का संयोग बन रहा है।

19 जनवरी: कुमार योग, सर्वार्थ सिद्धि
20 जनवरी: द्विपुष्कर योग, राजयोग
21 जनवरी: राजयोग, रवि योग
22 जनवरी: रवि योग
23 जनवरी: कुमार योग, रवि योग
24 जनवरी: रवि योग
25 जनवरी: रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि
27 जनवरी: सर्वार्थ सिद्धि योग।

**गुप्त नवरात्रि में साधना**

प्रत्यक्ष नवरात्रि में मां भगवती की पूजा जहां माता के ममत्व के रूप में की जाती है तो वहीं गुप्त नवरात्रि में देवी दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा शक्ति रूप में की जाती है। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में देवी साधना किसी को बता कर नहीं की जाती है। इसलिए इन दिनों को नाम ही गुप्त दिया गया है। गुप्त नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक गुप्त अनुष्ठान किये जाते हैं। इन दिनों देवी दुर्गा के दस रूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इन नवरात्रि में देवी साधना से शीघ्र प्रसन् होती हैं और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। जितनी अधिक गोपनीयता इस साधना की होगी उसका फल भी उतनी ही जल्दी मिलेगा। देवी के मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी देवी, भुनेश्वरी देवी, मां धूम्रावती, बगलामुखी माता, मातंगी माता और देवी कमला की गुप्त नवरात्रि में पूजा की जाती है। मंत्र जाप, श्री दुर्गा सप्तशती, हवन के द्वारा इन दिनों देवी साधना करते हैं। यदि आप हवन आदि कर्मकांड करने में असहज हों तो नौ दिन का किसी भी तरह का संकल्प जैसे सवा लाख मंत्रों का जाप कर अनुष्ठान कर सकते हैं। या फिर राम रक्षा स्त्रोत, देवी भागवत आदि का नौ दिन का संकल्प लेकर पाठ कर सकते हैं। अखंड जोत जलाकर साधना करने से माता प्रसन्न होती हैं।

**मां दुर्गा के इन स्वरूपों की होती है पूजा**

मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता चित्रमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूम्रवती, माता बगलामुखी, मातंगी, कमला देवी

**सामग्री–** मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र, सिंदूर, केसर, कपूर, जौ, धूप,वस्त्र, दर्पण, कंघी, कंगन-चूड़ी, सुगंधित तेल, बंदनवार आम के पत्तों का, लाल पुष्प, दूर्वा, मेंहदी, बिंदी, सुपारी साबुत, हल्दी की गांठ और पिसी हुई हल्दी, पटरा, आसन, चौकी, रोली, मौली, पुष्पहार, बेलपत्र, कमलगट्टा, जौ, बंदनवार, दीपक, दीपबत्ती, नैवेद्य, मधु, शक्कर, पंचमेवा, जायफल, जावित्री, नारियल, आसन, रेत, मिट्टी, पान, लौंग, इलायची, कलश मिट्टी या पीतल का, हवन सामग्री, पूजन के लिए थाली, श्वेत वस्त्र, दूध, दही, ऋतुफल, सरसों सफेद और पीली, गंगाजल आदि।

**मां दुर्गा की ऐसे करें पूजा**

गुप्त नवरात्रि के दौरान तांत्रिक और अघोरी मां दुर्गा की आधी रात में पूजा करते हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित कर लाल रंग का सिंदूर और सुनहरे गोटे वाली चुनरी अर्पित की जाती है। इसके बाद मां के चरणों में पूजा सामग्री को अर्पित किया जाता है। मां दुर्गा को लाल पुष्प चढ़ाना शुभ माना जाता है। सरसों के तेल से दीपक जलाकर 'ॐ दुं दुर्गायै नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए।

## माघ-चैत्र नवरात्रि की तारीख एक समान

पूरे वर्ष में चार नवरात्रि होती हैं, जिसमें दो गुप्त नवरात्रि और दो प्रकट नवरात्रि होती हैं। माघ और आषाढ़ माह में गुप्त नवरात्रि होती हैं और प्रकट नवरात्रि में चैत्र नवरात्रि तथा आश्विन माह की शारदीय नवरात्रि होती है। देवी भागवत महापुराण में मां दुर्गा की पूजा के लिए इन चार नवरात्रियों का उल्लेख है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस वर्ष माघ की गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी से और चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होगी। गत वर्ष माघ नवरात्रि 30 जनवरी और चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से आरंभ हुए थे। आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि इस बार 15 जुलाई से शुरू होगी, जबकि पिछले वर्ष यह 26 जून से थी। शारदीय नवरात्रि भी इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 18 दिन की देरी से अक्टूबर में शुरू होगी। इस प्रकार वर्ष 2026 में दो विशेष संयोग बन रहे हैं।

वर्ष 2026 में हिंदी पंचांग में दो ज्येष्ठ माह पड़ रहे हैं, जिसे अधिक मास की स्थिति कहा जाता है। इस कारण नवरात्र के आरंभ की तारीखों में भी बदलाव देखा जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ऐसे वर्षों में पर्वों की तिथियों में संयोग होने से साधना, दान, जप और देवी उपासना के लिए विशेष फलदायी माना जाता है।

साल 2026 में हिंदू कैलेंडर का नया साल नवसंवत्सर 2083 इस बार 13 महीनों का होगा। कारण कि इस नवसंवत में अधिकमास ( मलमास) आएगा। इस कारण एक महीना बढ़ जाएगा। ज्येष्ठ माह अधिकमास होगा। यह ज्येष्ठ अधिकमास 17 मई से 15 जून तक रहेगा। इससे आगे के महीनों के व्रत त्योहार 15 से 20 दिन देरी से आएंगे। 19 मार्च से विक्रम संवत लगेगा, इसी दिन से गुड़ी पड़वा, वासंती नवरात्र की शुरुआत होती है।

माघ नवरात्रि तंत्र और गुप्त उपासना से जुड़ी है, जबकि चैत्र नवरात्रि नवसंवत्सर, शक्ति आराधना और नवजीवन के आरंभ का प्रतीक है। इस वर्ष माघ की गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी से और चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होगी। गत वर्ष माघ नवरात्रि 30 जनवरी और चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से आरंभ हुए थे। आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि इस बार 15 जुलाई से शुरू होगी, जबकि पिछले वर्ष यह 26 जून से थी। शारदीय नवरात्रि भी इस वर्ष पिछले साल की तुलना में 18 दिन की देरी से अक्टूबर में शुरू होंगी। इस प्रकार वर्ष 2026 में दो विशेष संयोग बन रहे हैं।

**19 तारीख से आरंभ**

साल की शुरूआत में माघ और चैत्र नवरात्रि दोनों 19 तारीख से आरंभ होंगे।

**18 दिन की देरी**

साल के उत्तरार्द्ध में आषाढ़ और शारदीय नवरात्रि समान रूप से 18 दिन की देरी से आएंगे।

**तिथियों में बदलाव का कारण**

नए साल 2026 के पहले ही माह जनवरी में देवी भक्तों को गत वर्ष की तुलना में करीब 10 दिन पहले, 19 जनवरी से शुरू होने जा रही माघ माह की गुप्त नवरात्रि में देवी आराधना का अवसर मिलेगा। इसके बाद हिंदी पंचांग के अनुसार चैत्र माह की नवरात्रि 19 मार्च से शुरू होगी। यह संयोग माना जाएगा कि माघ और चैत्र-दोनों माह की नवरात्रि इस बार 19 तारीख से शुरू हो रही हैं।

## बसंत पंचमी के साथ ही क्यों होती है होली के उत्सव की शुरुआत?

मकर संक्रांति के बाद देशभर में बसंत पंचमी की तैयारी शुरू हो चुकी है। बसंत पंचमी का त्योहार हिंदू धर्म से जुड़ा है। इस दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना की जाती है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही होली के कार्यक्रम के उत्सव भी शुरू हो जाते हैं, जबकि होली फाल्गुन मास में मनाई जाती है। आज हम आपको बसंत पंचमी और होली के बीच के धार्मिक कनेक्शन के बारे में बताएंगे। बसंत ऋतु के साथ ही बसंत पंचमी का भी आगमन होता है। यह दिन संकेत होता है कि अब सर्दी जाने वाली है और बसंत ऋतु का आगमन हो रहा है। बसंत ऋतु के मौसम को ऋतुओं का राजा कहा जाता है, क्योंकि इस समय प्रकृति का सबसे प्यारा रूप देखने को मिलता है, जहां हर तरफ पेड़ों पर फूल और सरसों के खेत पीले फूलों से लहलहा उठते हैं, इसीलिए इस ऋतु को नई खुशियों, नई ऊर्जा, और प्रकृति में बहार का प्रतीक माना गया है। इसे प्रकृति को पूजने का दिन माना गया है।

बसंत पंचमी और होली दोनों ही बसंत ऋतु से जुड़े त्योहार हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, बसंत ऋतु का आगमन भी होली के उत्सव का संकेत देता है। इसी दिन से फाग के गीत गाने शुरू कर दिए जाते हैं। खासकर ब्रज क्षेत्र में बसंत पंचमी से होली की शुरुआत हो जाती है और ये उत्सव 40 दिन तक चलता है। हर दिन मंदिरों में भगवान को गुलाल अर्पित किए जाते हैं। बसंत ऋतु से प्रकृति अपने 12 रंगों को दिखाने लगती है और नई ऊर्जा का उत्सव मनाती है। यही कारण है कि इसी एक महीने तक प्रकृति के रंगों के साथ होली की तैयारी की जाती है। इसे प्रकृति का उत्सव भी कहा जाता है।

बसंत पंचमी पर जहां शांति और ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा होती है, तो वहीं ऋतु के जाते-जाते और फाल्गुन माह के करीब आते-आते शांति, उत्साह और उल्लास में बदल जाती है। पौराणिक कथाओं में बसंत पंचमी और होली को लेकर कथाएं प्रचलित हैं। माना जाता है कि सृष्टि में रंग भरने और प्रेम बनाए रखने के लिए कामदेव और रति ने भगवान शिव की तपस्या को भंग किया था। इसी के बाद से बसंत पंचमी से लेकर होली तक के समय को प्रेम और उत्साह का समय माना गया है।

## होली पर लगेगा साल का पहला बड़ा चंद्रग्रहण

साल 2026 की शुरुआत होने के साथ ही चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। यह ग्रहण संपूर्ण भारत में दिखाई देगा और यह ग्रस्तोदय (यानी जिस समय चंद्रमा उदित होंगे उस समय ग्रहण लगा हुआ होगा) रूप में दिखाई देगा। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण को अशुभ घटना माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, चंद्रमा को राहु-केतु ग्रहण लगाते हैं।

**होली पर लगेगा साल 2026 का पहला चंद्रग्रहण**

साल 2026 में चंद्रग्रहण 3 मार्च 2026 को पूर्णिमा तिथि के दिन लगेगा। इस दिन होली का पर्व भी है। चंद्रमा इस दिन सिंह राशि में होंगे केतु के साथ और राहु की चंद्रमा पर पूर्ण दृष्टि रहेगी। जिससे की यह चंद्रग्रहण व्याप्त होगा। भारत के किसी भी क्षेत्र में इस खग्रास चन्द्रग्रहण का प्रारम्भ, खग्रास प्रारम्भ तथा ग्रहण-मध्य (परमग्रास) नहीं देखा जा सकेगा।

**भारत में कहां-कहां दिखाई देगा चंद्रग्रहण 2026**

भारत के केवल पूर्वी राज्यों (बंगाल के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों, नागालैण्ड, मिजोरम, असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश आदि) में इस ग्रहण की खग्रास समाप्ति तथा ग्रहण समाप्ति देखी जा सकती है। शेष भारत में तो जब चन्द्रोदय होगा, तब तक खग्रास समाप्त हो चुका होगा और केवल ग्रहण समाप्ति ही दृष्टिगोचर होगी।

**साल 2026 में चंद्रग्रहण का समय**

ग्रहण स्पर्श प्रारंभ दोपहर में 3 बजकर 20 मिनट पर

खग्रास प्रारंभ 4 बजकर 34 मिनट पर

ग्रहण मध्य शाम में 5 बजकर 4 मिनट पर

खग्रास समाप्त 5 बजकर 33 मिनट तक

ग्रहण समाप्त शाम में 6 बजकर 47 मिनट पर।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंद्रग्रहण का सूतक काल ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले ही लग जाता है। ऐसे में 3 मार्च को सुबह में 6 बजकर 20 मिनट पर ही ग्रहण लग जाएगा।

**भारत के अलावा किन देशों में दिखाई देगा चंद्रग्रहण**

चंद्र ग्रहण के दिन भारत के विभिन्न भागों में चंद्रोदय काल और उस समय ग्रहण का ग्रासमान दिखाया गया है। पश्चिमी एशिया के देशों जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक आदि को छोड़कर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिणी अमेरिका और रूस में भी दृश्य होगा।

## जानिए कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त मां काली को जरूर लगाएं यह भोग

भगवती के आराधना का बेहद महत्वपूर्ण पर्व गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी से शुरू हो रहा है। विधि-विधान से की गई देवी की आराधना से आध्यात्मिक उन्नति, मनोकामना पूर्ति के साथ ही नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि के मार्ग प्रशस्त होते हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा की कृपा से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन और शक्ति का संचार होता है। सोमवार 19 जनवरी से माघ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जो 27 जनवरी तक चलेगी। यह वर्ष की चार नवरात्रियों में से एक गुप्त नवरात्रि है, जिसमें विशेष रूप से तांत्रिक साधना, दस महाविद्याओं की उपासना और गहन आध्यात्मिक उन्नति के लिए भगवती की आराधना की जाती है। शारदीय या चैत्र नवरात्रि की भांति यह उत्सव धूम-धाम से नहीं, बल्कि शांत, गुप्त और नियमबद्ध तरीके से मनाया जाता है। भक्त घटस्थापना कर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की साधना करते हैं, जिसमें सिद्धि प्राप्ति, बाधा निवारण और मनोकामना पूर्ति का विशेष महत्व है। इस वर्ष प्रतिपदा तिथि 2 बजकर 14 मिनट से 20 जनवरी तक रहेगी। इसलिए उदयातिथि के अनुसार 19 जनवरी से पूजा आरंभ होती है। सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग इसे और भी फलदायी बनाता है।

दृक पंचांग के अनुसार, घटस्थापना के लिए सर्वश्रेष्ठ समय का निर्धारण करना जरूरी है। नवरात्रि का प्रथम अनुष्ठान घटस्थापना (कलश स्थापना) है, जो देवी शक्ति के आह्वान का प्रतीक है। शास्त्रों के अनुसार घटस्थापना प्रतिपदा तिथि पर दोपहर 12 बजे से पहले अवश्य पूरी कर लेनी चाहिए। अमावस्या या रात्रि काल में यह वर्जित है।

दृक पंचांग के अनुसार शुभ मुहूर्त में किया कोई भी पूजा -पाठ फलदायी होता है। उत्तराषाढ़ा नक्षत्र 11 बजकर 52 मिनट तक उसके बाद श्रवण रहेगा। चंद्रमा मकर राशि में संचरण करेंगे। वहीं, सूर्योदय 7 बजकर 14 मिनट पर और सूर्यास्त 5 बजकर 49 मिनट पर होगा। घटस्थापना के लिए उत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त होता है, जो 5 बजकर 27 मिनट से 6 बजकर 21 मिनट तक और अभिजीत मुहूर्त 12 बजकर 11 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक है। यदि कलश स्थापना ब्रह्म मुहूर्त में नहीं कर सके तो अभिजित सर्वोत्तम विकल्प है। वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 11 बजकर 52 मिनट से अगले दिन बजकर 7 बजकर 14 मिनट तक है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग से बचने की सलाह दी जाती है, हालांकि ये पूर्णतः निषिद्ध नहीं हैं। वहीं, राहुकाल सुबह 8 बजकर 34 मिनट से 9 बजकर 53 मिनट तक है। इस दौरान कोई शुभ या नया कार्य न करें। गुप्त नवरात्रि के पहले दिन मां काली की पूजा की जाती है। यह तांत्रिक और गुप्त साधना का विशेष समय होता है, जहां दस महाविद्याओं की आराधना शुरू होती है। मां काली को दस महाविद्याओं में प्रथम स्थान प्राप्त है। उनकी पूजा से शनिदोष, साढ़ेसाती, भय, नकारात्मक ऊर्जा और बाधाओं से मुक्ति मिलती है। विधि विधान से पूजन के पश्चात देवी को गुड़ का भोग लगाना चाहिए। साथ ही लाल फूल, सिंदूर, धूप-दीप और काले तिल, इत्र का भी चढ़ाना चाहिए।

संपादकीय

# सरकार की तलाश में

**हिमाचल** सरकार के प्रतिज्ञा पत्र अगर नए मुकाम पर अपना पता खोज रहे हैं, तो कुछ इरादे सुक्खू सरकार को एक बेहतर नाम देते हैं। सरकार की कसरतों में परंपरागत फैसलों से हट कर क्या नई कसौटियां रहीं, यह अगर आज का हिमाचल देखना शुरू करे, तो कड़वे घूंटों की बुनियाद पर नए शिलालेख दिखाई देंगे। हालांकि हिमाचल में सरकारों को आजमाने और फुसलाने की एक कसाईगिरी रही है, जिसने 'रिपीट' होने के मिशन रोक दिए। जनता को मिली सहूलियतें, अंधाधुंध विकास की खिड़कियां और सरकारी क्षेत्र को बांटी गई खैरात भी यहां सियासी तकसीम में खारिज हो जाती है। रह जाते हैं शिलालेख और विकल्प के सान्निध्य में आक्रोश, तो वर्तमान सरकार के फैसलों से प्रदेश ने क्या और कितना देखा। जो देखा उसे दिखाने की जरूरत, जो किया उसे पहुंचाने की जरूरत और जो सामने है, उसे धरती पर स्थापित करने की जरूरत में सुक्खू सरकार के फैसले अब अपना हाल बता रहे हैं। हम व्यवस्था परिवर्तन के कई भाग कर सकते हैं, जहां नेक नीयत या बुरी नीति के बीच कठोर फैसलों की चटनी बनाई जा सकती है, लेकिन शांता कुमार के बाद सरकार की सख्ती और तल्खी में कुछ गिरह खोली जरूर गईं। मसलन आर्थिक चुनौतियों के अति भीषण लम्हों में सरकार अगर कुछ कर और दिखा पा रही है, तो हर जिरह में कुछ तो कहा जा रहा है। यह दीगर है कि सत्ता और सियासत के बीच कांग्रेस के अपने दुर्ग शिखंडी बने बैठे हैं। सरकार के सौहार्द में चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट, विकलांग तथा असहाय लोगों के लिए मोम सा स्पर्श इंगित हुआ है, तो सख्त फैसलों की तहरीर राजस्व विभाग की जंग लगी फाइलों से इंतकाल जैसी मुहिम का निकलना पूरे विभाग को सक्रिय करता है। आपदाग्रस्त माहौल में तिनकों से राहत के कुनबे जोडऩा अगर आसान नहीं, तो कम से कम बुनियादी सवालों पर इत्र छिडक़ना भी तो एक आशावान मकसद रहा है। इसी तलाश में सरकार ने राज्य को चलाने के नुस्खे बदले, नुक्ते बदले, तो सामने पर्यटन की मुद्रा में कुछ आरोहण हुए। इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार अगली सदी लांघने के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है। भले ही वर्तमान आर्थिक संकट प्रदेश के नक्शे में विकास की बाधाएं चुन रहा हो, लेकिन सरकार यदि कांगड़ा एयरपोर्ट परियोजना के लिए वित्तीय व्यवस्था कर रही है, तो यह एक सुखद कारनामा है। इसी तरह अगर 77 ईको परियोजनाओं को धरातल पर सशक्त किया जा रहा है, तो यह इच्छा शक्ति का परिचायक है। इतना ही नहीं विस्थापन का दर्द लिए भाखड़ा-पौंग जलाशय अगर जल पर्यटन की मंजिलें बनाने में मशगूल हुए हैं, तो आर्थिक आत्मनिर्भरता की वैतरणी पार करने के परवाज सरीखी भूमिका भी असरदार होती है। राज्य ग्रीन इनर्जी के मुहावरों से हटकर अगर अपनी डगर पर ऐसे कदम ले रहा है, तो इलेक्ट्रिक टैक्सियों व इलेक्ट्रिक बसों के मार्फत इंकलाब आ सकता है। यह दीगर है कि वर्तमान परिधान में एचआरटीसी की बसें परेशान कर रही हैं, फिर भी महंगी इलेक्ट्रिक बसों पर ग्रीन राज्य का संदेश ऊंचा है। पर्यटन राज्य की तासीर में कुछ नए कार्निवाल और विभिन्न इवेंट्स अपने लिए स्थायी परिपाटी बनाने की ओर अग्रसर हैं, तो परिवेश के साथ कलात्मक दृष्टि चाहिए। राज्य में घोषित सूचना प्रोद्योगिकी की दिशा में अभी शृंगार बाकी है। बेहतर होगा सॉफ्ट प्रोफेशन की तरफ बढ़ते हुए हिमाचल रोजगार अवसर पैदा करे। रुके हुए चैतड़ू आईटी पार्क के अलावा कम से कम आधा दर्जन और जोडक़र तथा एक अदद फिल्म सिटी व फिल्म एवं टीवी इंस्टीच्यूट स्थापित कर दें, तो रोजगार की पैरवी बढ़ जाएगी। व्यवस्थागत परिवर्तन के स्लोगन में, मुख्यमंत्री नित नई सुर्खी भरने में अपना हुनर दिखा पाए हैं, लेकिन सियासत के समुद्र में किश्तियां न जाने कितना वक्त गुजारेंगी। कुछ भंवर दिखाई देते हैं, यह आसमां की जंग जब पानी से गुजरती है।

सरकार की कसरतों में परंपरागत फैसलों से हट कर क्या नई कसौटियां रहीं, यह अगर आज का हिमाचल देखना शुरू करे, तो कड़वे घूंटों की बुनियाद पर नए शिलालेख दिखाई देंगे। हालांकि हिमाचल में सरकारों को आजमाने और फुसलाने की एक कसाईगिरी रही है, जिसने 'रिपीट' होने के मिशन रोक दिए। जनता को मिली सहूलियतें, अंधाधुंध विकास की खिड़कियां और सरकारी क्षेत्र को बांटी गई खैरात भी यहां सियासी तकसीम में खारिज हो जाती है। रह जाते हैं शिलालेख और विकल्प के सान्निध्य में आक्रोश, तो वर्तमान सरकार के फैसलों से प्रदेश ने क्या और कितना देखा। जो देखा उसे दिखाने की जरूरत, जो किया उसे पहुंचाने की जरूरत और जो सामने है, उसे धरती पर स्थापित करने की जरूरत में सुक्खू सरकार के फैसले अब अपना हाल बता रहे हैं। हम व्यवस्था परिवर्तन के कई भाग कर सकते हैं, जहां नेक नीयत या बुरी नीति के बीच कठोर फैसलों की चटनी बनाई जा सकती है, लेकिन शांता कुमार के बाद सरकार की सख्ती और तल्खी में कुछ गिरह खोली जरूर गईं। मसलन आर्थिक चुनौतियों के अति भीषण लम्हों में सरकार अगर कुछ कर और दिखा पा रही है, तो हर जिरह में कुछ तो कहा जा रहा है। यह दीगर है कि सत्ता और सियासत के बीच कांग्रेस के अपने दुर्ग शिखंडी बने बैठे हैं। सरकार के सौहार्द में चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट, विकलांग तथा असहाय लोगों के लिए मोम सा स्पर्श इंगित हुआ है, तो सख्त फैसलों की तहरीर राजस्व विभाग की जंग लगी फाइलों से इंतकाल जैसी मुहिम का निकलना पूरे विभाग को सक्रिय करता है।

कुछ अलग

## मैं तो सलाहकार हूं भाई...

**बहुत** से लोग मुझसे पूछते हैं कि आप वास्तव में करते क्या हैं और लोग आपके आगे-पीछे क्यों घूमते हैं। मैं बताता हूं कि मैं तो जन्मजात सलाहकार हूं। ईश्वर ने मुझे इस धरती पर कोई काम धाम करने के लिए नहीं, बल्कि सलाह देने के लिए भेजा है। जिसको मेरी सलाह की जरूरत होती है, मैं तुरंत हाजिर हो जाता हूं और अपनी सेवा के बदले माया वसूल करता हूं। पब्लिक माया को भले ही मोह माया का नाम दे, लेकिन इसी माया से मेरी रोजी-रोटी चलती है, दारु-पानी चलता है, ऐश परस्ती चलती है। नेता भी मेरी सलाह मानते हैं। गुंडे भी मुझसे सलाह लेने आते हैं। पब्लिक में से भी कोई भूला भटका मेरे पास आ जाता है। एक बार मैंने एक नेताजी को सलाह दी तो उन्होंने समय से पहले चुनाव करवा दिए। एक दूसरे नेताजी को मैंने सलाह दी कि सरकारी ठेका उसी को अलाट करो जो आपकी ही पार्टी की विचारधारा का हो और आपको नगदी का ब्रीफकेस थमा जाए। एक तीसरी नेता को मैंने सलाह दी कि हाईकमान तक पैसे पहुंचाते रहो और विरोधियों की डिबरी टाइट करते रहो। नेताजी ने सलाह मानी और विरोधी पार्टी से बाहर हो गए। नेताजी को सुकून मिल गया और मेरे सलाह को चार चांद लग गए। एक चौथे नेता को मैंने सलाह दी कि किसी भी ब्यूरोक्रेट को मलाईदार पोस्टिंग देने से पहले यह तय कर लो कि मलाई वह अकेला नहीं खाएगा बल्कि मलाई से निकलने वाला मक्खन वह नेताजी तक पहुंचाएगा। इस सलाह को मानते हुए नेताजी ने मुझे अपना सलाहकार ही रख लिया। इसके बाद मेरी सलाहकार वाली ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। लोग मुझे देखकर खड़े होने लगे।

हिंदुत्ववादी सत्ता के इशारे पर अदालत मुस्लिम समुदाय के निर्दोष बुद्धिजीवियों को बलि का बकरा बना रही

# पीड़ितों का शास्त्र न बन जाए उमर-शरजील की हिरासत

उमेश चतुर्वेदी

**छह** साल पहले राजधानी दिल्ली के उत्तरी-पूर्वी हिस्से के जाफराबाद और मौजपुर में हुए दंगों पर राजनीति थम नहीं रही है। राजनीति तब भी खूब हुई, जब 23 फरवरी 26 फरवरी 2020 के बीच हुए दंगों का घाव बिल्कुल हरा था। इस बार इन दंगों पर राजनीति की वजह पांच जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से आया एक आदेश है, जिसमें इन दंगों के पांच आरोपियों गुलफिशां फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दे दी गई है। इस आदेश को लेकर राजनीति ही नहीं हो रही, प्रकारांतर से देश की सबसे बड़ी अदालत भी निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत ने इन दंगों के आरोपी शरजील इमाम उमर खालिद को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर इन दोनों आरोपियों के पक्ष और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ बयानबाजी तेज हो गई। मनमोहन सिंह की सत्ता और कांग्रेस के आंख के तारे रहे जेएनयू के पूर्व छात्र रहे एक बड़े पत्रकार ने इन दोनों आरोपियों को देश का प्रखर बुद्धिजीवी बताते हुए उन्हें जमानत ना दिए जाने पर आश्चर्य जताया। वामपंथी वैचारिकी की एक खासियत है। वह अपने पक्ष में अकादमिक तर्क गढ़ने में माहिर रही है। अपने लिहाज के तथ्यों को चुनकर उसके हिसाब से वह तर्क गढ़ने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही अपनी वैचारिकी के लोगों को पीड़ित दिखाने में वह हमेशा आगे रहती रही है। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में वामपंथी वैचारिकी उसी तरह से उमड़ पड़ी है। वह दोनों के बारे में यह राय बनाने की भरपूर और प्रभावी कोशिश कर रही है कि दोनों दंगाई नहीं, दंगे के शातिर षड्यंत्रकारी नहीं, बल्कि वे प्रखर बुद्धिजीवी हैं। वामपंथी वैचारिकी यह साबित करने की भी कोशिश कर रही है कि दोनों चूंकि अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम समुदाय से हैं, और चूंकि केंद्र में हिंदुत्ववादी सत्ता है। इसलिए अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों को दबाया और प्रताड़ित किया जा रहा है। वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात यह विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि हिंदुत्ववादी सत्ता के इशारे पर अदालत मुस्लिम समुदाय के निर्दोष बुद्धिजीवियों को बलि का बकरा बना रही है। यह विमर्श खड़ा करके वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात दरअसल दंगाईयों को पीड़ित के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है। दिलचस्प यह है कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत को नकारने के लिए जहां सर्वोच्च न्यायालय को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं बाकी पांच आरोपियों को जमानत दिए जाने के आदेश को जबरदस्ती नेपथ्य में धकेलने की कोशिश की जा रही है। दो लोगों को जमानत ना मिलने को, पांच लोगों को जमानत मिलने की प्रक्रिया के सामने पक्षपाती दिखाया जा रहा है। पांच आरोपियों को मिली जमानत को यह दिखाने की कोशिश हो रही है कि ऐसा करके सर्वोच्च अदालत ने कोई एहसान नहीं किया है। वामपंथी वैचारिकी के इस विमर्श का पूरा मकसद यह भुलाना है कि 2020 के दिल्ली दंगे हिंदू-मुस्लिम दंगे नहीं थे। इस विमर्श का लक्ष्य यह भी भुलाना है कि इन दंगों में अधिसंख्य हिंदू समुदाय के लोग मारे गए थे। इस विमर्श का यह भी मकसद है कि इन दंगों के दौरान आईबी के मासूम अधिकारी अंकित शर्मा की हुई हत्या को सामान्य अपराध दिखाने की कोशिश हो रही है। इन दंगों में आधिकारिक रूप से 53 लोग मारे गए थे। दंगा खत्म होने के बाद कई लाशें नाले में बहती मिलीं। जिस तरह उस दौरान दंगे के एक आरोपी आम आदमी पार्टी के तत्कालीन पार्षद ताहिर हुसैन के घर पत्थर, हथियार और बड़ी-सी गुलेल मिली, उससे तो यही साबित होता है कि दिल्ली के ये दंगे हिंदू समाज को सबक सिखाने की मुस्लिम समाज के कुछ दंगाइयों की कोशिश थी। इन दंगों की टाइमिंग को भी भुलाना आसान नहीं है। जब ये दंगे हुए थे, उसके कुछ ही दिन बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का भारत दौरा हुआ था। इन दंगों के जरिए कोशिश यह भी की गई थी कि दंगा के षड्यंत्रकारियों का मकसद ट्रंप की भारत यात्रा को निरस्त कराना, भारतीय राज व्यवस्था को बदनाम करना और इसके जरिए भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना था। इसमें किंचित वे कामयाब भी हुए। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में उठती आवाजों का प्रतिकार भी जरूरी है। इन आवाजों की पोल खोलना भी जरूरी है। राष्ट्रवादी धारा के प्रबुद्धजन वामपंथी विमर्श के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, लेकिन जिस तरह कभी वामपंथी वैचारिकी के अगुआओं को देश की मौजूदा व्यवस्था में राजकीय तवज्जो मिल रहा है, उससे प्रखर राष्ट्रवादी वैचारिकी किंचित परेशान भी है और दुखी भी। इसलिए जैसा इस वामपंथी विमर्श का प्रतिकार होना चाहिए, उस स्तर का प्रतिकार नहीं हो पा रहा है। यह तो भला हो कि हिंदुत्ववादी मानस इन दिनों बेहद सचेत हो चुका है। निश्चित तौर पर इसकी वजह मुस्लिम तुष्टिकरण की हकीकत का सामने आना तो है ही, केंद्रीय सत्ता में मोदी की अगुआई में हिंदुत्वादी ताकतों का प्रभावी बनना भी है। दिल्ली दंगों को लेकर नए विमर्श गढ़ने की कोशिशें होती रहेंगी। जरूरत यह है कि इसका लगातार उचित प्रतिकार तो होते ही रहे, हिंदुत्व विरोधी नैरेटिव के खिलाफ आक्रामक राष्ट्रवादी विमर्श लगातार उठता रहे। इसी अंदाज में होना यह चाहिए कि दिल्ली दंगों को लेकर बार-बार यह कहा जाना चाहिए कि ये हिंदुओं के खिलाफ खुराफाती और शांति विरोधी मुस्लिम सिरफिरों के सुनियोजित अपराध थे। जिसमें 53 लोगों की मौत हुई। इनमें ज्यादातर हिंदु थे। दो सौ से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भी बताने की कोशिश होनी चाहिए कि घायलों में भी ज्यादातर हिंदू ही थे। इसकी भी बार-बार चर्चा होनी चाहिए कि इन दंगों में सिर्फ और सिर्फ हिंदू समुदाय की ही दुकानों और हिंदू समुदाय के ही मकानों को लक्ष्य बनाकर नुकसान पहुंचाया गया। यह भी बताने की कोशिश लगातार जारी रहनी चाहिए कि इन दंगों का एक मकसद तत्कालीन नागरिकता संबंधी कानून में संसद द्वारा किया गया संसोधन भी था। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ जारी दुष्प्रचार भी था। लगातार ऐसा जवाबी विमर्श खड़ा होता रहा तो मुस्लिम समुदाय के शांति विरोधी और अपराधी और दंगाई समर्थक वर्ग की मंशा का खुलासा करना आसान होगा। लगातार जारी ऐसे विमर्श की वजह से हिंदुत्व विरोधी ताकतें जहां एक्सपोज होंगी, वहीं उनके खिलाफ आम मानस उठ खड़ा होगा। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के जरिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाली राजनीतिक धाराएं भी इससे एक्सपोज होंगी। इस प्रक्रिया के लगातार जारी रहने के चलते एक दौर ऐसा भी आएगा, जब छद्म विमर्शकारों के सामने सच को पूरी हकीकत के साथ स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पडेगा। फिलहाल यह जान लेना चाहिए कि जिन पांच आरोपियो को सर्वोच्च अदालत ने जमानत दी है, उन्हें दो-दो लाख के निजी मुचलके पर रिहा किया गया है। सर्वोच्च अदालत ने इन आरोपियों की जमानत मंजूर करते वक्त बारह कड़ी शर्तें लगाई हैं। अदालत ने कहा है कि ये आरोपी किसी रैली में हिस्सा नहीं ले सकते और पोस्टर नहीं बांट सकते। अदालत ने ताकीद की है कि वे किसी भी कीमत पर अपने खिलाफ चल रहे मामले को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे। हालांकि जमानत पर बाहर आए ये पांचों आरोपी लगातार पाडकास्ट कर रहे हैं, समाचार माध्यमों को साक्षात्कार दे रहे हैं। इसके जरिए वे जेल जीवन की विद्रूपताओं को उजागर तो कर ही रहे हैं, राजव्यवस्था को पक्षपाती साबित करने की कोशिश भी कर रहे हैं। जमानत पाए आरोपियों के इन कार्यों का मकसत असल में हिंदुत्ववादी विचारधारा, भारतीय राज व्यवस्था और न्यायव्यवस्था को कठघरे में खड़ा करना है। राष्ट्रवादी ताकतों को अगर इन ताकतों पर पार पाना है तो वामपंथी वैचारिकी के खिलाफ तार्किक हमला करना होगा, भावनात्मक नहीं।

दिल्ली के उत्तरी-पूर्वी हिस्से के जाफराबाद और मौजपुर में हुए दंगों पर राजनीति थम नहीं रही है। राजनीति तब भी खूब हुई, जब 23 फरवरी 26 फरवरी 2020 के बीच हुए दंगों का घाव बिल्कुल हरा था। इस बार इन दंगों पर राजनीति की वजह पांच जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से आया एक आदेश है, जिसमें इन दंगों के पांच आरोपियों गुलफिशां फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दे दी गई है। इस आदेश को लेकर राजनीति ही नहीं हो रही, प्रकारांतर से देश की सबसे बड़ी अदालत भी निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत ने इन दंगों के आरोपी शरजील इमाम उमर खालिद को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर इन दोनों आरोपियों के पक्ष और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ बयानबाजी तेज हो गई। मनमोहन सिंह की सत्ता और कांग्रेस के आंख के तारे रहे जेएनयू के पूर्व छात्र रहे एक बड़े पत्रकार ने इन दोनों आरोपियों को देश का प्रखर बुद्धिजीवी बताते हुए जमानत ना दिए जाने पर आश्चर्य जताया।

देश दुनिया से

## मशाल बन सत्ता को संभालने का साहित्यिक दायित्व

**आप** किसी को अपने घर बुलायें, और फिर उससे पूछें कि वह आपकी बातों से बोर तो नहीं हो रहा तो आप उससे क्या अपेक्षा करेंगे? यही न कि या तो वह आपसे कहेगा, अरे नहीं, आप तो बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं, या फिर बोर हो रहा होगा तो कह देगा अपने मन की बात। ऐसे में आपसे अपेक्षा यह होती है कि आप शालीनता के साथ अपनी बात कहने का ढंग बदल देंगे। लेकिन यदि आप ऐसा न करके अपने अतिथि को अपने घर से निकल जाने और फिर कभी न बुलाने की बात कहने लगें तो आपको असभ्य और बदतमीज ही तो कहा जायेगा। उस दिन छत्तीसगढ़ के संत घासीदास विश्वविद्यालय में ऐसा ही हुआ। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से हिंदी कहानी की दशा-दिशा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था। देश के बड़े-बड़े साहित्यकार वहां उपस्थित थे। इनमें से एक मनोज रूपड़ा भी थे, जिनकी गणना हिंदी के श्रेष्ठ कहानीकारों में होती है। मेजबान कुलपति शायद स्वागत भाषण दे रहे थे। अचानक उन्होंने सामने बैठे अपने एक अतिथि, मनोज रूपड़ा से पूछ लिया वे उनकी बातों से ऊब तो नहीं रहे और मनोज रूपड़ा ने ईमानदारी से कह दिया, आप मुद्दे पर बोलें तो ज़्यादा अच्छा रहेगा। कुलपति महोदय ने इसे अपना अपमान समझा और यह कहते हुए कि वरिष्ठ कहानीकार में वॉइस चांसलर से बात करने का विवेक नहीं है, उन्हें फटकारते हुए हाल से बाहर निकलने का आदेश दे दिया। रूपड़ा उठकर बाहर चले गये, पर यह प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सब तरफ कुलपति के 'असभ्य' व्यवहार की आलोचना हो रही है। जिसने भी वायरल वीडियो पर यह प्रकरण देखा-सुना है, वह हैरान ही हो सकता है कि कुलपति जैसे ऊंचे आसन पर बैठा व्यक्ति इतना अनुचित व्यवहार कैसे कर सकता है! उम्मीद यह की जा रही थी कि कार्यक्रम के मेजबान कुलपति अपनी ग़लती का अहसास करते हुए क्षमा मांग लेंगे, या कम से कम अपने व्यवहार पर खेद तो व्यक्त करेंगे ही। पर घटना के पांच-छह दिन गुजर जाने और देशभर में उनके व्यवहार की हो रही भर्त्सना के बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है! इस दौरान साहित्य अकादमी ने एक अच्छा काम अवश्य किया है– अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए घोषणा की है कि संत घासीदास विश्वविद्यालय को आगे से अकादमी किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं देगी और न ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोई कार्यक्रम करेगी। यह एक स्वागत-योग्य निर्णय है। खासकर ऐसी स्थिति में जबकि कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा रोकने पर अकादमी की चुप्पी की आलोचना हो रही थी, साहित्य अकादमी का यह निर्णय कुछ दिलासा देने वाला है। बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं कि विवादों में घिरे कुलपति ने सिर्फ एक साहित्यकार का नहीं, पूरे साहित्य-जगत का अपमान किया है। अपमान तो उन्होंने कुलपति के पद और अपने विश्वविद्यालय का भी किया है। जिन शब्दों में, और जिस लहजे में, कुलपति महोदय ने एक साहित्यकार की भर्त्सना की थी, होना तो यह चाहिए था कि उससे वहां उपस्थित सारे साहित्यकार और बाकी श्रोता भी, स्वयं को अपमानित महसूस करते। कुछ लोग अवश्य तब उठकर हाल से बाहर चले गये थे, पर सवाल यह उठता है कि जो साहित्यकार नहीं गये, वे क्यों बैठे रहे? उन्हें क्यों नहीं लगा कि कुलपति महोदय ने एक रचनाकार का ही नहीं, सारे साहित्यकारों का अपमान किया है। आश्चर्य तो इस बात पर भी होना चाहिए कि घटना के बाद लोगों ने उस कार्यक्रम में बैठे रहना उचित समझा। बताया जा रहा है कि आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार भी उपस्थित थे। न उन्हें वहां बैठे रहना ग़लत लगा और न ही असभ्य व्यवहार करने वाले कुलपति के हाथों 'सम्मानित' होना! यही नहीं, घटना के इतने दिनों बाद भी, वहां बैठे रहे साहित्यकारों का कोई बयान सामने न आना भी एक रहस्यमयी चुप्पी ही लगता है। शायद रहस्यमयी नहीं है यह चुप्पी। वे चुप क्यों रहे, यह वही जानें, पर यह अपने आप में कोई रहस्य नहीं है कि सत्ता, चाहे वह राजनीतिक हो अथवा प्रशासनिक, अक्सर साहित्य को अपने अधीन रखना चाहती है। चाहती ही नहीं, अधीन मानती भी है। न वह इतिहास से कुछ सीखना चाहती है, न ही वर्तमान को समझना चाहती है। पता नहीं, कुर्सी पर बैठे लोगों को यह याद क्यों नहीं रहता कि कभी बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल ने कवि भूषण की पालकी को कंधा देकर उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया था। इस इतिहास को कोई चाहे तो कल्पना भी कह सकता है, पर समझने की बात यह है कि राजा छत्रसाल और कवि भूषण का यह प्रकरण सत्ता और साहित्य के रिश्तों को परिभाषित करने वाला है। यहीं यह भी समझना ज़रूरी है कि किसी छत्रसाल (सत्ता) द्वारा सम्मानित होने के लिए भूषण (साहित्य) को अपनी पात्रता भी सिद्ध करनी होती है। संत घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के द्वारा अनुचित व्यवहार के दौरान वहां उपस्थित साहित्यकारों की चुप्पी यही संकेत देती है कि या तो उन्होंने घटना में निहितार्थ को नहीं समझा या उनमें सत्ता के अनुचित घमंड का प्रतिकार करने का साहस नहीं था। ऐसे साहित्यकारों को अपने आप से यह सवाल पूछना चाहिए कि अनुचित का प्रतिकार करना उन्होंने ज़रूरी क्यों नहीं समझा। वह यह क्यों भूल गये कि साहित्य का काम सत्ता को संभालना होता है, मशाल बनकर आगे चलना होता है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ घटी एक घटना याद आ रही है– एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ-साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया। इस पर दिनकर ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'साहित्य का काम है सत्ता को संभालना'। यह बात हमारे साहित्यकार कब समझेंगे? कब उन्हें लगेगा कि जब कोई सत्ता किसी प्रकार के गर्व का शिकार बनती है तो साहित्य का काम उसका हाथ पकड़कर उसे संभालना होता है? उस दिन एक कुलपति के अनुचित व्यवहार का विरोध करके हमारे साहित्यकार अपनी पात्रता सिद्ध कर सकते थे। कुलपति ने जो किया, वह शर्मनाक था, पर उस व्यवहार का विरोध न करके साहित्यकारों का वहां बैठे रहना भी कम शर्म की बात नहीं है। बिलासपुर की उस घटना के वायरल हुए वीडियो से जितना कुछ पता चलता है वह यही है कि कुलपति ने जो किया वह अनुचित था और वहां उपस्थित कुछ साहित्यकारों ने जो नहीं किया (यानी प्रतिकार नहीं किया) वह भी कम अनुचित नहीं था। साहित्यकारों की यह चुप्पी सवाल उठाने वाली है। अनुचित के खिलाफ खड़े न होने की विवशता से हमारे कुछ साहित्यकार कब उबरेंगे।

आप का नज़रिया

## सुप्रीम कटघरे में ममता

**सर्वोच्च** अदालत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आईना दिखा दिया और उन्हें संविधान तथा संघीयवाद के मायने भी समझा दिए। कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान जिस तरह मुख्यमंत्री ने दखल दिया और कुछ सबूत, दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उठा कर चल दीं, सर्वोच्च अदालत ने उसे 'गंभीर मामला' माना है और सुनवाई की बात कही है। ऐसे हस्तक्षेप को 'दुर्भाग्यपूर्ण' भी करार दिया गया है। ममता बनर्जी की पैरोकारी कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी सरीखे प्रख्यात वकील कर रहे हैं। दोनों राज्यसभा सांसद भी हैं। ईडी की छापेमारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सबूतों से छेड़छाड़ करने की कोशिश पर दोनों वकीलों के जो भी तर्क रहे, उनसे सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ सहमत और संतुष्ट नहीं थी। सर्वोच्च अदालत ने मुख्यमंत्री, राज्य के पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को नोटिस भेज कर जो जवाब मांगे हैं, वे जवाब मुश्किल हैं और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली को बेनकाब कर सकते हैं। ममता चुनाव से पहले ऐसी पर्दाफाशी के पक्ष में नहीं होंगी! फिर भी दो सप्ताह की अवधि में नोटिसों के जवाब तो देने ही पड़ेंगे। वैसे पश्चिम बंगाल में यह मामला 'राष्ट्रपति शासन' चस्पा करने का बनता है, क्योंकि कई स्तरों पर 'संवैधानिक ब्रेकडाउन' हुआ है। यह मामला कोलकाता उच्च न्यायालय में भी था, लेकिन जिस तरह एक अनपेक्षित भीड़ ने अदालत-कक्ष में हंगामा किया था, उसके मद्देनजर न्यायाधीश मामले की सुनवाई ही नहीं कर सके। क्या यह 'संवैधानिक ब्रेकडाउन' की स्थिति नहीं थी कि उच्च न्यायालय में न्यायाधीश को भीड़ की अराजकता, शोर के कारण अदालत की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही स्थगित करनी पड़ी? क्या यह संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग नहीं है कि ईडी एक निजी कंपनी के आवास, दफ्तर पर छापे मारे और राज्य की मुख्यमंत्री वहां धमक कर, दखल देकर, साक्ष्यों को छीन कर ले जाए? बेशक वह मुख्यमंत्री का अमर्यादित, अभूतपूर्व और असंवैधानिक व्यवहार था। पुलिस महानिदेशक और कोलकाता पुलिस आयुक्त समेत कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी मुख्यमंत्री के साथ हस्तक्षेप में योगदान दिया। क्या जेड प्लस सुरक्षा वाले व्यक्ति की सुरक्षा में ये शीर्ष अधिकारी भी साथ-साथ चलते हैं? अदालत में ये दलीलें खोखली साबित हुईं, क्योंकि सुरक्षा में कमांडो और सामान्य पुलिस बल ही नेता की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सर्वोच्च अदालत ने ईडी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को भी मुख्यमंत्री का 'एकाधिकारवादी रवैया' माना और तत्काल प्रभाव से प्राथमिकी पर रोक लगा दी। यह पूरा घटनाक्रम और परिदृश्य साबित करता है कि बंगाल में कानून-व्यवस्था गायब है और संविधान का मजाक उड़ाया जा रहा है। यह केंद्र बनाम राज्य के टकराव का मामला भी बनता है, क्योंकि केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई और जांच में राज्य सरकार रोड़े अटकाती रही है। बल्कि केंद्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों पर शारीरिक हमले तक कराए जाते रहे हैं। अफसरों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। जांच पूर्वाग्रही है अथवा केंद्र सरकार का दुरुपयोग है, ये शाश्वत आरोप हैं। इनके आधार पर किसी भी छापेमारी या जांच में मुख्यमंत्री या पुलिस दखल नहीं दे सकते। ईडी और सीबीआई तब भी थीं, जब केंद्र में भाजपा-एनडीए सरकार नहीं थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में भी ऐसी स्थानीय एजेंसियां हैं। क्या संपूर्ण व्यवस्था ही दुराग्रही होकर काम करती है? आपत्ति और आरोपों के मद्देनजर कोई भी अदालत में चुनौती दे सकता है। ममता ने जो किया अथवा कराया है, क्या वह 'संवैधानिक ब्रेकडाउन' का मामला नहीं था? दरअसल केंद्र सरकार बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगा कर ममता बनर्जी की 'राजनीतिक शहादत' सुनिश्चित करने के पक्ष में नहीं रही है। ऐसी कार्रवाई से ममता की पार्टी 'तृणमूल कांग्रेस' को चुनावों में फायदा मिल सकता है। बहरहाल अब तो मामला सर्वोच्च अदालत में है। अगली तारीख 3 फरवरी है। ईडी ने गुहार लगाई है कि ममता बनर्जी और दोषी पुलिस अधिकारियों को ऐसी सजा दी जाए, जो मिसाल बन जाए। अदालत के फैसले पर देश की निगाहें लगी रहेंगी।

कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान जिस तरह मुख्यमंत्री ने दखल दिया और कुछ सबूत, दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उठा कर चल दीं, सर्वोच्च अदालत ने उसे 'गंभीर मामला' माना है और सुनवाई की बात कही है। ऐसे हस्तक्षेप को 'दुर्भाग्यपूर्ण' भी करार दिया गया है। ममता बनर्जी की पैरोकारी कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी सरीखे प्रख्यात वकील कर रहे हैं। दोनों राज्यसभा सांसद भी हैं। ईडी की छापेमारी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सबूतों से छेड़छाड़ करने की कोशिश पर दोनों वकीलों के जो भी तर्क रहे, उनसे सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ सहमत और संतुष्ट नहीं थी। सर्वोच्च अदालत ने मुख्यमंत्री, राज्य के पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को नोटिस भेज कर जो जवाब मांगे हैं, वे जवाब मुश्किल हैं और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली को बेनकाब कर सकते हैं। ममता चुनाव से पहले ऐसी पर्दाफाशी के पक्ष में नहीं होंगी! फिर भी दो सप्ताह की अवधि में नोटिसों के जवाब तो देने ही पड़ेंगे। वैसे पश्चिम बंगाल में यह मामला 'राष्ट्रपति शासन' चस्पा करने का बनता है, क्योंकि कई स्तरों पर 'संवैधानिक ब्रेकडाउन' हुआ है। यह मामला कोलकाता उच्च न्यायालय में भी था, लेकिन जिस तरह एक अनपेक्षित भीड़ ने अदालत-कक्ष में हंगामा किया था, उसके मद्देनजर न्यायाधीश मामले की सुनवाई ही नहीं कर सके।

दृष्टि कोण

# ममता बनाम केंद्र सरकार में बढ़ता टकराव

**पश्चिम** बंगाल देश के लिए ऐसा राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इससे होने वाले राष्ट्रव्यापी नुकसान की ममता बनर्जी सरकार को परवाह नहीं है। ममता बनर्जी का तौर-तरीका ऐसा बन चुका है मानो पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होकर एक स्वतंत्र देश हो। ममता किसी न किसी मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराती रही हैं। एक भी मौका केंद्र से टकराव का नहीं छोड़ती है और फिर खुद ही लोकतंत्र खतरे में है का नारा देकर सिर पर आसमान उठा लेती है। नया मामला प्रवर्तन निदेशालय के छापे की कार्रवाई का है। ईडी ने पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट पहुंच गईं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पाटी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया। कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका खारिज कर दी। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा-धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, 'क्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट न्याय नहीं कर सकता?' इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, कृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को गंभीर करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया। ममता बनर्जी की केंद्र सरकार से टकराने की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसका नमूना कोरोना महामारी में केंद्र के साथ टकराव, अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है। इस क्रम में बंगाली प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव को कौन भूल सकता है।

## आज का राशिफल

### मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

### वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

### मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

### कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

### सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है ।

### कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

### तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी–छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

### वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूए–गा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

### धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

### मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

### कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

### मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद–विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है।

## आज का पंचांग

दिनांक : 19 जनवरी 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 02:16 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रात: 11:53 तक
योग : वज्र रात्रि 08:44 तक
करण : किंस्तुघ्न दोपहर 01:53 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:49, सूर्यास्त 06:04 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:14 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:06 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:56 ( विजयवाडा )

### शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुप्त नवरात्रि आरंभ अमृत सिद्धि योग दोपहर 11:53 से , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई

# मालाणी डेयरी ग्रुप के ठिकानों से 3.50 किलो सोना और भारी नकदी बरामद

**जोधपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** आयकर विभाग ने प्रदेश के प्रतिष्ठित व्यावसायिक समूह, मालाणी डेयरी ग्रुप के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों की अघोषित संपत्ति का खुलासा किया है। पिछले तीन दिनों से जारी इस सघन जांच में विभाग ने अब तक 3.50 किलोग्राम सोना और 35 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। यूपी की टीम ने डाला डेरा, डिजिटल साक्ष्यों पर नजर सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश से आई आयकर विभाग की विशेष टीम जोधपुर के सरदारपुरा स्थित निवास, कार्यालय और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पिछले 72 घंटों से डेरा डाले हुए है। विभाग को सूचना मिली थी कि समूह द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की जा रही है।

जांच के दौरान टीम ने बड़ी संख्या में कंप्यूटर, लैपटॉप और हार्ड डिस्क को अपने कब्जे में लिया है। अधिकारियों को अंदेशा है कि वित्तीय लेन–देन का कच्चा हिसाब और टैक्स चोरी से जुड़े रिकॉर्ड्स डिजिटल उपकरणों में 'कोड वर्ड' या गुप्त फोल्डरों में छिपाकर रखे गए हैं।

आयकर विभाग की फॉरेंसिक टीम अब जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की क्लोनिंग कर रही है। विशेषज्ञों की मदद से डिलीट किए गए डाटा को रिकवर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि टैक्स चोरी के पुख्ता सबूत जुटाए जा सकें।

सोनी परिवार के सदस्यों के नाम पर संचालित बैंक खातों और लॉकरों को भी विभाग ने अपनी रडार पर ले लिया है। फिलहाल लॉकरों को खोलने और उनके मूल्यांकन की प्रक्रिया चल रही है, जिससे बरामद सोने और नकदी के आंकड़ों में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। विभाग का रुख : अभी सर्वे की प्रक्रिया जारी है। डिजिटल साक्ष्यों और दस्तावेजों के मिलान के बाद ही अघोषित आय के सटीक आंकड़ों का खुलासा किया जाएगा।

# धार्मिक आयोजनों से बढ़ता है आपसी सौहार्द्र, गांवों का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता : डॉ.यादव

**बहरोड़/निम्भोर, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** बहरोड़ उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत निम्भोर में आयोजित ऐतिहासिक पहाड़ पीठ वाले हनुमान जी के मेले और विशाल भंडारा कार्यक्रम में डॉ. मोहित जसवंत यादव मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया, बल्कि ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का लेखा–जोखा भी साझा किया। विकास और सेवा का संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मोहित ने कहा कि मेले और धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सौहार्द्र बढ़ाने का बेहतरीन माध्यम हैं। उन्होंने विकास कार्यों पर चर्चा करते हुए बताया कि गाँव में सड़क निर्माण, स्वच्छ जलापूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने मेला कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मेले के उपरांत डॉ. मोहित जसवंत यादव ने निम्भोर में विधायक कोटे से 8 लाख रुपये की लागत से बन रहे रनिंग ट्रैक का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। यह ट्रैक क्षेत्र के युवाओं और बच्चों को खेल–कूद व शारीरिक फिटनेस के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। उन्होंने कार्य की गुण–वत्ता को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए।

सियासी अखाड़ा बना बसंत पशु मेला

# उद्बोधन को लेकर वर्तमान और पूर्व विधायक के बीच तीखी झड़प, गाली–गलौज और हाथापाई तक पहुंची नौबत

**रूपवास (भरतपुर), 18 जनवरी (एजेंसियां)।** कस्बे के ऐतिहासिक मेला मैदान में आयोजित 'बसंत पशु मेला एवं प्रदर्शनी' का उद्घाटन समारोह रविवार को राजनीतिक खींचतान और हंगामे की भेंट चढ़ गया। कार्यक्रम के दौरान वर्तमान विधायक डॉ. ऋतु बनावत और पूर्व विधायक बच्चूसिंह बंशीवाल के बीच उद्बोधन (भाषण) की प्राथमिकता को लेकर शुरू हुई बहस देखते ही देखते गाली–गलौज और हाथापाई की स्थिति तक पहुँच गई।

मंच पर हुआ हाई–वोल्टेज ड्रामा मेले का शुभारंभ महंत नेमीचंद कटारा द्वारा मंत्रोच्चारण और पुलिस बल द्वारा ध्वजारोहण के साथ शांतिपूर्ण ढंग से हुआ था। विवाद तब शुरू हुआ जब मंच संचालन कर रहे प्रधानाचार्य ने पूर्व विधायक बच्चूसिंह बंशीवाल को उद्बोधन के लिए आमंत्रित किया। बंशीवाल ने वर्तमान विधायक डॉ. ऋतु बनावत को पहले बोलने के लिए कहा, जिस पर पूर्व जिलाध्यक्ष ऋषि बंसल और बच्चूसिंह बंशीवाल के बीच बहस छिड़ गई। देखते ही देखते यह नोक–झोंक वर्तमान और पूर्व विधायक के बीच व्यक्तिगत आरोप–प्रत्यारोप में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंच पर ही दोनों पक्षों के बीच तीखी भाषा का प्रयोग हुआ और गाली–गलौज होने लगी।

नेताओं के बीच बढ़ती तल्खी देख नीचे खड़े समर्थकों ने भी मोर्चा खोल दिया और एक–दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। मंच पर और मंच के नीचे हाथापाई की नौबत आते देख वहां मौजूद भारी पुलिस जाब्ते ने तुरंत मोर्चा संभाला और काफी मशक्कत के बाद दोनों पक्षों को शांत करवाया। इस हंगामे के कारण उद्घाटन समारोह का गरिमामयी माहौल पूरी तरह बिगड़ गया और कार्यक्रम महज खानापूर्ति बनकर रह गया। वहां मौजूद नागरिकों ने इस पूरी घटना के लिए नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही और खराब मंच संचालन को जिम्मेदार ठहराया है। लोगों का कहना था कि प्रोटोकॉल और अतिथियों की सूची पहले से स्पष्ट न होने के कारण यह विवाद उपजा।मामले पर सफाई देते हुए विधायक डॉ. ऋतु बनावत ने कहा कि प्रोटोकॉल के तहत कुछ ही लोगों को उद्बोधन देना तय था, इसी विषय को लेकर चर्चा हुई थी।

सहकार भारती का 48वां स्थापना दिवस

# सहकारिता की समस्याओं को लेकर आंदोलन की चेतावनी

**उदयपुर, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** सहकार भारती की उदयपुर इकाई द्वारा संगठन का 48वाँ स्थापना दिवस न्यायालय परिसर स्थित बार सभागार में गरिमापूर्ण तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रदेश मंत्री मनोज शर्मा ने सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए भविष्य में बड़े आंदोलन के संकेत दिए। बिना संस्कार नहीं सहकार : मनोज शर्मा मुख्य वक्ता मनोज शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सहकार भारती की स्थापना स्व. लक्ष्मण राव इनामदार ने बिना सहकार नहीं उद्धार, बिना संस्कार नहीं सहकार के मंत्र के साथ की थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अलग सहकारिता मंत्रालय बनाना इस क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। शर्मा ने घो–षणा की कि सीकर प्रदेश कार्यसमिति के निर्णयानुसार, सहकारिता क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु शीघ्र ही सरकार के समक्ष चरणबद्ध तरीके से मुद्दे उठाए जाएंगे और जरूरत पड़ने पर आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व राष्ट्रीय मंत्री व भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर ने आमजन के आर्थिक उत्थान में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौर एवं बार एसोसिएशन अध्यक्ष जितेन्द्र जैन ने भी अपने विचार रखे।

# लाडो लक्ष्मी योजना में बार–बार बदलाव महिलाओं के साथ धोखा: सैलजा

**चंडीगढ़, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सिरसा की सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा लाडो लक्ष्मी योजना में बार–बार किए जा रहे बदलावों को महिलाओं के साथ खुला धोखा बताया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सरकार ने प्रदेश की सभी महिलाओं को 2100 प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के लगभग एक वर्ष बाद भी सरकार अपने वादे से लगातार पीछे हटती जा रही है। पहले यह शर्त लगाई गई कि जिन महिलाओं की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक है, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके बाद तीन–तीन महीने की किस्तों में राशि डालने की व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि इसके पश्चात सरकार ने योजना में फिर बदलाव करते हुए यह प्रा–वधान कर दिया कि केवल बीपीएल परिवारों से संबंधित महिलाओं को ही लाभ मिलेगा और वह भी तब, जब उनके बच्चे 10वीं व 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाएंगे। इस स्थिति में 1100 नकद और 1000 की एफडी कराने की बात कही गई। अब तीसरी बार योजना में परिवर्तन करते हुए सरकार ने सभी महिलाओं को मात्र 1100 देने और शेष 1000 की दीर्घकालीन एफडी करने की घोषणा कर दी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि बार–बार नियम बदलना यह साबित करता है कि सरकार की नीयत महिलाओं को सशक्त करने की नहीं, बल्कि उन्हें भ्रमित करने की है। चुनाव के समय बड़े–बड़े वादे करना और बाद में शर्तों में उलझाकर लाभ से वंचित करना महिलाओं के साथ अन्याय है। उन्होंने मांग की कि हरियाणा सरकार बिना किसी शर्त के अपने मूल वादे को पूरा करे और प्रदेश की सभी महिलाओं को प्रतिमाह 2100 की राशि देना तुरंत शुरू करे।

# रोहतक में हरियाणा युवा कांग्रेस की बैठक, शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को सशक्त करने पर मंथन

**रोहतक, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय रोहतक में हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य विषय पार्टी का 'शक्ति अभियान' रहा, जिसके अंतर्गत महिलाओं के मुद्दों, उनके अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी को लेकर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि महिलाओं को जागरूक, शिक्षित और संगठित कर उन्हें पंचायत व निकाय स्तर पर राजनीति में आगे लाया जाएगा। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि समाज के विकास में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं राजनीतिक प्रक्रिया से दूर हैं। शक्ति अभियान के माध्यम से जमीनी स्तर पर महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था की जानकारी दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला सशक्तिकरण की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाएं राजनीति में सक्रिय भूमिका नहीं निभाएंगी, तब तक सच्चे मायनों में लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार करना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गांव–गांव और वार्ड–वार्ड जाकर महिलाओं से संवाद करें और उन्हें राजनीति से जोड़ने का काम करें।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि महिला कार्यकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें उन्हें पंचायत, नगर परिषद और नगर पालिका स्तर की कार्यप्रणाली की जानकारी दी जाएगी।

# बागवानी की नई तकनीकें बनी किसानों की आय का मजबूत आधार, हो रही लाखों की कमाई

**नूंह, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के नूंह जिले में किसान अब परंपरागत खेती से आगे बढ़ते हुए बागवानी की आधुनिक तकनीकों को अपनाकर बेहतर मुनाफा कमा रहे हैं। नई तकनीक से की जा रही खेती ने न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाई है, बल्कि उनके चेहरों पर भी खुशी की चमक दिखाई देने लगी है। बागवानी विभाग नूंह के सहयोग से किसान ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग और टनल तकनीक का उपयोग कर कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। इससे खेती अब लाभ का सौदा बनती जा रही है। पिनगवां ब्लॉक के रहपुवा और सटकपुरी गांवों में किसान विशेष रूप से सब्जी और फल वाली बागवानी फसलों की ओर तेजी से रुझान दिखा रहे हैं। पानी की बचत को ध्यान में रखते हुए ड्रिप प्रणाली के माध्यम से मल्चिंग और टनल में खरबूजा, तरबूज, ककड़ी, घीया, तोरी और करेला जैसी फसलों की खेती की जा रही है। इससे न केवल सिंचाई में पानी की खपत कम हो रही है, बल्कि फसलों की गुणवत्ता और पैदावार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

रहपुवा गांव के किसान जलालुद्दीन अहमद ने बताया कि उन्होंने ननहैम्स कंपनी की तरबूज की किस्म लगाई है, जिससे प्रति एकड़ 70–75 क्विंटल तक उपज प्राप्त हो रही है। इस फसल पर उनकी कुल लागत करीब 50–60 हजार रुपए आई है, जबकि दिल्ली की मंडी में तरबूज 3,000 से 3,500 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बिक रहा है। इससे किसान को एक एकड़ से लगभग दो लाख रुपए तक का शुद्ध मुनाफा हो रहा है।

उन्होंने बताया कि वे खरबूजा, खीरा, करेला, तरबूज, टमाटर आदि की खेती करते हैं। 20 साल पहले इसकी शुरुआत की थी, अब सरकार की तरफ से सब्सिडी भी मिल रही है। किसान मोहम्मद इरशाद ने बताया कि पहले हम साधारण तौर पर खेती करते थे, लेकिन बाद में हमें नई तकनीक के बारे में जानकारी हुई, जिससे हमें फायदा हो रहा है। कीड़ों और ओलों से बचाव होता है।

कांग्रेस के कर्ज वाले बयान पर अनिल विज का तंज, बोले

# क्या राजनीति छोड़ ज्योतिषी बन गई है कांग्रेस

**चंडीगढ़, 18 जनवरी (एजेंसियां)।** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि आने वाला बजट लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा क्योंकि बहुत ही मजबूत बजट पेश किया जाएगा। विज ने राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बिजली प्रणाली को सुधारना हमारी प्राथमिकता है ताकि उपभोक्ताओं तक निर्बाध गुणवत्तापरक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। विज दिल्ली में मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब दे रहे थे। कांग्रेस द्वारा राज्य में कर्ज बढ़ने को लेकर दिए गए बयान के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस ने राजनीति छोड़ ज्योतिषी की दुकान खोल ली है। उन्होंने कहा कि अभी बजट बन रहा है और सभी हितधारकों की राय की जा रही है। इस बारे में मुख्यमंत्री स्वयं सभी विभागों की बैठके ले रहे है और बहुत ही मजबूत बजट पेश किया जाएगा।कानून व्यवस्था के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के चलते 5000 के लगभग असामाजिक तत्वों को जेल में डाल दिया गया है। इसलिए सरकार अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में विकास को लेकर आज केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से बातचीत हुई है ताकि केंद्र के साथ साथ राज्य के लोगों तक ऊर्जा क्षेत्र की योजनाओं का लाभ पहुंच सके। उन्होंने बताया कि बिजली प्रणाली को सुधारना हमारी प्राथमिकता है ताकि उपभोक्ताओं तक निर्बाध गुणवत्तापरक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि गर्मियों के मौसम के दौरान ही बिजली आपूर्ति को सुनिश्चित किया जा चुका है इसलिए सर्दियों में अभी फिलहाल किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है तथा मांग और आपूर्ति में भी कोई समस्या नहीं है। विज ने बताया कि राज्य में बिजली के ट्रांसफार्मरों और कंडक्टरों को आवश्यतानुसार अपग्रेड किया जा रहा है। इस प्रकार का अपग्रेडेशन गुरुग्राम और फरीदाबाद में उच्च पैमाने पर किया जा रहा है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# टीएसयूटीएफ कागज़नगर डिवीज़न की बैठक सम्पन्न

**कागज़नगर,18 जनवरी (शुभलाभ ब्यूरो)।**
मीटिंग में बोलते हुए, टीएसयूटीएफ डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट वैद्य शांतिकुमारी ने कहा कि केंद्र सरकार को टीचर्स और एजुकेशन सेक्टर की समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए और टीचर्स से 5 फरवरी को ऑल इंडिया जॉइंट एक्शन कमेटी ऑफ़ टीचर्स ऑर्गेनाइज़ेशन्स के बुलावे पर चलो पार्लियामेंट प्रोटेस्ट में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को तुरंत नेशनल पेंशन स्कीम रद्द करनी चाहिए और पुराना पेंशन सिस्टम बहाल करना चाहिए, नौकरी कर रहे टीचर्स को ढएढ में छूट देनी चाहिए, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी रद्द करनी चाहिए, प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्कूलों में काम करने वाले टीचर्स को एमएलसी वोटिंग का अधिकार देना चाहिए, और समान काम के लिए समान वेतन देना चाहिए।सीनियर टीचर डोंथी लिंगारेड्डी टीएसयूटीएफ में शामिल हुईं..उन्होंने कहा कि सीनियर टीचर डोंथी लिंगारेड्डी टीचर एजुकेशन सेक्टर की समस्याओं को हल करने के लिए नेशनल लेवल से लेकर स्कूल लेवल तक किए जा रहे संघर्षों से आकर्षित होकर टीएसयूटीएफ में शामिल हुईं।

इस मीटिंग में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एम राजकमलाकर रेड्डी, दुर्गय्या, मंडल प्रेसिडेंट, चीफ सेक्रेटरी बालकृष्ण, महेश, वाइस प्रेसिडेंट सबिता रानी, सिरपुर टी मंडल चीफ सेक्रेटरी हरीश, मंडल इंचार्ज उपेंद्र, सुरेश, संतोष, रमेश और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया।

# श्री खाटू श्याम गोशाला में मौनी अमावस्या पर श्रद्धापूर्वक हुआ गौ-पूजन

**बेंगलुरु/ आसिफाबाद,18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर बेंगलुरु के बनरगठा क्षेत्र में स्थित श्री खाटू श्याम गोशाला में धार्मिक आस्था और परंपरा से ओतप्रोत विशेष गौ-पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्थानी समाज की महिलाओं ने भाग लेकर विधिविधान से गोमाता की पूजा-अर्चना की।

सुबह से ही गोशाला परिसर में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। महिलाओं ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा धारण कर गायों को तिलक लगाया, फूल-मालाएं अर्पित कीं तथा दीप प्रज्वलन कर आरती उतारी। पूजा के दौरान गोमाता को गुड़, चारा और फल अर्पित किए गए। पूरे परिसर में भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार से आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

राजस्थानी महिलाओं ने मौनी अमावस्या के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिन गौ-पूजन करने से जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है और गौसेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है।

गोशाला प्रबंधन की ओर से बताया गया कि श्री खाटू श्याम गोशाला में सैकड़ों गायों की सेवा और देखभाल की जा रही है। समय-समय पर धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से गौसंरक्षण व सेवा का संदेश समाज तक पहुंचाया जाता है। इस प्रकार के आयोजनों से नई पीढ़ी में भी धार्मिक संस्कार और सेवा भाव विकसित होता है।

कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने गोशाला में सेवा कार्य कर गौमाता के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। मौनी अमावस्या के इस आयोजन ने समाज में एकता, धर्म और सेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

# मंत्री जुपल्ली आज कुमराम भीम आसिफाबाद जिले का दौरा करेंगे

## 257.27 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन समारोह

**आसिफाबाद,18 जनवरी (शुभलाभ ब्यूरो)।** टूरिज्म, कल्चर और एक्साइज मंत्री और संयुक्त आदिलाबाद जिले के इंचार्ज मंत्री, जुपल्ली कृष्ण राव, सोमवार को कुमराम भीम आसिफाबाद जिले का बड़े पैमाने पर दौरा करेंगे। इस दौरे के तहत, वह जिले भर में लगभग 257.27 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे और कई प्रोजेक्ट्स का शुभारंभ करेंगे।वह कागज़नगर शहर में इंदिराम्मा घरों का उद्घाटन करेंगे और लाभार्थियों के साथ गृह प्रवेश समारोह में भाग लेंगे। वह 26 करोड़ रुपये की लागत से कम्युनिटी हेल्थ सेंटर को 30 बेड से 100 बेड वाले एरिया हॉस्पिटल में अपग्रेड करने के काम का भी शिलान्यास करेंगे। बाद में, वह वहां आयोजित एक पब्लिक मीटिंग को संबोधित करेंगे।मंत्री वांकिडी मंडल के इंदानी गांव में 200 करोड़ रुपये की भारी लागत से बनने वाले यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल का शिलान्यास करेंगे। बाद में, वे वांकिडी घत्रह्नत में 67.50 लाख रुपये की लागत से बने अतिरिक्त क्लासरूम का उद्घाटन करेंगे। बाद में, वे वांकिडी कलां नझक्ढ में 2.30 करोड़ रुपये की लागत से बने लड़कों के हॉस्टल का शिलान्यास करेंगे। वे -क्ढ (गर्ल्स) में 60 लाख रुपये की लागत से बने अतिरिक्त क्लासरूम, 1.56 करोड़ रुपये की लागत से बने नए प्राइमरी हेल्थ सेंटर (झक्ऊ) बिल्डिंग और चिन्नुगुडा गांव में 13.50 लाख रुपये की लागत से बने ट्राइबल वेलफेयर प्राइमरी स्कूल बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, मंत्री जुपल्ली जैतपुर गांव में इंदिराम्मा के घर का उद्घाटन करेंगे और लाभार्थियों के साथ गृह प्रवेश कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मंत्री आसिफाबाद डिस्ट्रिक्ट सेंटर में 26 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सरकारी नर्सिंग कॉलेज की बिल्डिंग का शिलान्यास करेंगे। बाद में, वह आसिफाबाद रोज गार्डन में होने वाले -चउ मार्केट कमेटी गवर्निंग बॉडी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

# शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी : अशोक कुमार

**जगतियाल,18 जनवरी (शुभलाभ ब्यूरो)।**
जिला एस पी.अशोक कुमार आदेश के अनुसार, अराइव अलाइव सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत, जगतियाल जिला पुलिस विभाग की देखरेख में आज (6वें दिन) पूरे जिले में ड्रंक एंड ड्राइव - ज़ीरो टॉलरेंस डे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।इस मौके पर, जिले के सभी पुलिस थानों में पुलिस और संबंधित पुलिस कर्मियों ने खास कदम उठाए। गाड़ी चलाने वालों को दुर्घटनाओं, जान के नुकसान और शराब पीकर गाड़ी चलाने के बुरे असर के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूक किया गया। यह साफ तौर पर कहा गया कि शराब पीकर गाड़ी चलाना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि इससे उनकी और दूसरों की जान को भी गंभीर खतरा है।पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि वे ड्रंक एंड ड्राइव मामलों पर ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी लागू कर रहे हैं और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर गाड़ी चलाने वालों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए।

नशे में एक पल की लापरवाही ज़िंदगी भर पछताने वाली हो सकती है। ज़्यादातर सड़क हादसों की मुख्य वजह शराब पीकर गाड़ी चलाना बन रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग अपनी मर्ज़ी से ज़िम्मेदारी से पेश आएं और शराब पीकर गाड़ी चलाने के बजाय दूसरे रास्ते चुनें। उन्होंने कहा कि ज़िला पुलिस डिपार्टमेंट की तरफ से चलाए जा रहे अराइव अलाइव कैंपेन का मकसद हादसों को कम करना और यह पक्का करना है कि हर कोई सुरक्षित अपनी मंज़िल तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम से लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ रही है और आने वाले दिनों में ऐसे जागरूकता प्रोग्राम जारी रहेंगे। उन्होंने बताया कि हर किसी का ज़िम्मेदार व्यवहार ही सड़क हादसों को रोकने का तरीका है।

# व्यक्ति ने अपने 9 वर्षीय बेटे की हत्या करने के बाद की आत्महत्या

**मंचेरियाल,18 जनवरी (शुभलाभ ब्यूरो)।**
रविवार को जनाराम मंडल के रामपुर गांव में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने नौ वर्षीय दिव्यांग बेटे का गला काटकर उसकी हत्या कर दी और फिर उसी तरीके से आत्महत्या कर ली पुलिस ने बताया कि पलागनी भूमैया ने अपने पोलियो पीड़ित बेटे कार्तिक की हत्या कर दी और फिर अपनी गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली बताया जाता है कि वह अपने बेटे की लंबी बीमारी और उसकी खराब शारीरिक स्थिति से बहुत परेशान था ।

दोनों के शव खून से लथपथ पड़े मिले पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जो तुरंत मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले गई भूमैया के परिवार में उनकी पत्नी और बेटी है बताया जाता है कि वे लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अवसादग्रस्त थे अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

# भाजपा के प्रयासों से मंचेरियाल को मिला 30 करोड़ का फुट ओवर ब्रिज : गौड़

**मंचेरियाल,18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
भारतीय जनता पार्टी की निरंतर कोशिशों के परिणामस्वरूप मंचेरियाल नगर में फुट ओवर ब्रिज निर्माण को केंद्र सरकार ने मंज़ूरी दी है। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष नागुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने कही।

रविवार भाजपा मंचेरियाल कॉरपोरेशन के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र पर दुग्धाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अध्यक्ष वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि मंचेरियाल टू-टाउन क्षेत्र में रहने वाले लगभग 70 हजार लोग पिछले 60 वर्षों से रेलवे लाइन के कारण भारी परेशानियों का सामना कर रहे थे। पूर्ववर्ती कांग्रेस और बीआरएस सरकारों ने केवल वोट बैंक के रूप में ही इन लोगों को देखा, लेकिन भाजपा ने जनता की वास्तविक समस्याओं को समझते हुए समाधान के लिए ठोस कदम उठाए।

उन्होंने बताया कि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष वेराबेल्ली रघुनाथ के अथक प्रयासों से कई बार दिल्ली में रेलवे जीएम और केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात कर जनता की समस्याओं को अवगत कराया गया। इसके फलस्वरूप केंद्र सरकार ने मंचेरियाल में फुट ओवर ब्रिज निर्माण को स्वीकृति देते हुए 30 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।इसके साथ ही रघुनाथ के प्रयासों से अंडर ब्रिज और वंदे भारत एक्सप्रेस की सुविधा भी मंचेरियाल को मिली है। वंदे भारत एक्सप्रेस का मंचेरियाल में ठहराव भाजपा की ही उपलब्धि है। इस कार्यक्रम में बंडी संजय ने आधिकारिक रूप से 30 करोड़ रुपये की लागत से फुट ओवर ब्रिज निर्माण की अनुमति की घोषणा की।उन्होंने बताया कि यह फुट ओवर ब्रिज अत्याधुनिक तकनीक से बनाया जाएगा, जिसमें रैंप और एस्केलेटर की सुविधा होगी तथा भविष्य में लिफ्ट लगाने की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों को विशेष लाभ मिलेगा।इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता, जिला व राज्य स्तरीय नेता, नगर नेता तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में रंग श्रीशैलम, बोयनी हरिकृष्ण, अमिशेट्टी राजकुमार, पुरुषोत्तम जाजू, पानगंटी मधु, पट्टी वेंकट कृष्ण, तरुण सिंह सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

# संयुक्त जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मूला राजिरेड्डी ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया

**मंचेरियाल,18 जनवरी (शुभलाभ ब्यूरो)।** नगर निगम चुनावों में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा पार्टी के वरिष्ठ नेता और संयुक्त जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष मूला राजिरेड्डी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने भी कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए कहा कि पार्टी विभाजनकारी रुझानों एकतरफा फैसलों और तानाशाही शासन से बुरी तरह प्रभावित है राजिरेड्डी ने घोषणा की कि वे जल्द ही अपने समर्थकों के साथ बीआरएस पार्टी में शामिल होंगे इस अवसर पर उन्होंने एक पत्र में अपने इस्तीफे के कारणों को स्पष्ट किया उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा जारी किए गए छह वादों 420 प्रतिज्ञाओं और चन्नूर घोषणापत्र से आकर्षित होकर उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और स्थानीय विधायक गद्दाम विवेक की जीत में महत्व-पूर्ण योगदान दिया था ।

हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव प्रचार के दौरान, कांग्रेस द्वारा किए गए वादों को लेकर जनता को गंभीर नकारात्मक स्थितियों का सामना करना पड़ा मंत्री विवेक ने अफसोस जताया है कि चेन्नुरु निर्वाचन क्षेत्र के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए घोषणापत्र में किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया गया है ।

उन्होंने बताया कि थोतु निर्वाचन क्षेत्र में 45,000 युवाओं को रोजगार प्रदान करने खनन संस्थान, कौशल विकास केंद्र, कृषि अनुसंधान केंद्र, कृषि मिनी विश्वविद्यालय और तटबंधों के निर्माण के वादे पूरे नहीं किए गए हैं उन्होंने विधायक विवेक के प्रति जनता के विरोध और उनके द्वारा जारी किए गए फर्जी घोषणापत्र के कारण जनता के विश्वास में आई कमी के चलते कांग्रेस पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की।

# जनता ने वोटों के रूप में अपना आशीर्वाद दिया : पाटील

**किनवट,18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पूर्व विधायक माधवराव पाटील जवलगांवकर ने कहा की जिले के किनवट, हिमायतनगर शहरों की जनता ने वोटों के रूप में जो अपना आशीर्वाद दिया है उसे हम बेकार नहीं जाने देंगे महाविकास आघाडी से नवनिर्वाचित पदाधिकारी यो ने नप के माध्यम से शहर की मुलभूत सुविधा एवं समस्या ओ का और स्थानिय विकास मुद्दो को लेकर प्राथमिकता देने की आवश्यकता है इस्लापुर स्थित सर्कल महाविकास आघाडी कि ओर से आयोजित किनवट और हिमायतनगर नप के नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष, उपनगराध्यक्ष और नगर-सेवको का नागरी सन्मान समारोह में वे संबोधित कर रहे थे पुर्व विधायक माधवराव पाटील जवलगांवकर आगे कहा सत्तारुढ भाजपा सरकार पर नप चुनाव में सत्ता के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा की उन्होंने लोगों को जमकर धन बांटा इसके

बावजुद लोगों ने भाजपा को नकार दिया और महाविकास आघाडी को मौका भी दिया है अब आगामी जिप,पस चुनाव के लिए कार्यकर्तोओने महाविकास आघाडी को मजबूत बनाए , ठाकरे शिवसेना जिला प्रमुख ज्योतिबा खराटे ने कहा शिवसेना, राष्ट्रवादी काँग्रेस, और कांग्रेस के साथ सभी जाति,धर्म के लोग शामिल होने से जनता ने नप मे सत्ता स्थापना से भाजपा के सपनों को चकनाचुर कर दिया है जनता ने महाविकास आघाडी पर भरोसा जताया है उस पर हम खरे उतरेंगे इस सम्मानित समारोह मेकिनवट की नवनिर्वाचित नगराध्यक्षा सुजाता एड्रलवार, उपनगराध्यक्ष हसनलाला, हिमायतनगर के नगराध्यक्ष रफीक सेठ, उपनगराध्यक्ष विनोद गुंडेवार, और निर्वाचित हुए दोनो नप के नवनिर्वाचित नगरसेवको का नागरी सन्मान किया गया था इस समय राष्ट्रवादी काँग्रेस शरद पवार गुट की श्रीमती बेबीताई प्रदीप नाईक,किनवट नगराध्यक्ष सुजाता एड्रलवार, उपनगराध्यक्ष हसनलाला,के मूर्ती अण्णा, विनोद भरणे, शिंदे ने मार्गदर्शन किए इस अवसरपर युवा नेता करण एड्रलवार, प्रकाश राठोड, राहुल नाईक, अनिल पाटील, मारोती दिवसे, प्रशांत कोरडे, बंडु नाईक, पंचफुलाबाई शिवराम, जनार्दन ताडेवाड,रोहण एड्रलवार, आनंदराव पाटील, बंडु पाटील समेत गणमान्य व्यक्ती मौजुद थे कार्यक्रम का संचलन ईश्वर जाधव ने आभार चंदु गायकवाड ने माना आयोजक तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए कृउबासभापती शिवाजी घो-गरे,ग्राप सदस्य चंद्रकांत पाकलवाड,प्रमोद राठोड, गंगाधर जाधव, संदिप जिनेवाड, गणेश मोतेवार गणेश जाधव समेत अन्य लोगो ने परिश्रम लिए थे इस समारोह में परिसर सरपंच, उपसरपंच, चेअरमन,प्रमुख नेता, महिला, नागरिक बडी संख्या से उपस्थित थे

# मुख्यमंत्री के ड्रीम स्टेडियम पर फिर ताला, जर्मन कप रद्द

**मेदिनीपुर,18 जनवरी (एजेंसियां) ।** पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयमा गांव स्थित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ड्रीम प्रोजेक्ट माने जाने वाले स्टेडियम को एक बार फिर निराशा का सामना करना पड़ा है। बुनियादी ढांचे और संपर्क व्यवस्था की कमी के कारण यहां प्रस्तावित अंडर-17 जर्मन कप फुटबाल टूर्नामेंट के जिला स्तरीय मुकाबले रद्द कर दिए गए हैं।

एक समय माओवादियों का गढ़ रहे शालबनी के भीमपुर संलग्न कोयमा क्षेत्र में राज्य पुलिस का कैंप था, जिसे माओवादी हिंसा के दौरान आग के हवाले कर दिया गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल पर उसी कोयमा में एक सरकारी कालेज की स्थापना की गई। इसके साथ ही क्षेत्र के युवाओं के खेल विकास के उद्देश्य से कालेज के पश्चिम में लगभग साढ़े 13 एकड़ भूमि पर एक विशाल स्टेडियम का निर्माण कराया गया। वर्ष 2017 के अप्रैल माह में मुख्यमंत्री के हाथों स्टेडियम का उद्घाटन हुआ, लेकिन इसके बावजूद यहां नियमित खेल गतिविधियां शुरू नहीं हो सकीं।

करीब छह करोड़ रुपये की लागत से बने इस स्टेडियम की वर्षों तक उपेक्षा होती रही। मैदान में मैक्सिकन घास की जगह जंगली घास उग आई थी, जबकि गैलरी, वीआईपी बाक्स और ड्रेसिंग रूम भी जर्जर हालत में पहुंच गए थे। हाल ही में पश्चिम मेदिनीपुर जिला पुलिस की पहल पर अंडर-17 स्कूल छात्रों के लिए आयोजित जर्मन कप फुटबाल टूर्नामेंट के जिला स्तरीय मुकाबलों के लिए कोयमा स्टेडियम को चुना गया था। इसके बाद शालबनी ब्लाक प्रशासन और पंचायत समिति की ओर से युद्धस्तर पर पहल करते हुए लगभग चार लाख रुपये खर्च कर मैदान और स्टेडियम की मरम्मत कराई गई।

शनिवार दोपहर जिलाधिकारी विजिन कृष्णा और पुलिस अधीक्षक पलाशचंद्र ढाली सहित जिला एवं ब्लाक प्रशासन तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मैदान का निरीक्षण किया। मैदान की स्थिति में सुधार पाए जाने के बावजूद अधिकारियों ने संपर्क व्यवस्था और अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर चिंता जताई। इसके बाद शनिवार शाम को जिला पुलिस और प्रशासन की ओर से आधिकारिक सूचना जारी कर बताया गया कि कोयमा स्टेडियम को जर्मन कप के लिए अनुपयुक्त माना गया है।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि संपर्क सुविधा सहित कई कारणों से कोयमा स्टेडियम के स्थान पर शालबनी स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में ही जर्मन कप के जिला स्तरीय मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। यह प्रतियोगिता आगामी 27 से 30 जनवरी तक आयोजित होगी।

इस बारे में पुलिस अधीक्षक पलाशचंद्र ढाली ने बताया, कोयमा स्टेडियम के स्तर को और थोड़ा बेहतर बनाने की कोशिश की जाएगी। उसके बाद वहां किसी अन्य फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। फुटबाल कैंप (शिविर) लगाने की पहल भी की जाएगी। दूसरी ओर जिलाधिकारी बिजिन कृष्णा ने सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन शालबनी के बीडीओ रोमन मंडल ने का कहना था- हमने कोयमा स्टेडियम का नवीनीकरण किया है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में फेरी ने कोबोली को हराकर किया उलटफेर

**मेलबर्न।** यहां जारी ऑस्ट्रियाई ओपन टेनिस में ब्रिटेन के आर्थर फेरी ने 20वीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली को हराकर सनसनी फैला दी। 185 वहीं वरीयता प्राप्त फेरी ने पहले ही दिन 20वीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली को 7-6(1), 6-4, 6-1 से हरा दिया। फेरी ने 2 घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 10 में से छह ब्रेक अंक हासिल किये। कोबोली के खिलाफ उन्होंने पहले तीन गेम के बाद मेडिकल टाइम-आउट। फेरी ने जीत के बाद कहा, यहां का अनुभव काफी अच्छा रहा। विंबलडन के बाहर पहली बार किसी शानदार कोर्ट पर खेलते हुए प्रशंसकों के सामने वह बेहद खेल दिखाने में सफल रहे। वहीं फेरी के आक्रामक बेसलाइन खेल के सामने कोबोली हड़बड़ा गये और उनकी लय भी खराब हो गयी। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की शुरुआत जीत के साथ करने वाले फेरी अब अगले दौर में बेहतर प्रदर्शन जारी रखने का प्रयास करेंगे। यहां उनका सामना मियोमिर केकमैनोविक या टॉमस मार्टिन एटचेवेरी के बची मैच के विजेता खिलाड़ी से होगा।

### अनुशासन और नियंत्रण के प्रतीकः बापू नाडकर्णी की विरासत आज भी प्रेरणा

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट के इतिहास में बापू नाडकर्णी का नाम अनुशासन, धैर्य और असाधारण नियंत्रण का पर्याय माना जाता है। अपनी कसी हुई गेंदबाजी के लिए प्रसिद्ध नाडकर्णी ने टेस्ट क्रिकेट में लगातार 21 मेडन ओवर फेंककर ऐसा रिकार्ड बनाया, जो आज भी गेंदबाजों के लिए आदर्श माना जाता है। उनका करियर इस बात का प्रमाण है कि सीमित संसाधनों और साधारण पृष्ठभूमि के बावजूद मेहनत और संयम से विश्व स्तर पर पहचान बनाई जा सकती है। 4 अप्रैल 1933 को महाराष्ट्र के नासिक में जन्मे रमेशचंद्र गंगाराम नाडकर्णी ने 1951-52 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कदम रखा। घरेलू क्रिकेट में निरंतर प्रदर्शन के चलते उन्हें 1955 में भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली। 16 दिसंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 68 रन की नाबाद पारी खेलकर प्रभावित किया और भारत ने वह मुकाबला ड्रा कराया। इसके बाद उन्होंने आलराउंड प्रदर्शन से टीम में अपनी उपयोगिता साबित की। 1960-61 में पाकिस्तान के खिलाफ ब्रैबोर्न स्टेडियम में उन्होंने चार विकेट लिए, जबकि दिल्ली टेस्ट में 63 रन बनाने के साथ पांच विकेट झटके। यह पूरी सीरीज ड्रा रही, लेकिन नाडकर्णी का योगदान बेहद अहम रहा। जनवरी 1964 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट में उन्होंने 32 ओवर में केवल पांच रन देकर 27 मेडन ओवर फेंके, जिनमें लगातार 21 मेडन ओवर शामिल थे। इस असाधारण स्पेल ने उन्हें दुनिया के सबसे किफायती गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर ला खड़ा किया। अक्टूबर 1964 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में उन्होंने कुल 11 विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी का लोहा मनवाया। वहीं फरवरी 1964 में कानपुर में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 52 और 122 रन की नाबाद पारियां खेलकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता भी साबित की। अंतरराष्ट्रीय करियर में नाडकर्णी ने 41 टेस्ट मैचों में 1,414 रन बनाए और 88 विकेट हासिल किए, जबकि उनकी इकानमी मात्र 1.67 रन प्रति ओवर रही।

### टी20 विश्वकप से बाहर हुए नवीन की जगह पर रहमान शामिल

**काबुल।** अफगानिस्तान के अनुभवी तेज गेंदबाज नवीन उल हक चोटिल होने के कारण टी20 विश्वकप से बाहर हो गये हैं। नवीन का बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। नवीन विश्व कप के अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ इस महीने खेली जाने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। उनकी जगह टीम में जिया-उर-रहमान शरीफी को शामिल किया गया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी (एसीबी) ने कहा है कि मेडिकल रिपोर्ट में नवीन की दाहिने कंधे की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर है। बोर्ड ने उन्हें इलाज के लिए इंग्लैंड भेज दिया है। नवीन की जगह पर चयन समिति ने जिया-उर-रहमान शरीफी को मुख्य दल में शामिल किया है। वे पहले रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल थे। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज फरीद मलिक को भी टीम के रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। राशिद खान (कप्तान), नूर अहमद, अब्दुल्ला अहमदजई, सेदिकुल्लाह अटल, फजलहक फारूकी, रहमानुल्लाह गुरबाज, जिया उर रहमान शरीफी, मोहम्मद इशाक, शाहिदुल्लाह कमाल, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरजई, मुजीब उर रहमान, दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान। रिजर्वः एएम गजनफर, एजाज अहमदजई और फरीद मलिक।

# न्यूजीलैंड ने 41 रन से जीता तीसरा मैच भारत 2-1 से हारा वनडे सीरीज

**इंदौर,18 जनवरी (एजेंसियां) ।** भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों का वनडे सीरीज हार गई है। इंदौर में खेले गए निर्णायक मुकाबले को न्यूजीलैंड ने 41 रनों से अपने नाम किया। न्यूजीलैंड ने सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। यह पहला मौका है जब न्यूजीलैंड ने भारत में आकर वनडे सीरीज पर कब्जा जमाया है। पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने 8 विकेट पर 337 रन बनाए। विराट कोहली की शतकीय पारी के बाद भी भारतीय पारी 296 रनों पर समेट गई। इंदौर के होलकर स्टेडियम पर भारत पहली बार कोई वनडे हारा है। इससे पहले सभी 7 मैचों में टीम को जीत मिली थी।विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना 85वां और वनडे में 54वां शतक लगाया। उन्होंने 108 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा ने अर्धशतक लगाकर उनका अच्छा साथ निभाया लेकिन इसके बाद भी 46वें ओवर में भारत की पारी सिमट गई। रेड्डी के साथ विराट ने 88 गेंद पर 88 जबकि राणा के साथ 69 गेंद पर 99 रनों की साझेदारी बनाई। जैकरी फाउल्क्सऔर क्रिस्टियन क्लार्क ने 3-3 विकेट लिए। जायडेन लेनिक्स को 2 विकेट मिले।इससे पहले भारत की शुरुआत खराब रही। रोहित शर्मा का बल्ला तीसरे मैच में भी नहीं बोला और वह 11 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ 23 रन बना सके। मध्यक्रम के दो प्रमुख बल्लेबाज श्रेयस अय्यर (3) और केएल राहुल (1) भी सस्ते में आउट हो गए। 71 रनों पर 4 विकेट गिरने के बाद विराट ने नीतीश के साथ मिलकर पारी को संभाला।नीतीश रेड्डी ने वनडे में अपना पहला अर्धशतक छक्के से पूरा किया। हालांकि इसके ठीक बाद आउट हो गए। 57 गेंदों पर 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से उन्होंने 53 रन बनाए। रविंद्र जडेजा का बल्ला फिर नहीं चला और वह 12 रन बनाकर बाउंड्री लाइन पर लपके गए। इसके बाद हर्षित राणा ने विराट का साथ दिया। 91 गेंदों पर विराट ने अपना शतक पूरा किया। हर्षित ने भी खुलकर बैटिंग की। 41 गेंदों पर उन्होंने अपनी फिफ्टी पूरी की लेकिन फुल टॉस गेंद को लॉन्ग ऑन के हाथ में मार बैठे। 46वें ओवर में विराट कोहली 9वें विकेट के रूप में आउट हुए। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर कुलदीप यादव के रन आउट होने के साथ ही भारत की पारी सिमट गई।

खराब शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड की वापसी

टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहले ओवर में अर्शदीप ने हेनरी निकोलस और हर्षित ने दूसरे ओवर में डेवोन कॉन्वे को आउट कर दिया। 58 के स्कोर पर विल यंग के रूप में टीम का तीसरा विकेट गिरा। मेहमान टीम मुश्किल में नजर आ रही थी। यहां से डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स जिम्मेदारी संभाली। चौथे विकेट के लिए 219 रन की बेहतरीन साझेदारी कर टीम का स्कोर 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 337 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई।

मिचेल और फिलिप्स ने शतकीय पारी खेली

डेरिल मिचेल ने अपने वनडे करियर का 9वां शतक लगाया। उनका भारत के खिलाफ यह चौथा शतक और सीरीज में लगातार दूसरा शतक है। उन्होंने 131 गेंद पर 3 छक्के और 15 चौके लगाते हुए 137 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने वनडे में अपना दूसरा शतक लगाया। 88 गेंद पर 9 चौकों और 3 छक्कों की मदद से उन्होंने 106 रन की पारी खेली।

# आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से कहा, बांग्लादेश से विश्वकप मैचों का ग्रुप बदलने तैयार नहीं

**दुबई,18 जनवरी (एजेंसियां) ।**

**बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने विश्वकप मैच खेलने के इंकार करते हुए किसी अन्य देश में ये मैच कराने की अपील की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। वहीं इसके बाद बीसीबी ने आईसीसी से अपील की थी कि उसके ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदल दिया जाये पर यहां भी उसे झटका लगा है क्योंकि आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से साफ कहा दिया है कि वह ग्रुप बदलने को तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड (सीआई) ने कहा है कि आईसीसी उनके मैचों को श्रीलंका से बाहर नहीं रखे।**

सीआई के एक अधिकारी ने कहा, आईसीसी ने हमसे साफ कहा है कि कार्याक्रम में बदलाव नहीं होगा। हम अपने ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे।

गौरतलब है कि टी20 विश्वकप 2026 में आयरलैंड ग्रुप बी में है, जिसमें उसे आस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया हैं। आयरलैंड को अपने सभी ग्रुप स्तर के मैच मैच श्रीलंका में खेलने हैं। इसमें पहले तीन मैच कोलंबो जबकि अंतिम पालेकेले में खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश करे ग्रुप सी में रखा गया है। जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली की टीमें शामिल हैं। बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उसकी टीम को ग्रुप सी में आयरलैंड के साथ बदल दिया जाए जिससे वह भारत की जगह श्रीलंका में अपने मैच खेल सके। वहीं आईसीसी की दो सदस्यीय टीम, जिसमें गौरव सक्सेना (जनरल मैनेजर, इवेंट्स एंड कार्पोरेट कम्युनिकेशन) और एंड्रयू एफग्रेव (जनरल मैनेजर, इंटीग्रिटी यूनिट) शामिल थे, ने बीसीसी को मूल कार्यक्रम में ही बने रहने को लेकर समझाया। बीसीबी ने आईसीसी प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद कहा, बीसीबी की अंतरराष्ट्रीय आईसीसी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई जिसमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भाग लेने पर बात हुई।

## अब अगले छह माह बाद ही खेलते दिखेंगे विराट और रोहित

**राजकोट।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अब अगले छह महीने बाद ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलते हुए दिखेंगे। इसका कारण ये है कि ये दोनो ही अब केवल एकदिवसीय में ही खेलते है। वहीं भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के छह माह बाद ही एकदिवसीय प्रारुप में खेलने उतरेगी। साल 2026 टी20 विश्व कप और 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद ही भारतीय टीम को अब एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। तब तक के लिए विराट और रोहित को भी आराम मिल गया है। अब जून में अफगानिस्तान की टीम तील एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर पहुंचेगी। तभी विराट और रोहित के पास मैदान में उतरने का अवसर रहेगा हालांकि ये भी देखना होगा कि इन दोनो को इस सीरीज के लिए शामिल किया जाता है या नहीं। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। यहां भी 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है। इसके बाद भारतीय टीम को सितंबर में बांग्लादेश जाना है हालांकि दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए ये दौरा शायद ही हो पाये।

# अंडर-19 विश्व कप 2026 : श्रीलंका की शानदार जीत पर कप्तान दिनसारा बोले-टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं

**नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां) ।** श्रीलंका अंडर 19 टीम के कप्तान विमथ दिनसारा ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 में अपनी टीम के पहले मैच में जीत पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम अच्छी है और मैं अपनी टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर शनिवार को खेले गए ग्रुप सी के मुकाबले में श्रीलंका ने दिमंथा महाविथाना (115 रन) और वीरन चामुदिता (192 रन) की शानदार पारियों की बदौलत जापान अंडर 19 टीम को 200 रन के विशाल अंतर से हरा दिया। टास गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 4 विकेट खोकर 387 रन बनाए। इसके जवाब में जापान की टीम 8 विकेट खोकर 184 रन ही बना सकी। अपने पहले मैच में जीत के साथ श्रीलंका ने अंडर 19 विश्व कप 2026 का शानदार आगाज किया है। आईसीसी के अनुसार कप्तान विमथ दिनसारा ने मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों (दिमंथा-वीरन) की प्रशंसा करते हुए उनकी शानदार फार्म को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि वे बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। हमारी शुरुआत अच्छी रही। दिनसारा ने जीत पर कहा कि मुझे बहुत खुशी हुई है, क्योंकि यह टूर्नामेंट का हमारा पहला मैच था। हमारी टीम अच्छी है और मैं अपनी टीम से बहुत खुश हूं। उनकी टीम द्वारा बल्ले से 4 विकेट पर 387 रन का स्कोर बनाने के बाद जापान को मात्र 184/8 पर रोक दिया, जिसमें आठ अलग-अलग गेंदबाजों का उपयोग किया गया। ये अवसर संभवतः टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए फायदेमंद साबित होंगे। दिनसारा ने कहा कि यह तय करना मुश्किल नहीं है कि किसे और कब गेंदबाजी करनी है। मेरी टीम में इतने सारे गेंदबाज हैं और इतने सारे विकल्प होना मेरे लिए खुशी की बात है।

# डब्ल्यूपीएल 2026: दिल्ली पर शानदार जीत के बाद स्मृति मंधाना ने गेंदबाजों की सराहना की

**नवी मुम्बई,18 जनवरी (एजेंसियां) ।** रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सीजन के 11वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार जीत के बाद टीम की गेंदबाजी इकाई की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि टीम के सभी गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

मंधाना ने मैच के बाद कहा कि यह देखना अद्भुत था कि सभी ने कितनी प्रभावी गेंदबाजी की, खासकर पहले तीन ओवरों में, जब हमने दिल्ली की मजबूत शुरुआत को तोड़ते हुए चार विकेट लिए। सायली सतघरे ने पदार्पण मैच में दो महत्वपूर्ण विकेट लिए और फिर बेल (लारेन बेल) ने वही किया जो वह सबसे अच्छा करती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से निष्पादित किया। जिस तरह शैफाली वर्मा बल्लेबाजी कर रही थी, वह वास्तव में शानदार थी। उस समय

हमने रणनीतियों में बदलाव किया और उसे सीमित रन देने की कोशिश की। हम जानते थे कि शैफाली एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो बड़े स्कोर तक पहुंच सकती हैं, इसलिए हमें उसे जल्द आउट करना जरूरी था। यह कहना आसान है, लेकिन पूरी टीम ने योजनाओं को बेहतरीन तरीके से अंजाम दिया।

मंधाना ने अन्य गेंदबाजों की भी तारीफ करते हुए कहा कि प्रेमा और राधा ने अच्छी गेंदबाजी की और उस चरण में जो भी गेंदबाज आया, उसने असाधारण प्रदर्शन किया।

अपनी बल्लेबाजी के बारे में मंधाना ने कहा कि यह एक अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करना अक्सर लक्ष्य निर्धारित करने की तुलना में थोड़ा आसान होता है, क्योंकि बल्लेबाज को पता होता है कि क्या करना है, खासकर ऐसी विकेटों पर। जब दिल्ली ने लगभग 160 रन बनाए और हमने ग्रेस को जल्दी खो दिया, तो मुझे स्पष्ट था कि किन गेंदबाजों को आक्रमण करना है और किनका सम्मान करना है। ये छोटी-छोटी बातें हैं जो कभी काम करती हैं और कभी टी20 क्रिकेट में नहीं, लेकिन खुशी है कि आज यह हमारे पक्ष में गया और हमने मैच जीत लिया।

शनिवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शैफाली वर्मा की 62 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 166 रन बनाए।

जवाब में आरसीबी ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार 96 रन और जार्जिया वाल की 54 रन की अर्धशतकीय पारी की मदद से 18.2 ओवर में दो विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया।

इस जीत के साथ आरसीबी लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स चार में से तीन मैच हारकर तालिका के आखिरी पायदान पर खिसक गई है।

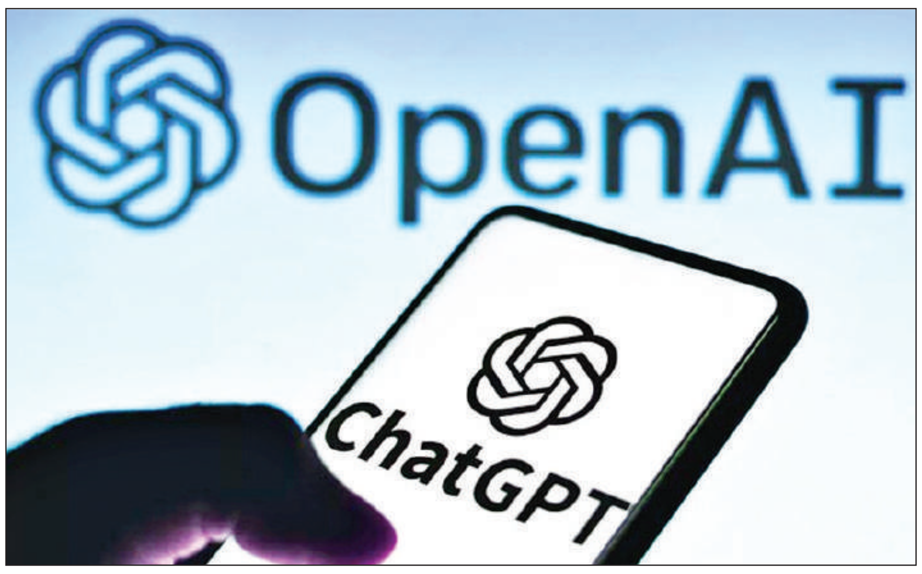


# चेटजीपीटी में आएंगे पहली बार विज्ञापन, अमेरिका में ट्रायल शुरू

**नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)। ओपनएआई ने घोषणा की है कि वह चेटजीपीटी में विज्ञापन को ट्रायल आधार पर पेश करने जा रहा है। यह परीक्षण फिलहाल केवल अमेरिका में रहने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए होगा। कंपनी के अनुसार विज्ञापन चैट के उत्तरों के ऊपर या नीचे दिखाई देंगे, लेकिन सीधे एआई के उत्तरों के अंदर शामिल नहीं किए जाएंगे।**

**फ्री और गो प्लान के यूज़र्स के लिए शुरू होगा सीमित विज्ञापन परीक्षण**

ओपनएआई ने साफ किया है कि विज्ञापन कभी भी चेटजीपीटी के जवाबों को प्रभावित नहीं करेंगे। कंपनी ने बताया कि विज्ञापन केवल वयस्क उपयोगकर्ताओं को ही दिखाए जाएंगे और वह भी तभी, जब चैट के विषय से जुड़ा कोई संबंधित स्पान्सर्ड उत्पाद या सेवा उपलब्ध होगी। 18 वर्ष से कम आयु के उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाएंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और राजनीति जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़े उत्तरों के आसपास विज्ञापन नहीं लगाए जाएंगे।

ओपनएआई उपयोगकर्ताओं को यह सुविधा भी देगा कि वे जान सकें कि उन्हें कोई विशेष विज्ञापन क्यों दिखाया गया। कंपनी का कहना है कि यूज़र्स की निजता पूरी तरह सुरक्षित रहेगी और उनके चैट डेटा को विज्ञापनदाताओं के साथ साझा नहीं किया जाएगा। ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन ने एक्स पर जानकारी दी कि यह विज्ञापन परीक्षण चेटजीपीटी के फ्री यूज़र्स और हाल ही में लान्च किए गए चेटजीपीटी गो प्लान (8 डालर प्रति माह) में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कई लोग बिना सब्सक्रिप्शन के एआई टूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं और विज्ञापन इस सुविधा को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ओपनएआई आने वाले वर्षों में एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर एक ट्रिलियन डालर से अधिक निवेश की योजना बना रहा है। कंपनी की सालाना आय 13 बिलियन डालर से अधिक बताई गई है। ओपनएआई का कहना है कि विज्ञापन, सब्सक्रिप्शन और एंटरप्राइज माडल के जरिए वह लागत और उपयोगकर्ता पहुंच के बीच संतुलन बनाना चाहता है। शुरुआती ट्रायल के बाद यूज़र्स की प्रतिक्रिया के आधार पर आगे की नीति तय की जाएगी।

## न्यूज़ ब्रीफ

### दावोस में पांच दिवसीय विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 19 जनवरी से

**दावोस।** पांच दिवसीय विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2026 सोमवार 19 जनवरी से शुरू होगी। दुनिया भर के राजनेता, सीईओ और विशेषज्ञ इस आयोजन में भाग लेने दावोस पहुंच रहे हैं। इस वर्ष 400 से अधिक राजनेता बैठक में शामिल हैं, जिनमें कम से कम 64 राष्ट्राध्यक्ष और शासनाध्यक्ष शामिल हैं। प्रमुख नेता हैं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन, चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग, स्विस राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा, इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की। साथ ही, 1,000 से अधिक सीईओ, नागरिक समाज के सदस्य, धार्मिक और सांस्कृतिक संगठन, शिक्षाविद और सामाजिक उद्यमी भी हिस्सा ले रहे हैं। सुरक्षा के लिए 5,000 से अधिक सशस्त्र बल, रणनीतिक स्थानों पर स्नाइपर, एआई-संचालित ड्रोन और विशेष उपकरण तैनात हैं। सभी प्रवेश द्वारों पर कड़ी जांच और अचानक निरीक्षण लागू किया गया है।

### एक्स ने 1 मिलियन डालर का टाप आर्टिकल रिवार्ड लान्च किया

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म एक्स ने अगले पेआउट साइकिल में सबसे अच्छे लंबे लेख के लिए 1,000,000 डालर इनाम घोषित किया है। यह कंपनी द्वारा अब तक दिया गया सबसे बड़ा क्रिएटर रिवार्ड है। ऐलान एक्स आधिकारिक क्रिएटर्स अकाउंट और ईलान मस्क द्वारा किया गया। कंटेस्ट केवल अमेरिका और वाशिंगटन डीसी के कानूनी निवासी, जिनकी उम्र 18 साल या अधिक है, के लिए खुला है। एक्स प्रीमियम या प्रीमियम प्लस सब्सक्रिप्शन होना अनिवार्य है। प्रतिभागियों को 16 जनवरी से 28 जनवरी 2026 के बीच अपना अंग्रेजी में लिखा ओरिजिनल लेख, कम से कम 1,000 शब्दों का, एक्स पर पब्लिश करना होगा। एआई या आटोमेटेड टूल्स से बने कंटेंट केवल अनुमति होने पर मान्य होंगे। प्रतियोगिता में अश्लील, आपत्तिजनक, राजनीतिक/धार्मिक, विज्ञापन या कापी-पेस्ट कंटेंट की अनुमति नहीं है। लेख पूरी तरह एंट्री देने वाले की रचना होनी चाहिए और प्लेटफ़ार्म के कंटेंट स्टैंडर्ड्स से मेल खानी चाहिए। यह अवसर क्रिएटर्स को अपनी लेखनी को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने और सबसे बड़े पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है।

### एचडीएफसी बैंक का मुनाफा दिसंबर तिमाही में बढ़कर 18,654 करोड़ पहुंचा

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफसी बैंक ने दिसंबर 2025 तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। नतीजों में बैंक के प्रदर्शन में मजबूती दिखी है।

तिमाही के दौरान बैंक का मुनाफा बढ़कर 18,654 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 16,736 करोड़ रुपये था। इस तरह साल-दर-साल आधार पर मुनाफे में करीब 11.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) भी इस तिमाही में बढ़कर 32,620 करोड़ रुपये पहुंच गई, जो पिछले साल 30,650 करोड़ रुपये थी। इसमें 6.4 फीसदी की वृद्धि हुई। हालांकि, ब्याज मार्जिन पर कुछ दबाव देखने को मिला। कुल एसेट्स पर नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.35 फीसदी और ब्याज कमाने वाली एसेट्स पर 3.51 फीसदी रहा। एचडीएफसी बैंक की लोन क्वालिटी स्थिर बनी रही। ग्रास नान-परफार्मिंग एसेट्स घटकर 35,179 करोड़ रुपये रह गईं, जबकि पिछले साल यह 36,019 करोड़ रुपये थीं। जीएनपीए अनुपात भी सुधरकर 1.24 फीसदी हो गया, जो एक साल पहले 1.42 फीसदी था। नेट एनपीए 11,982 करोड़ रुपये रहा और इसका अनुपात 0.42 फीसदी पर आ गया। तिमाही के दौरान प्रोविजन और कंटिंजेंसी पर खर्च घटकर 2,840 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले साल के मुकाबले 10 फीसदी कम है। इसमें 1,040 करोड़ रुपये के कंटिंजेंट प्रोविजन की वापसी से भी राहत मिली। प्रोविजन को हटाकर देखें तो क्रेडिट कास्ट रेशियो 0.55 फीसदी रहा।

# मेडारम में पहली कैबिनेट मीटिंग में अहम फैसले

## जल्द से जल्द म्युनिसिपल चुनाव,9 फरवरी संभव

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हैदराबाद के बाहर मेडारम में आज हुई पहली कैबिनेट मीटिंग कई फ़ैसले लिए गये। राज्य कैबिनेट ने जल्द से जल्द म्युनिसिपल चुनाव कराने का फ़ैसला किया। गौरतलब है कि 116 म्युनिसिपालिटी और 7 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में चुनाव होने हैं, जिसमें 2,996 वार्ड/डिवीज़न शामिल हैं, जिनका टर्म खत्म हो गया है।

डेडीकेटेड कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर रिज़र्वेशन प्रोसेस पूरा हो गया है। कैबिनेट ने अधिकारियों को फरवरी में चुनाव कराने के लिए सभी इंतज़ाम करने का निर्देश दिया, क्योंकि रमज़ान और शिवरात्रि फरवरी में पड़ते हैं, इसलिए अधिकारियों से चुनाव शेड्यूल इस तरह से तैयार करने को कहा गया, ताकि त्योहारों के दौरान परेशानी न हो। ऐसी अटकलें हैं कि फरवरी के दूसरे सप्ताह में चुनाव हो सकते है। तारीख की बात करें तो संभवतः 9 फरवरी को मतदान हो सकता है।

गोदावरी पुष्करालु – 2027

गोदावरी पुष्करालु 27 जुलाई से 3 अगस्त, 2027 तक होगा। कैबिनेट ने जल्द ही एक कैबिनेट सब-कमेटी बनाने का फैसला किया, ताकि बासर से भद्राचलम तक गोदावरी नदी के इलाके में बड़े और पुराने मंदिरों को डेवलप किया जा सके और इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सके। बासर-भद्राचलम सर्किट को डेवलप करने के लिए एक प्लान तैयार किया जाएगा। अधिकारियों को एंडोमेंट्स, रेवेन्यू, फॉरेस्ट, टूरिज्म और आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट के साथ मिलकर एक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (ृझठ) तैयार करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 31 मार्च तक एक पूरा प्लान तैयार हो जाए।

**हैदराबाद मेट्रो रेल**

कैबिनेट ने ङ्ढ से हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-ख को अपने हाथ में लेने पर अब तक हुई प्रोग्रेस का रिव्यू किया और प्रोसेस को तेज करने का फैसला किया। फेज -खखअ के तहत चार कॉरिडोर और फेज -खखइ के तहत तीन कॉरिडोर के प्रपोज़ल केंद्र सरकार से मंज़ूरी के लिए पेंडिंग हैं। इस बीच, कैबिनेट ने ज़मीन अधिग्रहण को तेज़ी से आगे बढ़ाने का फ़ैसला किया। 2,787 करोड़ की अनुमानित लागत वाले ज़मीन अधिग्रहण के प्रपोज़ल को मंज़ूरी दी गई।

यूनिवर्सिटी पोस्ट

महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, नलगोंडा ज़िले के लॉ कॉलेज में 24 नई पोस्ट और फ़ार्मेसी कॉलेज में 28 नई पोस्ट को मंज़ूरी दी गई। वीरनारी चकाली इलम्मा विमेंस यूनिवर्सिटी में रजिस्ट्रार पोस्ट को भी मंज़ूरी दी गई।

**इको टाउन डेवलपमेंट**

कैबिनेट ने हैदराबाद के पास अब्दुल्लापुर मंडल में इको टाउन डेवलपमेंट के लिए ढ्ढ्रख्रखउ को 494 एकड़ ज़मीन देने को मंज़ूरी दी।

**ट्रैफ़िक आसान बनाने के लिए नई सड़क**

हैदराबाद शहर में ट्रैफ़िक जाम को दूर करने के लिए, कैबिनेट ने खउउउ, बंजारा हिल्स से शिल्पा लेआउट रोड तक 9 ज्ञा की नई सड़क बनाने को मंज़ूरी दी।

**पोटलापुर लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट**

कैबिनेट ने मुलुगु जिले में पोटलापुर लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दे दी है। 5 गांवों को पानी सप्लाई करने और 30 टैंक/तालाबों को भरने के लिए रामप्पा चेरुवु से पानी लिफ्ट किया जाएगा, साथ ही 7,500 एकड़ ज़मीन की सिंचाई भी होगी। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 143 करोड़ रूपये का खर्च आएगा।

# वैश्विक संकेत और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

**मुंबई,18 जनवरी (एजेंसियां)।** भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह विभिन्न कारकों से प्रभावित होगा, जिनमें प्रमुख तिमाही नतीजे, वैश्विक आर्थिक आंकड़े, और भू-राजनीतिक घटनाक्रम शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन सभी फैक्टर्स के आधार पर निवेशकों का रुख तय होगा। इस सप्ताह बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे। शुरुआती दौर में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख दिग्गजों के नतीजे निवेशकों का ध्यान आकर्षित करेंगे। इसके बाद बीएचईएल, एलटीआईमाइंडट्री, पीएनबी, अदाणी एनर्जी साल्यूशंस जैसे अन्य महत्वपूर्ण कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी बाजार की प्रतिक्रियाएं देखी जाएंगी। अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, जैसे कि जीडीपी वृद्धि दर, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई (प्रचालनात्मक गतिविधि) पर आधारित आंकड़े भी इस सप्ताह भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। इन आंकड़ों से वैश्विक बाजार की धारणा और मुद्रा की गति पर असर पड़ेगा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। निवेशक इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर भी विशेष ध्यान देंगे। यदि कोई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होती हैं, तो इसका असर बाजार पर पड़ सकता है। आम बजट के नजदीक आने से विभिन्न क्षेत्रों में बजट-पूर्व उम्मीदें हलचल पैदा कर सकती हैं। विशेष रूप से बैंकिंग, ऊर्जा, और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र पर इस हफ्ते अधिक गतिविधि हो सकती है।

**अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, बेरोजगारी के दावे और पीएमआई पर आधारित आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे**

### अदाणी सोलर वुड मैकेंजी की वैश्विक सौर मॉड्यूल सूची में 8वां स्थान पर

**नई दिल्ली।** अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) की सौर फोटोवोल्टिक इकाई, अदाणी सोलर, को वुड मैकेंजी की 2025 की पहली छमाही की वैश्विक सौर माड्यूल विनिर्माण सूची में शामिल किया गया। कंपनी को 8वां स्थान और श्रेणी ए वर्गीकरण प्राप्त हुआ। रिपोर्ट के अनुसार अदाणी सोलर ने 81 अंक हासिल किए, जबकि जेए सोलर और ट्रिनासोलर ने क्रमशः 91.7 और 91.6 अंक के साथ शीर्ष स्थान साझा किया। वुड मैकेंजी विनिर्माताओं का मूल्यांकन 10 मानदंडों पर करता है, जिसमें तीसरे पक्ष के विश्वसनीयता परीक्षण, वित्तीय स्वास्थ्य, विनिर्माण रिकार्ड और पेटेंट गतिविधि शामिल हैं। श्रेणी ए रेटिंग का अर्थ है कि कंपनी उच्चतम प्रदर्शन और पारदर्शिता के मानकों को पूरा करती है। यह उपलब्धि अदाणी सोलर की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती और भरोसेमंद सौर पैनल निर्माण क्षमता को दर्शाती है। विश्लेषकों के अनुसार, यह रैंकिंग भारत में सौर ऊर्जा उद्योग की बढ़ती स्थिति और निरंतर नवाचार की पुष्टि करती है।

# भारतीय बाजार में पहली कार उतारने जा रही जेएसडब्ल्यू

**नई दिल्ली,18 जनवरी (एजेंसियां)। जेएसडब्ल्यू कंपनी चीन की चेरी आटोमोबाइल के साथ मिलकर अपनी पहली कार भारतीय बाजार में उतारने जा रही है। जेटूर चेरी आटोमोबाइल का प्रीमियम ब्रांड है, जिसे 2018 में लान्च किया गया था और यह मुख्य रूप से एसयूवी और क्रासओवर सेगमेंट पर फोकस करता है। यह कार जेटूर टी2 आई-डीएम प्लग-इन हाइब्रिड एसयूवी होगी, जिसे एक नए जेएसडब्ल्यू ब्रांड नाम के तहत बेचा जाएगा। जेटूर टी2 का डिजाइन काफी हद तक लैंड रोवर डिफेंडर से प्रेरित माना जा रहा है।**

भारत में जेएसडब्ल्यू पेट्रोल वर्जन के बजाय इसका जेएसडब्ल्यू यानी प्लग-इन हाइब्रिड वर्जन पेश करेगा, जिससे इसे प्रीमियम और टेक्नोलाजी-फोकस्ड पोजिशनिंग मिलेगी। डाइमेंशन की बात करें तो जेटूर टी2 आई-डीएम की लंबाई 4,785 एमएम, चौड़ाई 2,006 एमएम और ऊंचाई 1,875 एमएम है, जबकि इसका व्हीलबेस 2,800 एमएम है। यह 5-सीटर एसयूवी मोनोकाक फ्रेम पर आधारित है और बाक्सी, दमदार रोड प्रेजेंस देती है। सबसे अहम बात यह है कि जेटूर टी2 आई-डीएम की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये हो सकती है, जिससे यह भारत की सबसे अफार्डेबल पीएचईवी बन सकती है। फिलहाल भारतीय बाजार में पीएचईवी विकल्प ज्यादातर लग्जरी सेगमेंट तक ही सीमित हैं। फास्ट चार्जिंग के जरिए 30 मिनट में 30 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। जेटूर टी2 आई-डीएम को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में जेएसडब्ल्यू की नई ग्रीनफील्ड फैसिलिटी में लोकली असेंबल किया जाएगा और इसके 2026 के फेस्टिव सीजन तक लान्च होने की उम्मीद है। इस एसयूवी में 1.5-लीटर प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन दिया गया है, जो 156 पीएस की पावर और 220 एनएम का टार्क जनरेट करता है। इसमें 26.7 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 130 किमी (एनईडीसी) की प्योर इलेक्ट्रिक रेंज देती है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### बैठेगी...

2011 की जनगणना और सीटों का आरक्षण समीकरण

वर्तमान में आरक्षण और डिवीजनों का निर्धारण 2011 की जनगणना के आधार पर किया गया है। 2011 में जीएचएमसी की जनसंख्या मात्र 67,31,790 थी, लेकिन विलय की गई नगर पालिकाओं को मिलाकर अब यह संख्या 1.16 करोड़ पहुँच गई है। इसी आंकड़े के आधार पर 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। कुल 300 डिवीजनों में से- सामान्य श्रेणी: 150 सीटें, पिछड़ा वर्ग (बीसी): 122 सीटें, अनुसूचित जाति (एससी): 23 सीटें, अनुसूचित जनजाति (एसटी): 05 सीटें।उल्लेखनीय है कि कुल सीटों में से 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। हालांकि, अन्य नगर निकायों में आरक्षण का निर्धारण राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में लॉटरी के जरिए किया गया, लेकिन जीएचएमसी के मामले में अभी तक ऐसी किसी बैठक की जानकारी साझा नहीं की गई है, जिससे सस्पेंस बना हुआ है।

**चुनाव की तैयारी और रोटेशन पद्धति पर सवाल**

नियमों के अनुसार, आरक्षण रोटेशन पद्धति (बारी-बारी से) के आधार पर तय किया जाता है, लेकिन लगातार दूसरी बार महिला को मेयर पद मिलना चर्चा का विषय बना हुआ है। माना जा रहा है कि नगर निगम चुनावों के बाद मार्च या अप्रैल में जीएचएमसी के चुनाव कराए जा सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि यदि चुनाव से पहले शहर को तीन निगमों में विभाजित किया जाता है, तो मेयर पदों के आरक्षण की स्थिति फिर से बदल सकती है। फिलहाल, राजनीतिक दलों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन कब डिवीजनों के वार आरक्षण की विस्तृत सूची जारी करेगा।

### बेंगलुरु-हैदराबाद...

निर्बाध निर्माण के लिए भू-अधिग्रहण पूरा

इस परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसके लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण का कार्य बिना किसी रुकावट के पूरा कर लिया गया है। इससे निर्माण कार्य में कोई बाधा नहीं आ रही है। सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कार्यों को चरणों में विभाजित किया गया है ताकि इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। इस मार्ग के तैयार होने के बाद हजारों वाहनों को एक आधुनिक और तेज कॉरिडोर मिलेगा, जिससे ईंधन और समय दोनों की बचत होगी।

तिरुपति की राह होगी आसान और बढ़ेगा क्षेत्रीय विकास

यह राजमार्ग केवल हैदराबाद और बेंगलुरु तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए तिरुपति की यात्रा भी काफी तेज और सुविधाजनक हो जाएगी। 70 किलोमीटर की दूरी कम होने से माल ढुलाई की लागत में कमी आएगी और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि यह सड़क इस पिछड़े क्षेत्र के विकास को नई गति देगी। सरकार द्वारा सड़कों के विस्तार के लिए खर्च किए जा रहे हजारों करोड़ रुपये अब धरातल पर उतरते नजर आ रहे हैं, जिससे यात्रियों को एक विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव मिलेगा।

### जीएचएमसी चुनाव...

जिसके तुरंत बाद यानी 11 फरवरी को विभाजन की औपचारिक घोषणा हो सकती है।

**जीएचएमसी बड़े भाई की भूमिका में**

विभाजन के बावजूद, 150 डिवीजनों वाला मूल जीएचएमसी अन्य दो नए निगमों के लिए बड़े भाई (नोडल एजेंसी) की भूमिका निभाएगा। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि जीएचएमसी कमिश्नर के पद को चीफ कमिश्नर के रूप में अपग्रेड किया जा सकता है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सृजना और विनय कृष्णा रेड्डी को क्रमशः दो नए निगमों का कमिश्नर नियुक्त किया जा सकता है। सरकार इन नए निगमों को पूर्ण शक्तियां प्रदान करने पर विचार कर रही है ताकि शहरी विकास में तेजी लाई जा सके।

**विभाजन के बाद ही तय होंगे आरक्षण और वार्ड**

शनिवार को नगर प्रशासन विभाग ने राज्य भर के नगर पालिकाओं के लिए आरक्षण की घोषणा की, जिसमें हैदराबाद के मेयर पद को मसामान्य महिलाफश्रेणी के लिए आरक्षित किया गया। हालांकि, कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि 300 डिवीजनों के वार आरक्षण की घोषणा अभी नहीं की जाएगी। पहले निगम का तीन हिस्सों में विभाजन होगा, उसके बाद ही नए सिरे से वार्डों का परिसीमन और जातिगत आधार पर आरक्षण तय किया जाएगा। इसके साथ ही, हैदराबाद को तीन जिलों, तीन नगर निगमों और तीन पुलिस कमिश्नरेट के ढांचे में ढालने की तैयारी भी अंतिम चरण में है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 19 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# महाबोधि बुद्ध विहार, हैदराबाद में वसुधा कल्याण आश्रम द्वारा अन्नसेवा, चीवर दान एवं धम्म कार्यक्रम सम्पन्न

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** हैदराबाद स्थित महाबोधि बुद्ध विहार में रविवार को वसुधा कल्याण आश्रम के अन्नसेवा प्रकोष्ठ तृप्ति की ओर से बौद्ध भिक्षु संघ के लिए अन्नसेवा का आयोजन श्रद्धा, करुणा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन वसुधा कल्याण आश्रम की उस निरंतर सेवा परंपरा का सजीव उदाहरण रहा, जिसमें अन्न को केवल भोजन नहीं, बल्कि जीवन, साधना और सामाजिक संतुलन का पवित्र आधार माना जाता है।

इस अवसर पर पूरे वसुधा कल्याण आश्रम परिवार की ओर से बौद्ध भिक्षुओं के लिए चीवर दान किया गया। साथ ही ज्ञातिगणों एवं समस्त प्राणियों की सर्वशांति के लिए पुण्य अनुमोदान, धम्मादेशना तथा ध्यान सत्र का आयोजन हुआ, जिससे संपूर्ण विहार परिसर शांति, साधना और करुणा के भाव से परिपूर्ण हो उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाबोधि बुद्ध विहार, हैदराबाद के अध्यक्ष वेनरेबल बुद्धापाला भंते एवं परम पूज्य आचार्य पावन महाराज जी द्वारा भगवान बुद्ध और धम्मा की वंदना से किया गया। इसके पश्चात भिक्षु संघ की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत अन्नसेवा संपन्न हुई, जिसमें वसुधा कल्याण आश्रम के सेवाव्रती स्वयंसेवकों ने समर्पण भाव से सेवा प्रदान की।

इस अवसर पर परम पूज्य आचार्य पावन महाराज जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय दार्शनिक परंपरा में साधकों और संन्यासियों को अन्न अर्पित करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक पवित्र और संस्कारशील साधना है। अन्नसेवा को दान मात्र नहीं, बल्कि ऐसा आध्यात्मिक अर्पण माना गया है, जिसके माध्यम से देने वाला और ग्रहण करने वाला दोनों अंतःकरण की शुद्धि और उन्नयन का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि अन्न से जीवन पोषित होता है और निष्काम कर्म से समाज, प्रकृति और चेतना के बीच संतुलन सुदृढ़ होता है।

वहीं वेनरेबल बुद्धापाला भंते ने अपने संबोधन में कहा कि अन्नसेवा करुणा और मैत्री की जीवंत अभिव्यक्ति है, जो भगवान बुद्ध के उपदेशों का प्रत्यक्ष आचरण है। उन्होंने कहा कि भिक्षु संघ के प्रति श्रद्धा भाव से किया गया अन्न और चीवर दान केवल भौतिक आवश्यकता की पूर्ति नहीं करता, बल्कि सामूहिक शांति, सम्यक दृष्टि और करुणामय चित्त को भी पोषित करता है।

भंते जी ने ध्यान और धम्मादेशना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में अहिंसा, संयम और जागरूक जीवन दृष्टि का विस्तार होता है।

इस कार्यक्रम में गुरु मां मनोरमा, वसुधा कल्याण आश्रम तेलंगाना राज्य की अध्यक्षा कंचन वर्मा, मनीष वर्मा, विनीता वर्मा, सुबीर बरुआ, मिथुन बरुआ, मोतीलाल बरुआ, रानू बरुआ, सोमा, सुदेशना, नयना, रिदेश बरुआ सहित वसुधा कल्याण आश्रम के अनेक सदस्य एवं सेवाभावी साधक उपस्थित रहे। सभी ने सेवा, साधना और सामूहिक शांति के इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता कर कार्यक्रम को सार्थक बनाया।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी की चौबीसवीं सभा सम्पन्न

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी द्वारा अभिभावक परिचय सम्मेलन की अभूतपूर्व सफलता के बाद आज समाज आफिस में 24 वी सभा आयोजित की गई उसमें ग्यारह अभिभावक उपस्थित हुए और अपने उपयुक्त बायोडाटा वालों से बात किए। आज की सभा की कार्रवाई सुनील मित्तल द्वारा संचालित की गई। समिति के अन्य सदस्य गोविन्द राम अग्रवाल लक्ष्मी नारायण अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

# सेवा के माध्यम से समाज को जोड़ने का संकल्प : बिमल किशोर संघी

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के समीप नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिमल किशोर संघी ने कहा कि सेवा कार्य समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है और इसमें हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।उन्होंने कहा कि समाज में जरूरतमंदों की सहायता केवल दान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। जब सेवा भावना के साथ की जाती है, तभी उसका वास्तविक प्रभाव दिखाई देता है। नर सेवा ही नारायण सेवा है की भावना को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की मिसाल प्रस्तुत कर रहा है।

बिमल किशोर संघी ने बताया कि ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अनुदान, भोजन वितरण और अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्ग को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस सेवा अभियान से जुड़कर सामाजिक उत्थान में अपनी भूमिका निभाएं।

आज की सेवा स्वर्गीय श्री मधुसूदन जी गुप्ता की पुण्य स्मृति में मैसर्स इंद्रलाल बालमुकुंद जेम एंड ज्वेलस तथा मौनी अमावस्या के अवसर पर श्रीमती माधुरी अग्रवाल श्रीमती तृप्ति की अग्रवाल एवं श्रीमती सूची जी गुप्ता परिवार की ओर से व अनिता नथानी जी परिवार की ओर से की गई।कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, वंश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, भाकर राम कुमावत, भगतराम गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनीता नथानी, राजेश नथानी, मधु अग्रवाल, त्रिप्ति अग्रवाल, सुची गुप्ता, कोमल तिवारी, कश्यप तिवारी, नंदकिशोर अग्रवाल, नयन संघी, कैलाश चंद केड़िया, निर्मला केड़िया एवं धर्मेंद्र गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्यों में सहयोग किया।

# बजरंग सेना तेलंगाना ने राज्य कार्यालय में 2026 के कैलेंडर लॉन्च कि

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** बजरंग सेना तेलंगाना ने राज्य कार्यालय में 2026 के कैलेंडर लॉन्च कि बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने काचीगुडा में अपने राज्य कार्यालय में आयोजित एक समारोह में संगठन के 2026 के कैलेंडर आधिकारिक तौर पर लॉन्च किए। इस लॉन्च इवेंट में महिला अध्यक्ष श्रीनिवास वाणी, महासचिव कृष्णावेणी वोरुगंटी, उपाध्यक्ष राघव और बिरादर, ग्रेटर हैदराबाद अध्यक्ष मनोज मोगलगिद्दी, युवा सचिव नरेश, प्रवीण यादव, साथ ही अन्य पदाधिकारी और सक्रिय सदस्य शामिल हुए।अपने संबोधन के दौरान, अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने हिंदू मंदिरों को कथित खतरों और मंदिर की संपत्तियों पर अवैध निर्माण की रिपोर्ट की गई घटनाओं पर चिंता जताई, जिसमें विशेष रूप से गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र का जिक्र किया गया। उन्होंने मंदिर की संपत्तियों की रक्षा करने और कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सरकारी कार्रवाई का आग्रह किया।महिला अध्यक्ष श्रीनिवास वाणी ने भी मंदिर सुरक्षा की बात दोहराई, धार्मिक स्थलों और जमीनों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और सामुदायिक चिंताओं पर अधिक सतर्कता बरतने की वकालत की।नेतृत्व ने कानूनी तरीकों और अधिकारियों के साथ मिलकर काम करके हिंदू धार्मिक संस्थानों को संरक्षित करने के लिए बजरंग सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में ही अमावस्या के उपलक्ष में भजन कीर्तन का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। स्थानीय भजन गायकों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित भक्तो को झूमने पर मजबूर कर दिया। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग , सचिव हुक्माराम सानपुरा,सह सचिव ढगलाराम सेपटा, समस्त कार्यकारणी पदाधिकारियों व गौभक्त । इस अवसर पर जसमत भाई पटेल व राजस्थान से पधारे मेहमान का सम्मान किया गया है।महा प्रसादी लाभार्थी तुलसी बाई पंवार, मुलाराम पुत्र स्व उमाराम पंवार डुंडीगल वालों द्वारा महा प्रसादी का आयोजन किया गया।व अन्य ने गौसेवा की। इस दौरान भजन गायक श्री आईमाता जी भजन मंडली बालाजी नगर भजन गायक अचल-राम हाम्बड़, मोहनलाल हाम्बड़, गिरधारीलाल प्रजापत , लोकेश,पीटु सागर , लक्ष्मण सुथार, मनिषा सीरवी द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए।

# वारिसगुड़ा महिला मंडल का हल्दी कुंकु कार्यक्रम सम्पन्न

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** वारिसगुड़ा महिला मंडल का संक्रांति के उपलक्ष में हल्दी कुंकू कार्यक्रम सीताराम सदन बौध नगर में आयोजित किया गया।अध्यक्षा कमल सोमानी के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ।आगामी वर्ष के लिए संयोजिका किरण लड्डा, अध्यक्षा कमल सोमानी, मंत्राणी ज्योति चौहान, कोषाध्यक्ष राजश्री सोमानी, उपाध्यक्ष शशि शर्मा, सरिता मूंदड़ा, सह मंत्राणी चंचल झंवर, मंजू मूंदड़ा सर्वसम्मति से मनोनीत किए गये।कार्यक्रम में मोना सोलंकी, विजया परतानी, वन्दना सोमानी, लीला बाहेती, सावित्री डालीया , संध्या मालपानी, प्रेमा मूंदड़ा, मंजू मूंदड़ा, कविता मोदानी, ज्योति सारडा, माया सारडा,राधिका धूत ,अल्का, उमा और आरती सोमानी उपस्थित रहे।

# हैदराबाद से गूंजा बिहार के विकास का संकल्प: टी-हब में ऐतिहासिक बिहार विकास शिखर सम्मेलन 2026 सम्पन्न

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** लेट्स इंस्पायर बिहार (LIB) अभियान ने आज टी-हब, हैदराबाद में बिहार विकास शिखर सम्मेलन 2026 का सफल आयोजन किया, जो एक ऐतिहासिक, अत्यंत सफल एवं राष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण कार्यक्रम बनकर उभरा। खचाखच भरे सभागार में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह आयोजन अभियान की बढ़ती राष्ट्रीय स्वीकार्यता को दर्शाता है तथा भारत की दीर्घकालिक विकास दृष्टि में बिहार की केंद्रीय भूमिका को पुनः रेखांकित करता है।

इस कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों, उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, पेशेवरों, सामाजिक चिंतकों तथा देशभर से आए बिहारी प्रवासी समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे सामूहिक संकल्प, आशावाद और उद्देश्य की एक सशक्त एवं जीवंत वातावरण का निर्माण हुआ।

यह शिखर सम्मेलन लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के राष्ट्रीय आयाम को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ तथा विकसित भारत 2047 की परिकल्पना में बिहार के विकास को एक अनिवार्य स्तंभ के रूप में पुनः स्थापित करता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन तेलंगाना के मलकाजगिरी लोकसभा क्षेत्र से माननीय सांसद एवं तेलंगाना के पूर्व वित्त मंत्री श्री ईटेला राजेंद्र द्वारा उद्घाटनकर्ता-सह-मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। उद्घाटन सत्र में लेट्स इंस्पायर बिहार के मुख्य संरक्षक श्री विकास वैभव, आईपीएस; बैकुंठपुर (बिहार) से माननीय विधायक श्री मिथिलेश तिवारी; पटना सिटी से माननीय विधायक श्री रत्नेश कुशवाहा; डेहरी (बिहार) से माननीय विधायक श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह; तेघड़ा, बेगू-सराय से पूर्व विधायक श्री ललन कुंवर, सहित अनेक प्रख्यात विद्वानों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, सामाजिक नेताओं एवं आंदोलन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

लेट्स इंस्पायर बिहार की यात्रा

22 मार्च 2021 को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास वैभव द्वारा प्रारंभ किया गया लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान, 2047 तक एक विकसित बिहार और परिणामस्वरूप एक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखता है। इसकी परिकल्पना यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा, रोजगार अथवा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी को भी बिहार छोड़कर न जाना पड़े।शिक्षा, समानता और उद्यमिता के मूल सिद्धांतों पर आधारित यह अभियान, बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक एवं उद्यमशील विरासत से प्रेरणा लेकर, जाति और समुदाय से ऊपर उठकर लोगों को राष्ट्रीय विकास के लिए एकजुट करता है। वर्तमान में इसके 3,00,000 से अधिक स्वयंसेवक विभिन्न अध्यायों के माध्यम से सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

यह अभियान बिहार में उद्यमशील क्रांति की परिकल्पना करता है ताकि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। युवाओं को स्वरोजगार, स्टार्ट-अप्स एवं उद्यमों की ओर प्रेरित करने हेतु एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा रहा है। वर्ष 2028 तक प्रत्येक जिले में कम से कम पाँच स्टार्ट-अप स्थापित करने का लक्ष्य है, जिनमें से प्रत्येक 100 से अधिक रोजगार सृजित करेगा। लेट्स इंस्पायर बिहार निरंतर विकसित भारत 2047 की दृष्टि के अनुरूप एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में उभर रहा है।आगामी चार महीनों में बिहार एवं देश के विभिन्न राज्यों में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जो अभियान के एक सशक्त राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित होने को दर्शाते हैं।

श्री विकास वैभव, आईपीएस, मुख्य संरक्षक, लेट्स इंस्पायर बिहार का संबोधन

टी-हब, हैदराबाद में आयोजित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री विकास वैभव, आईपीएस ने लेट्स इंस्पायर बिहार आंदोलन की दृष्टि, उद्देश्य एवं भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत मुख्य भाषण दिया।

उन्होंने बताया कि लेट्स इंस्पायर बिहार का हैदराबाद अध्याय जनवरी 2023 में प्रारंभ किया गया था तथा यह संतोष व्यक्त किया कि 880 प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से सम्मेलन हेतु पंजीकरण कराया, जो बिहारी प्रवासी समुदाय एवं पेशेवरों में प्रबल उत्साह और सहभागिता को दर्शाता है।उन्होंने हैदराबाद से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को साझा करते हुए बताया कि वे यहां प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी के रूप में तथा बाद में दिलसुखनगर बम विस्फोट मामले में एनआईए जांच दल के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं उद्यमिता के लिए वैश्विक रूप से प्रसिद्ध इस शहर से बिहार के भविष्य पर चर्चा करना उनके लिए विशेष रूप से अर्थपूर्ण है।आर्थिक तुलना प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय लगभग 36,000 प्रति माह है, जबकि बिहार की प्रति व्यक्ति आय लगभग 6,374 प्रति माह है।

फ्रेंड्स ग्रुप कमाटीपुरा मंगलहाट द्वारा मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य में अनिल मेडिकल हॉल कमाटीपुरा मंगलहाट के पास अन्न प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, पप्पू महाराज, अनिल अग्रवाल, सुरेश लड्डा, नमन अग्रवाल एवं अन्य सदा उपस्थित रहे।

आज विश्व मंगल गौशाला में मां कामाख्या का आयोजन बड़े धूमधाम से संपन्न किया गया जिसमें सभी गोबर तूने तन मन धन से सेवा दी आज आज के इस प्रोग्राम में भजन गायक विशाल श्रीमाली, नेतराम तिवारी,रमेश प्रजापत,मोनिका सिरवी द्वारा की गई। भोजन प्रसादी महिला भजन मंडली गंदी मैसम्मा द्वारा की गई हरी घास की व्यवस्था जबराराम प्रजापत हंसराज सुथार प्रकाश बालाजी पावर टूल्स विक्रम सिंह राजपूत द्वारा की गई साथ उपस्थित रहे रतनाराम देवासी महादेव डोर्स, लक्ष्मी माजीसा ग्रुप बालनगर नेमाराम केसाराम सांवलराम सोलंकी खेताराम सोलंकी महेंद्र सिंह पितावत डूंगाराम सिरवी, लुंबाराम, लक्ष्मण सिंह, शिवदान बिश्नोई जीतेश्वर ग्रुप बालानगर,दिनेश सुथार,नारायण सुथार, शैतान राम,नरपत,दिनेश सिरवी आदि सभी भक्तों का धन्यवाद प्रकट करते हुए गौशाला उपाध्यक्ष उदय भास्कर, मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार।

## लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 320डी

# हैदराबाद रीजन कॉन्फ्रेंस का आयोजन

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

हैदराबाद रीजन कॉन्फ्रेंस का आयोजन गत् दिनों बाँटिया गार्डन, सिख विलेज, सिकंदराबाद में सम्पन हुआ । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रीजन चेयरमैन महेंद्र कुमार गुप्ता ने की।इनकी धर्मपत्नी सारिका गुप्ता मंच पर विराजमान थी।

इस अवसर पर पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक डॉ. जी. बाबू राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जस्टिस बी. प्रकाश राव विशिष्ट अतिथि थे। मंच पर कई गणमान्य व्यक्ति शोभायमान थे।

कॉन्फ्रेंस की व्यवस्थाओं की देखरेख चेयरमैन निर्मल कुमार जैन के नेतृत्व में की गई, जिन्हें को-चेयरमैन नीलेश चड्ढा और सचिव हुलास बेताला का कुशल सहयोग प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का शानदार संचालन प्रोफेसर चैतन्या और आरती बेताला ने किया.

कार्यक्रम के दौरान चेयर मन महेंद्र कुमार गुप्ता ने सभी क्लब्स के सदस्यों को उनकी सेवाओ के लिए धन्यवाद करते हुए आगे भी उन्हें इसी प्रकार कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

। इस रंगारंग कार्यक्रम में लगभग 300 अतिथि शामिल हुए।

# नरसिंग दास आत्माराम परिवार द्वारा अन्नप्रसाद वितरित

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में मोहनी अमावस के अवसर पर करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्न प्रसाद वितरित किया गया।एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा परिवार के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम परिवार का 28वां कार्यक्रम है जो हर अमावस को लगातार किया जाता है ।

अन्न प्रसाद में मीठे में बालुशाही, सांभर चावल, दही चावल, खारी बूंदी, आदि वितरित किया गया ।अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, भाविक अग्रवाल, अशांकु अग्रवाल, साची अग्रवाल, आदि द्वारा सेवा प्रदान की गई ।

# अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा के द्वारा अन्न प्रसाद कार्यक्रम आयोजित

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा के द्वारा हर माह की तरह इस माह की अमावस्या के अवसर पर रविवार 18 जनवरी को अन्न प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर किया गया। शाखा अध्यक्ष- डॉ दिलीप पंसारी , सचिव- प्रतीक अग्रवाल, सह सचिव- विजय कुंच्छल , कोषाध्यक्ष- रोशन लाल मित्तल , केंद्रीय समिति सदस्य- प्रदीप अग्रवाल (आईपीपी) , महिला समिति संयोजिका सरला अग्रवाल, अन्न प्रसाद कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगी राकेश-नीलम रासिवासिया दंपती और कार्यक्रम संयोजकों रितेश झुंझुनवाला तथा रोहित मोदी की उपस्थिति में महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना और प्रसाद भोग के उपरांत लगभग 500 लोगों ने अन्न प्रसाद का लाभ प्राप्त किया।

शाखा सदस्य नीलम - राकेश रासीवासिया की सुपोत्री कु. शनाया (सुपुत्री : रोनक- प्रणीता) के जन्मदिन अवसर पर प्राप्त विशेष सहयोग के साथ ही सीमा - योगेश अग्रवाल, गोपाल - सबिता अग्रवाल , कार्तिक - मेघा अग्रवाल, गिरधारी लाल अग्रवाल , प्रदीप - अनीता अग्रवाल, रोशन लाल-बाला मित्तल अरुण- अंजू रूंगटा, अजय- छाया गुप्त, महेश- मोनिका गोयल, श्रीनाथ अग्रवाल, राजेन्द्र - अरुणा गुप्त , कन्हैयालाल मोहन लाल और अन्य का सहयोग रहा।

उक्त कार्यक्रम में शाखा परामर्शदाता गिरधारी लाल अग्रवाल के साथ ही राजेश अग्रवाल , अनिल- दीपा गर्ग, मीता पंसारी , दीप्ति झुंझुनवाला , शालिनी केडिया, ज्योति धानुका और अन्य ने उपस्थित होकर सेवा प्रदान की।

# ज्ञानशाला राजराजेश्वरी नगर - वार्षिक पुरस्कार वितरण

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा राजराजेश्वरीनगर के अन्तर्गत संचालित ज्ञानशाला के वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामूहिक नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। ज्ञानशाला के सभी बच्चों ने ज्ञानशाला गीत की सुंदर प्रस्तुति दी। ज्ञानशाला प्रभारी सुशील जी भंसाली ने सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात ज्ञानशाला संयोजिका श्रीमती नीतू बाफना ने वार्षिक रिपोर्ट सबके समक्ष रखी। वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। श्रीमती विधि बोहरा ने पुरस्कार वितरण सत्र का सुंदर संचालन किया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश जी छाजेड़ ने बच्चों को परीक्षा परिणाम के लिए बधाई एवं इसी तरह ज्ञानशाला से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। अभिभावकों को प्रशिक्षक के रूप में तैयार होने की बात रखी।

महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती मंजु बोथरा ने सभी बच्चों का प्रेरित किया। श्रीमती वंदना भंसाली ने अभिभावकों एवं अध्यापिकाओं के बीच जिज्ञासा समाधान मंच को संभाला। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती सीमा सहलोत ने किया। 48 बच्चों ने परीक्षा दी। कार्यक्रम में कुल 60 बच्चे उपस्थित रहे और अच्छी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही। आभार श्रीमती प्रिया छाजेड़ ने किया। कार्यक्रम के पश्चात अल्पाहार रखा गया।

# जन सेवा संघ की समितियों का पुनर्गठन एवं शपथ समारोह सम्पन्न

**हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** जन सेवा संघ के मीडिया प्रभारी श्री राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ की संचालन समिति एवं केंद्रीय समिति सहित विभिन्न समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपने दो वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया । इसके पश्चात सभी समितियां पुनर्गठित की गई एवं पुराने सदस्यों के स्थान पर नए लोगों ने पदभार ग्रहण किया। इस कड़ी में जन सेवा संघ केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के स्थान पर श्री बीश्वजीत सिंह मनोनीत किए गये, उपाध्यक्ष के स्थान पर श्री एस ए खान नामित किए गये, श्री प्रकाश चौधरी ने महासचिव का पदभार ग्रहण किया एवं संयुक्त सचिव श्री नेमीचंद गोयल बनाए गये, कोषाध्यक्ष का पदभार श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव को सौंपा गया, कार्यकारी सदस्य के स्थान पर श्री राधे श्याम राय यादव, श्री कपिराज सिंह, श्री सुरेश पंडित, श्री अरुण सिंह राजपुरोहित, श्री नवीन बिहारी नियुक्त किए गये। संचालन समिति के संयोजक के रूप में श्री डी डी तिवारी ने पदभार ग्रहण किया, संरक्षण समिति के संयोजक के स्थान पर श्री वि डी चौबे को चयनित किया गया, इस क्रम में समस्या निवारण समिति के संयोजक श्री परमानंद शर्मा, अनुशासन समिति के संयोजक श्री पी पी पांडेय, शिक्षा समिति के संयोजक डॉ अमित, मेडिकल कमेटी के संयोजक श्री सीताराम ठाकुर, खेलकूद समिति के संयोजक श्री सुबोध कुमार सिंह, प्रोटोकॉल समिति के संयोजक श्री श्रीकांत पांडेये और सांस्कृतिक समिति के संयोजक श्री अनिल श्रीवास्तव, छठ पूजा कमेटी के संयोजक श्री आर पी सिंह, मेंदक संभाग के प्रभारी श्री सुरेश पंडित, संगारेड्डी के संभागीय अध्यक्ष श्री बसंत सिंह सोलंकी, आई टी सेल समिति के संयोजक श्री बीनीत सिंह, डेलिगेशन समिति के संयोजक श्री एल एम चौधरी, स्पॉन्सर समिति के संयोजक श्री राजेश शर्मा, मार्गदर्शन कमेटी के सदस्य श्री के डी चौबे घोषित किए गये। श्री राजीव चौबे को मीडिया प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया । जन सेवा संघ के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य के स्थान पर श्री के डी चौबे, श्री एल एम चौधरी, श्री मदन लाल रावल, श्री आर पी सिंह, श्री वी डी चौबे, श्री परमानंद शर्मा को सह सम्मान मनोनीत किया गया । श्री के देविदास को कानूनी प्रकोष्ठ के सलाहकार नियुक्त किया गया । मेडचल जोन के संभागीय अध्यक्ष के रूप में श्री राजेश चौबे को नामित किया गया । जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत श्री वी के सिंह पूर्व वरिष्ठ आई पी एस के उपस्थिति में तथा बड़ी संख्या में उपस्थित जन सेवा संघ के सदस्यों के बीच सभी पदाधिकारीयों ने निष्ठा पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए शपथ ग्रहण किया । संचालन समिति के संयोजक श्री डी डी तिवारी ने अपने संबोधन में बताया कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सायं 4:00 बजे जन सेवा संघ की केंद्रीय कार्यालय में निश्चित बैठक होगी जिसमें केंद्रीय समिति सहित सभी समितियों के संयोजक माह भर की अपनी उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत करेंगे तथा आगामी माह के लिए अपनी संभावित योजनाओं का प्रारूप पटल पर रखेंगे । जिस पर विचार विमर्श के पश्चात संचालन समिति द्वारा अनुमोदन दिया जाएगा । उन्होंने सभी संयोजकगण को सलाह दिया कि इस माह की बैठक जो 31 जनवरी को आयोजित की जाएगी उसके पहले अपनी-अपनी समितियों का गठन करलें एवं अपनी कार्य योजना भी तैयार करलें । सभा को श्री परमानंद शर्मा, श्री पी पी पांडेय, श्री एल एम चौधरी, श्री के डी चौबे आदि ने संबोधित किया । अंत में जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत महोदय श्री वी के सिंह जी ने अपने उद्बोधन में सदस्यों में नया जोश भरते हुए इसे व्यापक रूप प्रदान करने का निर्देश दिया । उन्होंने कहा कि जन सेवा के साथ-साथ एक बड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाए, नेकलेस रोड पर छठ पूजा के निमित्त पक्का घाट बनाने हेतु प्रयास किया जाए । तेलंगाना में प्रवासी सेल के अंतर्गत आने वाली योजनाओं के लाभ के विषय में लोगों को जागरूक किया जाए एवं इस विषय में सरकार के समक्ष समुचित मांग उठाई जाए, ऐसे अनेक बिंदुओं पर कार्य करने हेतु जन सेवा संघ के सदस्यों को मार्गदर्शक महोदय ने प्रेरित किया । राष्ट्रगान के साथ आरंभ हुई सभा के अंत में वरिष्ठ सदस्य श्री मदन लाल रावल ने धन्यवाद ज्ञापित किया इसके पश्चात पुनः राष्ट्रगान के साथ ही सभा के समापन की घोषणा की गई ।

इस अवसर पर श्री गोविंद तिवारी, श्री राजीव चौबे, श्री बिश्वजीत सिंह, श्री एस ए खान, श्री प्रकाश चौधरी, श्री सुशील श्रीवास्तव, श्री नेमीचंद गोयल, श्री राधे श्याम राय यादव, श्री श्रीकांत पांडेय, श्री डी डी तिवारी, श्री वी डी चौबे, श्री के डी चौबे, श्री पी पी पांडेय, श्री अनिल श्रीवास्तव, श्री बिनीत सिंह, श्री एस पी सिंह, श्री मदन लाल रावल, श्री सुरेश पंडित, श्री सुबोध कुमार सिंह, श्री परमानंद शर्मा, डॉ अमित, श्री नवीन बिहारी, श्री हरेंदर चौबे, श्री सीताराम ठाकुर, श्री एल एम चौधरी, मोहम्मद मुनव्वर, श्री आर के सिंह, सुजीत सिंह, श्री धनंजय कुमार, राजेंदर सिंह सेंगर, के.देवीदास, एम. सूर्यकांत, राजेश चौबे, कपिराज सिंह, शेखर झा, सुमित चौबे, राजेश यादव, सुरेंदर कुमार, ए के मिश्रा, राजेश शर्मा, अशोक ठाकुर, जितेंदर दुबे, दिनेश रजक, भोला सिंह, बबलू ओझा, बिट्टू आदि उपस्थित रहे।

# करुणा और मानवता का प्रतीक अन्नदान : महेश अग्रवाल

**हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मौनी अमावस्या के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान करुणा और मानवता का प्रतीक है और इसे सबसे श्रेष्ठ सेवा माना जाता है। महेश अग्रवाल ने बताया कि भूखे को भोजन कराना ही सच्ची मानव सेवा है। अन्नदान न केवल लोगों की भूख मिटाता है, बल्कि समाज में भाईचारा, सहयोग और सद्भाव की भावना भी मजबूत करता है।

महेश अग्रवाल ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के नियमित अन्नदान सेवा कर रहा है और इसका उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा और मानवीय मूल्यों को स्थापित करना भी है।

आज की सेवा स्वर्गीय श्री शिव कुमार जी विजयवर्गीय की पुण्य स्मृति में श्रीमती शांता देवी गोविंद नारायण विजयवर्गीय परिवार की ओर से की गई।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वंश अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, अनिल अग्रवाल, पन्ना लाल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, पूजा संघी, रोहित अग्रवाल, आशा अग्रवाल, शांता देवी, प्रवीण विजयवर्गी एवं नवनीता संघी आदि उपस्थित थे।

अत्तापुर में जरूरतमंद लोगों को मौनी अमावस अन्नदान करते हुए बद्रीप्रसाद सरायवाल पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज अतापुर, श्रीनिवास सोमाणी अध्यक्ष राजस्थानी जागृति समिति, सुरेश कुमार मोदी अध्यक्ष श्री राजस्थानी नव जागृति मंच अतापुर, नरेश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अन्य समाज सेवी बंधु।

# अन्नदान सर्वश्रेष्ठ सेवा है : उर्मिला गुप्ता

**हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, केबीआर पार्क परिसर में नियमित अन्नदान सेवा श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ संपन्न हुई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती उर्मिला गुप्ता ने कहा कि अन्नदान सर्वश्रेष्ठ सेवा है, क्योंकि यह सीधे मानव सेवा से जुड़ी हुई है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल शारीरिक तृप्ति ही नहीं, बल्कि उसे आत्मिक शांति, करुणा और सम्मान प्रदान करना भी है। अन्नदान से पुण्य की प्राप्ति होती है और समाज में मानवीय संवेदनाएं सशक्त होती हैं।उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ निरंतर समाज कल्याण के कार्य कर रहा है। इस प्रकार की सेवाओं से जुड़ने पर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है और सेवा भाव और अधिक प्रबल होता है। ऐसे सेवा कार्य समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करते हैं। आज की अन्नदान सेवा स्वर्गीय श्रीमती सोनम जी मित्तल की पुण्यतिथि पर सोनम मित्तल वूमेन वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट, सिकंदराबाद तथा स्वर्गीय हर्षिल गुप्ता की मासिक पुण्यतिथि पर मैसर्स विष्णु एजेंसी, सुल्तान बाजार की ओर से की गई।

इस सेवा कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, वंश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रणधीर, जयप्रकाश सरदा, दिनेश गोयल, महेन्द्रजी अग्रवाल, आशा अग्रवाल, शिवचरण अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल एवं हरिश तोलाराम हिंदुजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

परमहंस पंडित श्री गणेश नारायण जी की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव (दिनांक 19 जनवरी से 23 जनवरी तक) के शुभ अवसर पर आमंत्रण पत्र प्रदान करते हुए -श्रीमती राजेश्वरी रेड्डी (सर्पंच, कालहस्ती सिटी),श्री प्रतीक अग्रवाल (अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा),तथा माननीय श्री वकिति श्रीहरि जी (माननीय खेल एवं डेयरी मंत्री, तेलंगाना सरकार)। निमंत्रण देते हुए आशीष नेमानी, मनीष शर्मा, नरेंद्र जांगिड़, अशोक जांगिड़, शिशिर केडिया

# बधर माता समिति की पारिवारिक डायरेक्टरी हेतु मीटिंग सम्पन्न

**हैदराबाद, 19 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक , समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी के अध्यक्षता में बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 पर स्थित होटल नामची में आयोजित कीयी गई.सेवा समिति के सेक्रेटरी गोविंद सोमानी ने विगत 3 जनवरी को माहेश्वरी भवन में आयोजित 16 वे जागरण का कार्यक्रम दिव्य रूप से संपन्न हुआ,इसलिए सभी समिति के सदस्यों को अभिनंदन कर टी हुए समिति का आगामी कार्यक्रम में बधर माता परिवार के सोमानी, मर्दा, बागड़ी, छापरवाल, मक्कड़ सहित 14 माहेश्वरी खापों की कुलदेवी के परिवार के तेलंगाना-आन्ध्र प्रदेश के सदस्यों की पारिवारिक जानकारी युक्त बहू उद्देशी डायरेक्टरी प्रकाशित करने हेतु कार्य करना है।

इस हेतु सभी सदस्यों को ऑनलाइन के माध्यम से पारिवारिक जानकारी देना होगा. ऑनलाइन आवेदन की लिंक सदस्यों के मोबाइल नंबर पर भेजी जा रही है .सभी सदस्यों को सभी परिवार से संपर्क कर के अपने इस डायरेक्ट्री को यथा शीघ्र प्रकाशित करने हेतु कार्य करने की आवश्यकता है.

किसी को लिंक प्राप्त नहीं होने पर गोविंद सोमानी 9394858498 पर संपर्क कर सकते है.

समिति के कोषाध्यक्ष शाम सोमानी ने जागरण में हुए आय -व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया.जिसे सभी सदस्यों ने स्वीकार किया.

बैठक में राजेश सोमानी, गोविंद सोमानी, रमेश मर्दा,राजगोपाल मर्दा, शाम सोमानी,हनुमान दास सोमानी,कमल मर्दा,विष्णु गोपाल मर्दा,राम गोपाल मर्दा,पुरुषोत्तम सोमानी (झण्डा वाला),उ - नंदगोपाल सोमानी,सुरेश सोमानी, प्रदीप सोमानी और गोपाल सोमानी उपस्थित थे।

अमावस्या के शुभ अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव ने आज रानी पार्क, कोटी बैंक स्ट्रीट के पास स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में एक अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया।यह कार्यक्रम बहुत भक्ति और सामुदायिक भावना के साथ आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य ज़रूरतमंदों की सेवा करना और सेवा और करुणा के मूल्यों को बनाए रखना था। बजरंग सेना के कई सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।उपस्थित लोगों में नरेश, प्रवीण यादव, अभिनय तिवारी, बिरादर, श्रीधर लोखंडे और अन्य समर्पित स्वयंसेवक प्रमुख थे जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश और राज्य के बीसी अध्यक्ष श्रीपति सतीश ने और टीटीडी बोर्ड मेंबर नरसी रेड्डी, राष्ट्र नेता के डी दिनेश आज एन टी आर घाट पर तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक नंदामुरी तारक राम राव को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में मौनी मास अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, जयकिशन उपाध्याय, महावीर प्रशाद कड़ेल, सुनील अग्रवाल, ललित कुमार कड़ेल, सुरेश परवाल, सुरेश कोलारिया, लालचंद उपाध्याय, जगदीश उपाध्याय ,सत्यनारायण मौसूण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल , शरद वर्मा, सुरेश वर्मा, एवं अन्य।

गोशामहल में अमावस्या पर अन्न दान का आयोजन किया गया तथा रंगोली प्रतियोगिता संक्रांति का पुरस्कार दिया गया। सोनिया, सैफाली, अमिता, मोनिका, मंजू, पूनम, सुमन, पंडित श्याम सुंदर, तथा माथुर वैश्य सांस्कृतिक मंत्री परिषद सपना गुप्ता व अन्य।

# रेवंत रेड्डी ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में नेतृत्व कार्यक्रम के लिए किया नामांकन

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हार्वर्ड विश्वविद्यालय के कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में नेतृत्व: 21वीं सदी कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिससे वे स्वतंत्र भारत में आइवी लीग के किसी कार्यक्रम में दाखिला लेने वाले पहले मुख्यमंत्री बन जाएंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रेड्डी 25 से 31 जनवरी तक हार्वर्ड के एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स में कैनेडी स्कूल परिसर में स्थित एक कक्षा में पढ़ेंगे, जिसमें पांच महाद्वीपों के 20 से अधिक देशों के छात्र शामिल होंगे। ट्रैफिक पुलिस का एक्शन: दो दिन की स्पेशल ड्राइव में 305 शराबी ड्राइवर पकड़े गए इस कार्यक्रम के दौरान, रेड्डी कक्षाओं में भाग लेंगे और असाइनमेंट पूरा करेंगे, होमवर्क जमा करेंगे और अन्य वैश्विक प्रतिभागियों के साथ समूह परियोजनाओं में भाग लेंगे।प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर टिम ओ'ब्रायन कर रहे हैं और इसका निर्देशन प्रोफेसर करेन मॉरिससी कर रही हैं। पाठ्यक्रम को विश्व के विभिन्न भागों और इतिहास के विभिन्न युगों से संबंधित केस स्टडी का विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें प्रतिभागियों के समूहों को कक्षा में समस्याओं को हल करने और उनके समाधान

प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा जाएगा। पर 'मुफ़्त 5,000' के लिंक से रहें सावधान इस कोर्स के पूरा होने पर, तेलंगाना के मुख्यमंत्री को हार्वर्ड से एक प्रोग्राम कोर्स का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा, जो भारतीय इतिहास में पहली बार होगा जब किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को यह उपलब्धि हासिल होगी।इससे पहले, राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वैश्वीकृत दुनिया में प्रतिस्पर्धा करने के लिए छात्रों के लिए विदेशी भाषा कौशल के महत्व पर जोर दिया और घोषणा की कि राज्य सरकार विदेशों में रोजगार की इच्छा रखने वाले नर्सिंग छात्रों को जापानी, कोरियाई और जर्मन भाषाएं सिखाने के लिए सुविधाएं विकसित करेगी। इन्-वेस्टमेंट के नाम पर बड़ा फ्रॉड: झांसे में आकर गंवाए 1.59 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, शनिवार को खम्मम के एक नर्सिंग कॉलेज के छात्रों के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया और जर्मनी जैसे देशों में नर्सों की बहुत मांग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नर्सिंग छात्रों को वैश्विक रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद करने के लिए जापानी, जर्मन और कोरियाई भाषाओं में समर्पित शिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि अपनी हालिया विदेश यात्रा के दौरान, कई लोगों ने भारतीय नर्सों, विशेषकर तेलंगाना की नर्सों की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि येदुलपुरम नर्सिंग कॉलेजों के छात्रों को भी प्रस्तावित विदेशी भाषा प्रशिक्षण पहल में शामिल किया जाएगा। स्वास्थ्य और शिक्षा पर सरकार के विशेष ध्यान को रेखांकित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि डॉक्टर भगवान के समान हैं और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना की नर्सें अपनी पेशेवर उत्कृष्टता के माध्यम से विश्व स्तर पर राज्य की प्रतिष्ठा को और बढ़ाएंगी।

टीएफआई आयान मलिक –टीएफआई के ऑर्गनाइज़र, टीएफआई से हिदायत, एनी वांग, लीना, मोइज़ और अन्य लोग रविवार को हैदराबाद के जुबली हिल्स में समर बिस्ट्रो में टीएफआई (ट्रेंड्स फ्यूजन इंडिया) – एक फ्यूजन टैलेंट प्लेटफॉर्म की घोषणा करने के लिए प्रेस मीट में मौजूद थे, जिसमें पूरे भारत में अलग-अलग टैलेंट इवेंट होंगे।

निधी राजीव पाण्डेय वेद पाण्डेय ताड़बन सिकंदराबाद निवास स्थल पर सुन्दर कांड भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें कमलेश त्रिपाठी स्वामी जी इन्दु त्रिपाठी विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय रामपाल पाण्डेय पंडित ओम शर्मा राकेश महाराज सुनील त्रिपाठी हर्ष त्रिपाठी विंध्य मां शारदा भवानी भजन मण्डल पुष्पेंद्र शुक्ला सीताशरण उपाध्याय शिवम तिवारी आदि।

# खूबसूरत और सुरीला! हैदराबाद में अब पेड़ों के बीच बजेंगी शास्त्रीय धुनें, देखें देश का पहला हाई-टेक अर्बन पार्क

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

हैदराबाद के जुबली हिल्स में देश का पहला म्यूजिकल अर्बन फॉरेस्ट खोला गया है. सेंसर आधारित इस पार्क में पैदल चलने वालों की आहट पर शास्त्रीय संगीत बजता है. यह 10 एकड़ में फैला है और मानसिक तनाव दूर करने के लिए एक थेरेपी केंद्र की तरह काम कर रहा है। कंक्रीट के जंगलों और भागती-दौड़ती जिंदगी के बीच हैदराबाद ने शांति का एक अनोखा ठिकाना तैयार किया है. जुबली हिल्स के पास रोड नंबर 45 पर स्थित अर्बन फॉरेस्ट पार्क अब देश का पहला ऐसा म्यूजिकल गार्डन बन गया है. जहाँ प्रकृति और तकनीक का अद्भुत मिलन देखने को मिल रहा है. यहाँ पेड़ों के बीच चलते हुए अब आपको सिर्फ शहर का शोर नहीं बल्कि सुरीला शास्त्रीय संगीत सुनाई देगा. यह प्रोजेक्ट न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है. बल्कि शहरी जीवन की थकान को भी मिटाता है।इस अर्बन फॉरेस्ट की सबसे बड़ी खासियत इसका सेंसर-आधारित ऑडियो सिस्टम है. जैसे ही कोई व्यक्ति वॉकवे पर चलता है।

पास लगे सेंसर उसकी हलचल को पहचान लेते हैं और तुरंत मधुर शास्त्रीय धुनें बजने लगती हैं. पार्क में हाई-टेक स्पीकर और सेंसर्स को इस तरह छुपाया गया है कि वे प्राकृतिक खूबसूरती में बाधा न डालें. यहाँ विशेष रूप से बांसुरी. वीणा और प्रकृति की ध्वनियों को शामिल किया गया है. जो सीधे इंसान के नर्वस सिस्टम को शांत करने में मदद करती हैं. संगीत का चयन इस तरह किया गया है कि वह मन को शांति और एकाग्रता प्रदान करे.

स्वास्थ्य और म्यूजिकल थेरेपी

इस प्रोजेक्ट को मुख्य रूप से तनाव कम करने के लिए डिजाइन किया गया है. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रकृति के करीब रहकर संगीत सुनने से तनाव हार्मोन (Cortisol) का स्तर कम होता है. सुबह की सैर पर आने वाले लोगों के लिए यह एक म्यूजिकल थेरेपी की तरह काम कर रहा है. लगभग 10 एकड़ में फैले इस इलाके को पहले एक साधारण वन क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया था. लेकिन तेलंगाना सरकार और एचएमडीए ने इसे एक नए स्तर पर पहुँचाया है. यहाँ घने पेड़ों के बीच पैदल रास्तों पर चलते हुए संगीत का अनुभव किसी स्वर्ग जैसा अहसास कराता है।

# कुमावत समाज तेलंगाना के मंत्रिमण्डल का विस्तार कल

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

कुमावत समाज तेलंगाना के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा के अगामी कार्यकाल के लिए के नये सदस्य को शपथ दिलाई जायेगी तथा अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा ने बताया की कुमावत समाज भवन किसरा में आयोजन रखा गया है व 20 जनवरी 2026 समय सुबह 11.30 से दोपहर 2 बजे के बीच में रखा गया है कार्यक्रम स्थल पर भोजन की व्यवस्था होगी। इस कार्यक्रम में तेलगांना राज्य की सभी संस्थाओं के अध्यक्षो की मौजदगी में यह कार्यक्रम सम्पन होगा

# हैदराबाद में कविता और साहित्य के प्रेमियों के लिए एक विशेष काव्य संध्या का आयोजन 1 फ़रवरी को

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

हैदराबाद में कविता और साहित्य के प्रेमियों के लिए एक विशेष काव्य संध्या का आयोजन किया जा रहा है। 'सफ़र' संस्था द्वारा 'द क्यूरेटेड पोएट्री शो' शीर्षक से आयोजित यह कार्यक्रम रविवार, 1 फ़रवरी 2026 को शाम 4 : 30 बजे, रंगभूमि स्पेसेज़, सेरिलिंगमपल्ली में संपन्न होगा।

प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए संस्था के संस्थापक संयोजक व कवि श्री अंकित सिंह 'सफ़र' ने बताया कि इस काव्य संध्या में शहर के विभिन्न हिस्सों से 10 चयनित कवि अपनी कविताएँ, ग़ज़लें, शायरी और अन्य रचनाएँ मंच पर प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तुति देने वाले कवियों में सर्वश्री प्रदीप मिश्रा, अंकित सिंह 'सफ़र', सचिन कुमार झा, शांतनु मिश्रा 'अनाम्य कवि', दानिश अलबेला, ख़ालिद परवाना, प्रियंका गुप्ता, गोविंद अक्षय, कंचन राजोरिया और साकेत गुप्ता 'साकी' शामिल हैं।

कार्यक्रम का प्रवेश शुल्क 199 रखा गया है। टिकट बुकमायशो और डिस्ट्रिक्ट पर उपलब्ध हैं।

आयोजकों के अनुसार यह काव्य संध्या शहर के साहित्य-प्रेमी श्रोताओं और दर्शकों के लिए एक उल्लेखनीय और यादगार अनुभव सिद्ध होने की संभावना रखती है।

मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर रेणुका इलामा गौ साला एनजीओ कॉलोनी वनस्थलीपुरम में गौ सेवा करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एनके सिंह, मनोहर सिंह, अमरजीत सिंह, आदित्य सिंह, निखिल और अन्य ।

राजस्थानी जागृति समिति हैराबाद द्वारा मौनी अमावस पर काला हनुमान गौशाला अनन्तगिरी अतापुर में जरूरतमंद एवं गौशाला के कर्मचारियों को साड़ीया और कम्बल का वितरण किया गया, अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत, कोषाध्यक्ष संजय राठी, सुरेश कुमार मोदी अध्यक्ष श्री राजस्थानी नव जागृति मंच, पूर्व अध्यक्ष बाबुलाल जोशी, गणेश गुप्ता, कोटि श्रीधर , अन्य गणमान्य सदस्य।

# पगुडकुला बालास्वामी को विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना राज्य का धर्माचार्य संपर्क प्रमुख नियुक्त किया

**हैदराबाद, 18 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।**

पगुडकुला बालास्वामी को विश्व हिंदू परिषद तेलंगाना राज्य का धर्माचार्य संपर्क प्रमुख नियुक्त किया गया है। हाल ही में विश्व हिंदू परिषद की राज्य कार्यकारी समिति की बैठक में बालास्वामी को स्वामियों के समन्वय के लिए धर्माचार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। शनिवार को इस मौके पर बोलते हुए पगुडकुला बालास्वामी ने कहा कि वे राज्य में साधु-संतों के बीच समन्वय बनाकर धर्म की रक्षा करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वे मठों, पीठों, स्वामीजी के आश्रमों और मंदिरों के माध्यम से हिंदू धर्म को जिंदा रखने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जातियों के बीच की दूरियों को मिटाएंगे और यह भावना लाएंगे कि पूरा हिंदू समाज एक है। उन्होंने कहा कि वे स्वामीजी के केंद्र के रूप में हिंदू धर्म की रक्षा करने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि वे समाज को हिंदू धर्म की महानता के बारे में बताकर धर्म को फैलाने का लगातार काम करेंगे। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों को वापस लाएंगे जिन्होंने अनजाने में अपने धर्म में धर्म बदल लिया है। उन्होंने कहा कि साधु-संतों की गाइडेंस में धार्मिक कॉन्फ्रेंस ऑर्गनाइज़ की जाएंगी और हिंदू कम्युनिटी को एकजुट किया जाएगा। बालास्वामी ने कहा कि वह मंदिरों और साधु-संतों पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए लड़ेंगे। उनका मानना था कि भारत तभी खड़ा होगा जब हिंदू धर्म मज़बूत होगा।

गौ सेवा मित्र मंडल, भाग्यनगर द्वारा मौनी अमावस्या के उपलक्ष्य में श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में गौ सेवा की गई जिसमें उपस्थित मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, अजय गुप्ता, विनोद राठी, यश अग्रवाल, विजय अग्रवाल एवं अन्य सदस्य ना सेवा दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.